THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 82 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.9 2083 मंगलवार, 23 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म करना चाहती है भाजपा'

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। विपक्ष जहां ऑपरेशन टाइगर के लिए भाजपा और शिंदे गुट को कोस रहा है, वहीं भाजपा और शिंदे गुट इसे सफल बता रहे हैं। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने तो इसे लोकतंत्र की हत्या बताया।

वहीं कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने भाजपा की तुलना परजीवी से कर डाली और दावा किया कि भाजपा, क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म करना चाहती है। महाराष्ट्र में कथित ऑपरेशन टाइगर को लेकर कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य का मुखिया लोकतंत्र की हत्या का समर्थन कर रहा है। अगर इस धरती पर लोकतंत्र की हत्या हो रही है और मुख्यमंत्री उसका समर्थन कर रहे हैं, तो यह महाराष्ट्र का दुर्भाग्य है।

जम्मू-कश्मीर की स्थिति में सुधार : थरूर

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपने बयान के कारण एक बार फिर अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल, थरूर ने 21 जून को श्रीनगर दौरे के दौरान जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की।

इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- हमने जम्मू-कश्मीर की स्थिति और हालात में आ रहे सुधार पर बात की। चुनौतियां अभी भी हैं, लेकिन इस दौरे के बाद मुझे पहले से ज्यादा पॉजिटिव महसूस हुआ। थरूर के इस पोस्ट को लेकर कांग्रेस के भीतर ही विरोध शुरू हो गया। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने कहा कि थरूर को कश्मीर के लोगों से भी मिलना चाहिए था।

कोचिंग सेंटर में आग, 15 मौतें

> ज्यादातर स्टूडेंट्स, बचने के लिए बाथरूम में छिपे दम घुटा > एसी में शॉर्ट सर्किट की आशंका

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर 2:15 बजे एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 3 महिलाएं और 12 पुरुष हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अलीगंज इलाके में है। बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो है, जिसमें 3डी आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है।

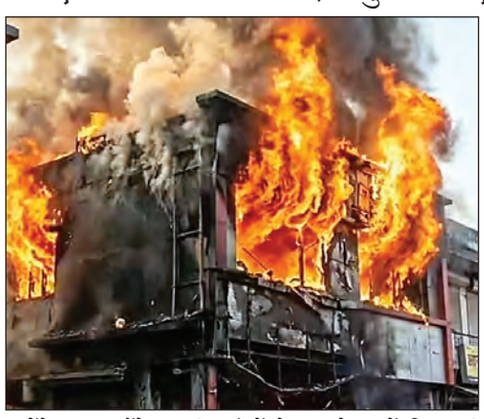

जानकारी के मुताबिक, आग फैलने के बाद दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। जान बचाने के लिए जयंत नाम का एक बच्चा पहले फ्लोर से कूद गया, वहीं 5 लोग तारों के सहारे लटककर नीचे उतरे। अभी आग लगने की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन बेसमेंट में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा, जिससे शव निकाले हैं। इमारत में इमरजेंसी एग्जिट नहीं था। घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एम्बुलेंस कम पड़ गई थीं। मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े।

उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं। सीएम योगी घटनास्थल पहुंचे। इसके बाद ट्रॉमा सेंटर जाएंगे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली से लखनऊ आ रहे हैं। हादसे में सुखमणि (23) की मौत हो हुई है। उनके दोस्त यश ने बताया- सुखमणि 3डी एनीमेशन के ऑफिस में चार साल से नौकरी कर रहे थे। ऑफिस में करीब 40 लोग काम करते हैं। ऑफिस का मुख्य गेट थंब इंप्रेशन से खुलता था। आग फैलने के बाद गेट ऑटोमैटिक लॉक था। उसे खोलने में देरी हुई। जिसकी वजह से हादसा और ज्यादा गंभीर हो गया। बताया जा रहा है इमारत वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर है। वे सीतापुर रोड पर गोविंदपुरम में स्थित रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक हैं। इमारत का नक्शा धीरेंद्र शुक्ला और सुरेंद्र शुक्ला के नाम से पास हुआ था। मामले में प्रशासन की ओर से जांच की जा रही है। शुरूआती जांच के मुताबिक, इमारत में इमरजेंसी एग्जिट नहीं था। इसलिए लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला।

सीएम योगी ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की :
लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवारों को सांत्वना दी और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए। लखनऊ के सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-लखनऊ में आग लगने की एक दुखद घटना के बारे में जानकारी मिली है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई है।

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर का इस्तीफा

100 से ज्यादा सांसद विरोध में थे, 7 साल में ब्रिटेन के पांचवें प्रधानमंत्री ने पद छोड़ा

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं।

स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था। लेबर पार्टी के 400 सांसदों में से 100 से ज्यादा सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। सांसदों का कहना था कि या तो स्टार्मर तुरंत प्रधानमंत्री का पद छोड़ें, या फिर यह तारीख तय करें कि वे किस दिन इस्तीफा देंगे। इनके अलावा स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, रक्षा मंत्री जॉन हीली और एक अन्य मंत्री जेस फिलिप्स ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग को लेकर पद छोड़ दिया था। स्टार्मर पिछले 7 साल में कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ने वाले पांचवें प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक ने पीएम पद से इस्तीफा दिया था।

17 जुलाई तक ब्रिटेन को नया प्रधानमंत्री मिलेगा

स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी जुलाई के मध्य तक अपना नया नेता चुन लेगी। नए नेता और प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह अपने पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने उत्तराधिकारी को पूरा सहयोग देंगे। स्टार्मर ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स III को अपने फैसले की जानकारी दे दी। अब लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) नए नेता के चुनाव का कार्यक्रम तय करेगी।

इसके तहत 9 जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 17 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले नए नेता का चुनाव पूरा करने की कोशिश की जाएगी। ब्रिटेन में जनता सीधे प्रधानमंत्री नहीं चुनती। लोग अपने-अपने क्षेत्र से सांसद चुनते हैं। जिस पार्टी के पास संसद में बहुमत होता है, उसी पार्टी का नेता प्रधानमंत्री बनता है। अभी लेबर पार्टी की सरकार है। इसलिए जो व्यक्ति पार्टी का नया नेता बनेगा, वही प्रधानमंत्री बनने का सबसे बड़ा दावेदार होगा।

टीएमसी के बागी नेताओं ने बनाई नई वर्किंग कमेटी

ममता की जगह अरूप रॉय अध्यक्ष बने अभिषेक को महासचिव पद से हटाया

कोलकाता, 22 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद का सबसे बड़ा उलट फेर सोमवार को हुआ। तृणमूल कांग्रेस से इसकी संस्थापक ममता बनर्जी को ही बागियों ने बेदखल कर दिया है। ममता बनर्जी को हटाकर अरूप रॉय को चेयरमैन पद की कमान सौंप दी गई है। बागियों ने ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को महासचिव पद से हटा दिया है। कोलकाता के मेयर रहे फिरहाद हाकिम, अरूप विश्वास, रथीन घोष को उपाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि 30 लोगों की कमेटी में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी, संदीपन और जावेद खान महासचिव होंगे। सूत्रों के मुताबिक, मीटिंग में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई और उसे मंज़ूरी दी गई। सूत्रों ने आगे बताया कि कमेटी ने इस बारे में एक प्रस्ताव पास किया और मौजूद सभी सदस्यों ने उस दस्तावेज पर साइन किए।

15 दिन बाद आगे बढ़ा मानसून

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। 22 जून (एजेंसियां)। 15 दिन से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटके मानसून की दंतेवाड़ा के रास्ते में राज्य में एंट्री हो गई है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम ने मानसून को आगे बढ़ने में मदद की है। इसके साथ ही बस्तर संभाग में तेज बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है। अगले कुछ दिनों में यह राज्य के बाकी जिलों को भी कवर कर लेगा।

तमिलनाडु के थूथूकोडी में रविवार को बवंडर आया। पहले इसे टॉरनेडो बताया गया था। लेकिन आईएमडी ने सोमवार को पुष्टि करते हुए कहा कि थूथुकुडी की घटना लोकल कन्वेक्टिव वॉर्टेक्स यानी धूल का बवंडर थी। रविवार को मेघालय में भारी बारिश हुई। खासी हिल्स जिले के मॉसिनराम में 24 घंटे में 530 मिमी बारिश

एमपी-यूपी में हीटवेव का अलर्ट, तमिलनाडु में बवंडर

दर्ज की गई। यानी एक रात में यहां जितनी बारिश हुई, उतनी जोधपुर-बीकानेर में 6 महीने में होती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रविवार को ओले गिरे। वहीं, एमपी के 5 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में लू चल सकती है। दक्षिण तमिलनाडु के ऊपर समुद्र तल से लगभग 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर ट्रफ लाइन मौजूद थी। लो प्रेशर के कारण थूथुकुडी में गरज-चमक वाले क्यूम्यूलोनिंबस बादल बने। ऊपर की ओर उठ रही तेज हवाओं से एयरपोर्ट के आसपास धूल उड़ने लगी। फोटो-वीडियो में जो फनल जैसी संरचना दिखाई दे रही है, वह सीबी क्लाउड के नीचे चलने वाली ताकतवर हवा थी। इसने हवा का एक लंबा खंभे जैसी घूमती हुई आकृति बनाई, जो बादलों तक जाती दिख रही थी। उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में तापमान 40-42ओसी के बीच है। तेलंगाना, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में भी तापमान इसी रेंज में है। विदर्भ के 8 जिलों में लगातार गर्मी के कारण रातें भी गर्म हो रही हैं। यहां रात में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, उत्तर प्रदेश का बांदा लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां पारा 42.6 रिकॉर्ड किया गया।

गॉडजिला अल नीनो से भारत में सूखे का खतरा बढ़ा

नासा ने जारी की तस्वीर, समुद्र में बढ़ रही गर्मी से मानसून कमजोर हुआ

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। भारत समेत दक्षिण एशिया के कई देशों में सूखा और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह गॉडजिल अल नीनो की मजबूत होती स्थिति है। नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के मुताबिक पश्चिमी प्रशांत महासागर में 1997 के बाद ऐसी परिस्थितियां बन रही हैं। 29 साल पहले इतिहास का सबसे शक्तिशाली अल नीनो बना था, जिसे सुपर या गॉडजिला अल नीनो कहा गया।

अब भी वैसी ही स्थिति बन रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह हाल के सालों का सबसे प्रभावशाली अल नीनो हो सकता है। नासा के सैटेलाइट ने समुद्र में जमा हो रही भारी मात्रा में गर्मी की फोटो और आंकड़े जारी किए हैं। 1997-98 के अल नीनो के कारण दुनिया के कई हिस्सों में भीषण बाढ़, सूखा, फसलों को भारी नुकसान और रिकॉर्ड स्तर की गर्मी दर्ज की गई थी। मौजूदा अल नीनो भी उसी दिशा में बढ़ सकता है। नासा के सेंटिनल-6 माइकल फ्रीलिच सैटेलाइट से मिले आंकड़ों के मुताबिक भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के बड़े हिस्से में समुद्र का जलस्तर सामान्य से ज्यादा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक- यह संकेत देता है कि समुद्र की सतह के नीचे बड़ी मात्रा में गर्म पानी जमा हो रहा है।

159 दवाओं के सैंपल क्वालिटी टेस्ट में फेल

एक नकली दवा भी पकड़ी, सेंट्रल ड्रग्स लैबोरेटरीज की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सेंट्रल ड्रग्स लैबोरेटरीज ने मई के लिए अपनी मासिक ड्रग अलर्ट रिपोर्ट में अलग-अलग कंपनियों द्वारा बनाई गई 46 दवाओं के सैंपल को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा राज्य स्तरीय दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 दवाओं के सैंपल को भी एनएसक्यू पाया है।

हर महीने जारी होती है निगरानी रिपोर्ट :
बता दें कि यह जानकारी नियमित निगरानी प्रक्रिया के तहत एनएसक्यू और नकली दवाओं की सूची हर महीने सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन

(सीडीएससीओ) के पोर्टल पर जारी की जाती है।

आखिर एनएसक्यू दवा का मतलब क्या है :
किसी दवा के सैंपल को एनएसक्यू तब माना जाता है, जब वह तय गुणवत्ता मानकों में से एक या अधिक परीक्षणों में फेल हो जाता है। हालांकि यह कमी केवल उस विशेष बैच तक सीमित होती है जिसकी जांच की गई है। इसका मतलब यह नहीं है कि बाजार में उपलब्ध उसी दवा के सभी उत्पाद खराब हैं।

असम में मिली एक नकली दवा
मई 2026 के दौरान असम से एक दवा के सैंपल को नकली पाया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस दवा को कुछ अनधिकृत निर्माताओं ने दूसरी कंपनी के ब्रांड नाम का इस्तेमाल करके तैयार किया था। अधिकारियों ने बताया कि इस पूरे मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कानून और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बाजार से हटाई जाएंगी खराब दवाएं
स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एनएसक्यू और नकली दवाओं की पहचान करने का यह अभियान राज्य नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर नियमित रूप से चलाया जाता है, ताकि ऐसी दवाओं की पहचान कर उन्हें बाजार से हटाया जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

'सरकार कर रही आंकड़ों में हेराफेरी'

> जयराम रमेश ने क्यों लगाया केंद्र पर बड़ा आरोप?

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण मजदूरी में बड़ी वृद्धि दर्शाने के लिए आंकड़ों में हेरफेर की है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि आंकड़ों में हेराफेरी करना ही उसका 'एंटायर पॉलिटिकल साइंस' है। रमेश का कहना है कि जून, 2025 से मार्च, 2026 के बीच रिपोर्ट की गई वार्षिक ग्रामीण मजदूरी वृद्धि लगभग छह प्रतिशत से बढ़कर 17-18 प्रतिशत दिखाई गई, जबकि औसत दैनिक मजदूरी केवल एक महीने में 12.7 प्रतिशत बढ़ी हुई दर्ज की गई।

जयराम रमेश ने सरकार पर आंकड़ों में हेरफेर का आरोप लगाया

> पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, वर्ष 2024 में हमने यह मुद्दा उठाया था कि मोदी सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से रोजगार की परिभाषा बदलकर रोजगार सृजन में भारी उछाल का दावा किया है।

> सरकार ने वित्त वर्ष 2018 के बाद से 16.8 करोड़ नए रोजगार सृजित होने का दावा किया।

> बाद में, इस प्रयास में भूमिका निभाने वाले रिजर्व बैंक के शीर्ष नेतृत्व को मोदी सरकार में महत्वपूर्ण पदों से नवाजा गया।

> उन्होंने दावा किया कि अब मोदी सरकार ग्रामीण मजदूरी के आंकड़ों के साथ भी यही करने की कोशिश कर रही है।

मजदूरी के आंकड़ों पर कांग्रेस ने उठाए सवाल :
कांग्रेस नेता का कहना है, हम लगातार यह कहते रहे हैं कि भारत की आर्थिक सुस्ती का मूल कारण वास्तविक (महंगाई-समायोजित) मजदूरी में ठहराव है, जिसने उपभोग वृद्धि को कमजोर किया है और निजी निवेश को हतोत्साहित किया है। इस मूल समस्या का समाधान करने में असफल रहने के बाद, अब सरकार ग्रामीण मजदूरी में कृत्रिम उछाल दिखाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कथित मजदूरी वृद्धि वास्तव में एक कार्यप्रणाली में बदलाव का परिणाम है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, वास्तविकता यह है कि मजदूरी के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि वास्तविक वार्षिक मजदूरी वृद्धि लगभग 4.3 प्रतिशत ही होती, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कमजोर वृद्धि होती। रमेश ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यही आंकड़ों में हेरफेर (डेटा डॉक्टरिंग) का 'एंटायर पॉलिटिकल साइंस' है।

पूर्व सीएम विजयन की बेटी की कंपनी पर कस रहा ईडी का शिकंजा

सीएमआरएल के सीएफओ से हुई पूछताछ, धन शोधन का है मामला

कोच्चि, 22 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) सुरेश कुमार से लंबी पूछताछ की। यह कार्रवाई केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीणा टी की कंपनी एक्सालाजिक सॉल्यूशन के साथ हुए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच का हिस्सा है।

सुरेश कुमार सुबह कोच्चि स्थित ईडी के दफ्तर पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, यह पूछताछ बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि कुमार ही सीएमआरएल और एक्सालाजिक के बीच हुए पैसों के लेनदेन का पूरा रिकॉर्ड रखते थे। ईडी ने आने वाले दिनों में कंपनी के कुछ और बड़े अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। इस मामले में वीणा टी की मुश्किलें भी बढ़ती दिख रही हैं। ईडी ने उन्हें 29 जून को पूछताछ के अगले दौर के लिए बुलाया है। पिछले हफ्ते भी उनसे एक बार पूछताछ की जा चुकी है। जांच एजेंसी का आरोप है कि सीएमआरएल ने वीणा की कंपनी 'एक्सालाजिक सॉल्यूशंस' को 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किया था, लेकिन इसके बदले में कंपनी ने कोई सेवा नहीं दी थी।

पश्चिम बंगाल बजट : 1 लाख सरकारी नौकरियां

20 फीसदी डीए बढ़ोतरी और नए एयरपोर्ट-डीप सी पोर्ट की घोषणा

वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता

कोलकाता, 22 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने सोमवार को 2026-27 के लिए 4.38 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें पश्चिम बंगाल में सामाजिक कल्याण और उद्योग-आधारित बुनियादी ढांचे के विकास पर दोहरे फोकस की रूपरेखा तैयार की गई। आजादी के बाद राज्य में पहली भाजपा सरकार का पहला बजट पेश करते हुए दासगुप्ता ने कहा कि सभी मौजूदा कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए अधिक सख्त लक्षित व्यवस्था अपनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार को 8.15 लाख करोड़ रुपए से अधिक का संचित कर्ज विरासत में मिला है। बेरोजगारी से निपटने के लिए वित्त मंत्री ने घोषणा की, "मैं विभिन्न सरकारी विभागों में एक लाख खाली पदों को भरने का प्रस्ताव करता हूं और नए पदों में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए होगा। इनमें से 1,00,000 पदों में 20,000 पुलिस विभाग के लिए, 50,000 राज्य संचालित स्कूलों में शिक्षकों के लिए और शेष 30,000 अन्य विभागों के लिए होंगे। जहां आवश्यक होगा, वहां अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण होगा।"

विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि को 70 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देते हुए दासगुप्ता ने महंगाई भत्ते में 20 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। इसे 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 38 प्रतिशत किया जाएगा, जो 1 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगा। सिविक वॉलंटियर्स के मानदेय में भी 2,000 रुपए प्रतिमाह की बढ़ोतरी की जाएगी। कल्याणकारी योजनाओं के तहत मंत्री ने राजनीतिक हिंसा के पीड़ितों के लिए आर्थिक सहायता, 10 करोड़ की प्रारंभिक राशि के साथ झाड़ग्राम में एक आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना और अन्नपूर्णा योजना के लिए 36 करोड़ रुपए के प्रावधान की घोषणा की, जिसके तहत 25 से 60 वर्ष की महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सहायता मिलेगी। उन्होंने वीबी जी राम जी योजना के तहत ग्रामीण रोजगार योजना का विस्तार करते हुए 25 लाख अतिरिक्त लाभार्थियों को शामिल करने का प्रस्ताव दिया।

कॉलेज के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक बार 25,000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। नई 'भरोसा' योजना के तहत, आय की शर्तों के आधार पर बेरोजगार ग्रेजुएट को हर महीने 3,000 रुपए और अन्य लोगों को 2,000 रुपए मिलेंगे। आयुष्मान भारत योजना के लिए 3,100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिससे सात करोड़ लाभार्थियों को लाभ मिलेगा।

छिंदवाड़ा में बैतूल हाईवे पर पिकअप और ट्रक में टक्कर; पांच की मौत, 20 घायल

छिंदवाड़ा, 22 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन की ट्रक से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना तेज था कि पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए। इस दौरान 5 लोगों की मौत की बात सामने आ रही है, जबकि 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी और जिला अस्पताल भेजा गया है।

सिविल सर्जन सुशील दुबे ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि अभी तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। मरने वालों में तीन महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं, पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। जैसे ही हम लोगों को हादसे की जानकारी हुई, हमारी टीम इलाज के लिए तुरंत पहुंची थी। उन्होंने बताया कि सभी मजदूर मछेरा गांव के बताए जा रहे हैं। ये लोग कहां जा रहे थे और हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है, साथ ही घालयों से भी पूछताछ की जाएगी, जिससे मामले की सही जानकारी मिल सके।

251 की रफ्तार से बीएमडब्ल्यू डिवाइडर से टकराई

इंजन 30 मीटर दूर गिरा, पार्टी से लौट रहे 2 की मौत, एक घायल

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में बदलापुर के पास मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार डिवाइडर से टकरा गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कार चला रहा युवक घायल हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के कई टुकड़े हो गए। कार का इंजन हादसे वाली जगह से करीब 30 मीटर दूर जा गिरा। वहां शव भी रोड पर बिखर गए। मृतकों की पहचान योगेश नेगी (26) और रेबेका जैकब (24) के रूप में हुई है। दोनों बांद्रा में रहते थे। घायल अंगद का कल्याण के फोर्टिस अस्पताल में इलाज चल रहा है। बीएमडब्ल्यू उसी की थी। पुलिस मृतकों में शआमिल एक सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रही है। इसमें दुर्घटना से कुछ देर पहले कार को 251kmph तक की रफ्तार से चलाते हुए रिकॉर्डिंग की गई थी।

'उद्धव ठाकरे से शिकायत नहीं, अविश्वास ने तोड़ा दिल'

बागी सांसद नागेश आष्टीकर ने बताई पार्टी छोड़ने की वजह

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसद नागेश पाटिल आष्टीकर ने पार्टी छोड़ने के अपने फैसले पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में साफ किया कि उन्हें पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे से कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं है। उद्धव ठाकरे ने उन्हें हमेशा बहुत स्नेह दिया है। लेकिन 18 जून की बैठक के बाद पार्टी के भीतर जो हालात बने, उन्होंने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

आष्टीकर ने बताया कि 18 जून को जब कुछ सांसदों ने संसदीय दल की बैठक में हिस्सा नहीं लिया, तो उनके खिलाफ बहुत कड़वी भाषा का इस्तेमाल किया गया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन पर अविश्वास जताया। आष्टीकर के अनुसार, वे 18 जून तक कहीं नहीं गए थे, लेकिन नेताओं के व्यवहार और अपमानजनक शब्दों ने उन्हें और उनके साथियों को बहुत ठेस पहुंचाई। उन्होंने अपने साथी सांसदों के साथ चर्चा की और इस नतीजे पर पहुंचे कि अब इस पार्टी में रहने का कोई मतलब नहीं है। पार्टी छोड़ने का दूसरा बड़ा कारण उन्होंने अपने क्षेत्र हिंगोली का विकास बताया। आष्टीकर ने कहा कि सांसद निधि के रूप में मिलने वाले 5 करोड़ रुपये विकास कार्यों के लिए काफी नहीं हैं। क्षेत्र की जनता की बहुत उम्मीदें होती हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सत्ता पक्ष में नहीं होते, उन्हें नगर पंचायत, जिला परिषद और वन विभाग जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए पर्याप्त फंड नहीं मिलता। अपने क्षेत्र के विकास और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्होंने यह कठिन फैसला लिया है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) ने नागेश आष्टीकर के बेटे कृष्णा नागेश पाटिल को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बाहर कर दिया है।

छह बागियों को आदित्य ठाकरे ने बताया बिकाऊ

वफादारी पर भी सवाल; कहा-लालच में विचारधारा छोड़ी

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने अपनी पार्टी के बागी सांसदों पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने बागी सांसदों पर विचारधारा के बजाय निजी लालच को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। आदित्य ठाकरे ने इन सांसदों को बिकाऊ करार दिया। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने उन मतदाताओं के साथ धोखा किया है जिन्होंने उन्हें महाविकास अघाड़ी (एमवीए) और 'इंडिया' गठबंधन के समर्थन से जिताया था।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि ये सांसद कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी की मदद से चुनाव जीते थे। मतदाताओं ने एनडीए (एनडीए) के उम्मीदवारों और उनकी विचारधारा के खिलाफ वोट दिया था। लेकिन अब इन सांसदों ने अपनी वफादारी और प्रतिष्ठा को शर्मनाक तरीके से बेच दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक फायदे के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल कर रही है। आदित्य के अनुसार, इन सांसदों ने रातों-रात अपनी विचारधारा सिर्फ इसलिए बदल ली क्योंकि वे लालची हो गए थे।

विधायक आदित्य ठाकरे

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि चुनाव के समय इन नेताओं ने ही गठबंधन के बड़े नेताओं से अपने क्षेत्र में रैलियां करने की मांग की थी।

इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) ने पार्टी की बैठक में शामिल न होने वाले सांसदों को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है। लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) अनिल देसाई ने यह नोटिस भेजा है। इसमें सांसदों को सख्त चेतावनी दी गई है कि उन्हें दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराया जा सकता है। सांसदों को 24 घंटे के भीतर लिखित में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। पार्टी ने साफ किया है कि अगर वे जवाब नहीं देते हैं, तो यह माना जाएगा कि उन्होंने खुद ही पार्टी की सदस्यता छोड़ दी है। इसके बाद संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत उन पर कार्रवाई का रास्ता साफ हो जाएगा। यह विवाद तब और गहरा गया जब दिल्ली में हुई संसदीय दल की बैठक में नो में से केवल तीन लोकसभा सांसद ही पहुंचे। बैठक में अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे शामिल हुए। जबकि संजय दीना पाटिल समेत छह सांसद गायब रहे। गायब रहने वाले अन्य सांसदों में नागेश आष्टीकर, संजय देशमुख, संजय जाधव, ओमप्रकाश राजेनिंबाल्कर और भाऊसाहेब वाकचौरे के नाम शामिल हैं। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पहले ही कह दिया है कि इन अनुपस्थित सांसदों को अयोग्य घोषित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि ये छह सांसद उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हो सकते हैं। शिवसेना एमएलसी चंद्रकांत रघुवंशी ने दावा किया है कि इन सांसदों ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। इस पूरे घटनाक्रम को ऑपरेशन टाइगर का नाम दिया जा रहा है।

बागी टीएमसी सांसदों की सदस्यता रद्द करें स्पीकर

> सौगत रॉय ने बजट सत्र से पहले सरकार पर उठाए सवाल

कोलकाता, 22 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति उथल-पुथल के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय ने बागी सांसदों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर इन सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है। इस दौरान सौगत रॉय के साथ चार अन्य सांसद भी इस बैठक में शामिल थे। करीब एक घंटे तक चली इस बातचीत में टीएमसी नेताओं ने बागी सांसदों के कदम को नियम के खिलाफ बताया।

सौगत रॉय ने स्पीकर से कहा कि जो सांसद अपनी मर्जी से पार्टी छोड़ते हैं, उन्हें कानून के हिसाब से लोकसभा से बाहर कर देना चाहिए। उन्होंने दलील दी कि इन बागी सांसदों ने किसी दूसरी पार्टी के साथ विलय (मर्जर) के नियमों का पालन नहीं किया है। इसलिए उनके नए गुट को आधिकारिक मान्यता नहीं मिलनी चाहिए। सौगत रॉय को उम्मीद है कि स्पीकर संविधान के अनुसार फैसला लेंगे। पश्चिम बंगाल बजट सत्र से पहले सौगत रॉय ने भाजपा सरकार पर भी तीखा हमला किया। उन्होंने

सांसद सौगत रॉय

सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह देखना चाहते हैं कि भाजपा सरकार घाटे के कर्ज और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से कैसे निपटती है। इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब टीएमसी के 28 में से 20 सांसदों ने बगावत कर दी। इन सांसदों ने नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने और संसद में एनडीए (एनडीए) का समर्थन करने का फैसला किया है। बागी सांसदों ने स्पीकर से मिलकर सदन में अलग बैठने की जगह भी मांगी। उनका दावा है कि उनके पास पर्याप्त संख्या बल है। टीएमसी नेतृत्व इस कदम से बेहद नाराज है। पार्टी नेता कुणाल घोष ने इसे मतदाताओं के साथ बड़ा धोखा बताया। उन्होंने कहा कि ये सांसद ममता बनर्जी के चेहरे और टीएमसी के चुनाव चिन्ह पर जीतकर आए थे। अब एनडीए का साथ देना उन लोगों के साथ विश्वासघात है जिन्होंने भाजपा के खिलाफ वोट दिया था। वहीं, मदन मित्रा ने तंज कसते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में सांसदों का जाना बताता है कि 'दाल में कुछ काला है।'

पश्चिमी घाट में बड़ा बदलाव करेगी मोदी सरकार

56825 किमी क्षेत्र को मिलेगी ईएसए सुरक्षा

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। केंद्र की मोदी सरकार 12 साल बाद पश्चिमी घाट के कुछ हिस्सों को पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने की तैयारी कर रही है। इसका मतलब है कि इन क्षेत्रों को विशेष पर्यावरणीय सुरक्षा मिलेगी। इसका मतलब है कि ऐसे इलाकों में खनन, बड़ी फैक्ट्रियां, थर्मल पावर प्लांट और कई तरह की औद्योगिक गतिविधियों पर रोक या कड़ी पाबंदी लग जाएगी।

हालांकि, केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव पर सभी राज्य सहमत नहीं हैं। इसी वजह से केंद्र ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब सरकार उन राज्यों में ईएसए लागू करने की तैयारी कर रही है जहां इस पर सहमति बन चुकी है या बनने के करीब है। जानकारी के लिए बता दें कि पश्चिमी घाट को भारत की सबसे महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखलाओं में से एक माना जाता है। यह गुजरात से लेकर केरल तक फैली हुई है। दुनिया के आठ सबसे बड़े बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट में इसका नाम शामिल है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल भी घोषित किया है। कृष्णा, गोदावरी, कावेरी, पेरियार, मंडोवी और शरावती जैसी कई प्रमुख नदियां

गुगल इमेज

पश्चिमी घाट से निकलती हैं। अगर किसी क्षेत्र को ईएसए घोषित कर दिया जाता है तो वहां नए खनन प्रोजेक्ट, खदानें, पत्थर तोड़ने की परियोजनाएं, रेत खनन, सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले रेड-कैटेगरी उद्योग और 20,000 वर्गमीटर या उससे बड़े निर्माण प्रोजेक्ट पर रोक लग जाती है। 2024 में जारी ताजा ड्राफ्ट के मुताबिक केंद्र सरकार 56,825.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ईएसए घोषित करना चाहती है। यह क्षेत्र छह राज्यों में फैला हुआ है।

कर्नाटक में 20,668 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किलोमीटर, केरल में 9,993.7 वर्ग किलोमीटर, तमिलनाडु में 6,914 वर्ग किलोमीटर और गुजरात में 449 से 470 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएसए के दायरे में लाने का प्रस्ताव है। गोवा में क्षेत्र को लेकर अभी अंतिम फैसला होना बाकी है। पर्यावरण मंत्रालय के अधिकारियों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र जैसे राज्य इस प्रस्ताव पर लगभग सहमत हो चुके हैं। तमिलनाडु में भी कोई बड़ा विवाद नहीं है। सबसे ज्यादा मतभेद फिलहाल केरल और कर्नाटक के साथ हैं। गुजरात पहला ऐसा राज्य है जिसने ईएसए को लेकर अपनी अंतिम सहमति दे दी है। राज्य के 64 गांवों और लगभग 449 से 470 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ईएसए घोषित किया जा सकता है। हालांकि, गुजरात ने शर्त रखी है कि गैर-वन क्षेत्रों में छोटे खनिजों की खनन गतिविधियां जारी रहने दी जाएं और पहले से चल रहे निर्माण कार्य प्रभावित न हों।

महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ईएसएमें शामिल करने का प्रस्ताव है। इससे 2,515 गांव प्रभावित होंगे। हालांकि, महाराष्ट्र चाहता है कि 378 गांवों को ईएसए सूची से बाहर रखा जाए।

गोवा सरकार ने भी 108 प्रस्तावित गांवों में से 21 गांवों को ईएसए सूची से बाहर रखने की मांग की है। ये सभी गांव सत्तारी तालुका में स्थित हैं। कर्नाटक इस प्रस्ताव का सबसे ज्यादा विरोध कर रहा है। राज्य में 20,668 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएसए के दायरे में लाने का प्रस्ताव है, जो कुल प्रस्तावित ईएसए क्षेत्र का सबसे बड़ा हिस्सा है।

75 करोड़ में तैयार होगा सीआईएसएफ का नया मुख्यालय

बंदी संजय ने किया 136 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने सोमवार को नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के नए मुख्यालय भवन की आधारशिला रखी।

मुख्यालय के निर्माण की अनुमानित लागत 75 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही गृह राज्य मंत्री संजय कुमार ने 136.03 करोड़ रुपये की लागत वाली सीआईएसएफ की कई नव-निर्मित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। सीआईएसएफ के नए मुख्यालय का निर्माण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। नौ मंजिला इस अत्याधुनिक इमारत में महानिदेशक और बल की विभिन्न शाखाओं के कार्यालयों के साथ-साथ एक उन्नत नियंत्रण कक्ष, आधुनिक सम्मेलन कक्ष, विशाल सभागार, पुस्तकालय, व्यायामशाला और अन्य विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। समारोह के दौरान, बल के प्रति अपना सर्वस्व

न्यौछावर करने वाले दिवंगत सीआईएसएफ कर्मियों के आश्रित परिवारों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के तहत 1-1 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता राशि के चेक सौंपे गए।

इसके अलावा, बल की 'संरक्षिका' और भारतीय स्टेट बैंक की एक संयुक्त पहल के तहत, बल कर्मियों के विशेष आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों को कस्टमाइज्ड मोटराइज्ड व्हीलचेयर भी प्रदान की गईं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने सीएपीएफ कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। जवानों के लिए शुरू की गई योजनाओं में 'आयुष्मान सीएपीएफ' और 'कैपफिम्स' के माध्यम से कैशलेस स्वास्थ्य सुविधाएं, 'सीएपीएफ ई-आवास' पोर्टल के जरिए पारदर्शी आवास आवंटन, और एक अत्यंत संवेदनशील विकलांगता नीति शामिल है। सीआईएसएफ महानिदेशक प्रवीर रंजन ने बदलती सुरक्षा चुनौतियों और नए खतरों से निपटने के लिए बल की मुस्तैदी का उल्लेख किया।

खबरें जरा हटके

5 साल से खड़ा है यह भारतीय संन्यासी, सूजकर काले पड़ गए पैर

शिव भक्ति की खौफनाक साधना देख उड़ जाएंगे होश!

भारत के एक तपस्वी साधु दौलत गिरी जी महाराज पिछले 5 वर्षों से लगातार खड़े हैं. भगवान शिव के प्रति अपनी अटूट भक्ति और आत्मा की शुद्धि के लिए उन्होंने 12 वर्षों तक न बैठने और न लेटने का एक बेहद कठिन और खौफनाक संकल्प लिया है. आस्था और अध्यात्म की भूमि कहे जाने वाले भारत में अक्सर ऐसे साधु-संतों के दर्शन होते हैं, जिनकी कठिन साधना इंसानी सीमाओं को चुनौती देती नजर आती हैं. छत्तीसगढ़ के रहने वाले दौलत गिरि जी महाराज एक ऐसे ही तपस्वी संन्यासी हैं, जो पिछले पांच सालों से लगातार बिना बैठे या लेटे सिर्फ खड़े रहकर एक बेहद कठिन और दर्दनाक व्रत का पालन कर रहे हैं. उन्होंने पूरे 12 वर्षों तक न बैठने और न ही लेटने का एक अटूट संकल्प लिया है. इस खौफनाक तपस्या के पांच साल पूरे होने पर उनके पैरों में सूजन और कालापन आ गया है. लेकिन इसके बावजूद वो खड़े रहकर अपनी साधना पूरी करना चाहते हैं. दौलत गिरी मूल रूप से साधुओं के एक विशेष संप्रदाय से ताल्लुक रखते हैं, जिन्हें आम भाषा में 'खड़ेश्वरी बाबा' के नाम से जाना जाता है. इस संप्रदाय के संत अपनी आत्मा की शुद्धि और भगवान शिव के प्रति भक्ति को दिखाने के लिए ऐसे कठिन शारीरिक कष्ट सहने का संकल्प लेते हैं. अपने इस कड़े और जानलेवा व्रत को पूरा करने के लिए ये तपस्वी साधु रस्सियों, झूलों और विशेष रूप से तैयार किए गए हार्नेस (सहारे) का उपयोग करते हैं. जब लगातार खड़े रहने के कारण उनके पैर पूरी तरह से जवाब दे देते हैं और शरीर का वजन संभालना नामुमकिन हो जाता है, तब वे इसी झूले के सहारे अपने ऊपरी शरीर को टिकाकर खड़े रहते हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही दौलत गिरि जी की तस्वीरों और वीडियो में उन्हें एक लटकते हुए झूले के सहारे विश्राम करते हुए देखा जा सकता है, जिसमें उनके पैर अत्यधिक सूजे हुए और पूरी तरह काले पड़ चुके दिखाई देते हैं.

4 घंटे वृन्दावन में भिखारी बना लड़का कमाई गिनते ही रह गया हैरान

बेशर्मी से कमा ली इतनी लक्ष्मी!

सोशल मीडिया इन दिनों अलग-अलग तरह के प्रयोगों और चैलेंज से भरा पड़ा है. लेकिन हाल ही में एक युवक का वृन्दावन वाला प्रयोग देखकर कई लोग हैरान रह गए. इस युवक ने मात्र चार घंटे के लिए भिखारी का रूप धारण कर लिया और वृन्दावन की गलियों में भिक्षा मांगनी शुरू कर दी. जब उसने कमाई गिनी तो खुद भी चौंक गया. सिर्फ 4 घंटे में उसकी जेब में 2480 रुपये आ गए थे. वीडियो में युवक दिखाता है कि वह कैसे साधारण कपड़े पहनकर, वृन्दावन के मंदिरों, बाजार और घाटों के आसपास बैठ गया. शुरुआत में तो लोग कम ही देते थे, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा, भक्तों और पर्यटकों की भीड़ बढ़ी। कई श्रद्धालु उसे देखकर दया दिखाते हुए 10-20-50 रुपये देते गए. कुछ पर्यटक तो 100-200 रुपये भी दे गए. युवक ने वीडियो में बताया, "मैंने सोचा भी नहीं था कि इतनी आसानी से इतनी कमाई हो जाएगी. चार घंटे में 2480 रुपये! एक दिन का मेहनताना एक घंटे में." वीडियो में वह नोट गिनते हुए हैरानी और खुशी दोनों जाहिर करते नजर आया. जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, कमेंट सेक्शन में आग लग गई. कुछ यूजर्स इसे क्रिएटिव कंटेंट और रियलिटी चेक मान रहे हैं. वे कह रहे हैं कि भिक्षावृत्ति से भी अच्छी कमाई हो सकती है, जो दिखाता है कि लोग कितने दयालु हैं. दूसरी तरफ कई लोग इसे बेहद आपत्तिजनक बता रहे हैं. उनका कहना है कि वृन्दावन जैसी पवित्र नगरी में भिखारी बनकर प्रयोग करना धार्मिक भावनाओं का अपमान है. "संत-महात्माओं की भूमि पर मजाक? बेशर्मी की हद है," एक यूजर ने लिखा. कई लोगों ने इसे "easy money syndrome" का उदाहरण बताया.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जीवन है गलतियां होती रहती है, बस इरादे गलत नहीं होने चाहिए।

मंत्री कोमटिरेड्डी का असुरक्षित सड़कों और पुलों पर निरंतर निगरानी रखने का निर्देश

चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं और वैकल्पिक मार्ग बिना किसी देरी के खोले जाएं

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के मौसम की शुरूआत के साथ, सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आर एंड बी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे जन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और भारी बारिश और बाढ़ के दौरान पूरे राज्य में निर्बाध सड़क संपर्क सुनिश्चित करें। सोमवार को एक बयान में मंत्री ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुरूप विभाग ने मानसून की तैयारियों और बाढ़ से निपटने के लिए एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इस एसओपी का उद्देश्य सड़कों, पुलों, पुलियों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचों को होने वाले नुकसान को कम करना और आपात स्थितियों के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि अधीक्षण अभियंता से लेकर

सहायक अभियंता तक सभी अधिकारियों को जून से अक्टूबर तक पूरी तरह सतर्क रहना चाहिए और जमीनी स्तर पर उपलब्ध रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग को भारी बारिश के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जेसीबी, एक्सकेवेटर, टिपर, डी-वॉटरिंग पंप, सैंडबैग, एग्रीगेट, बिटुमेन, आरसीसी सामग्री और एचडीपीई पाइप जैसे आपातकालीन उपकरण और सामग्री पहले से तैयार रखने का निर्देश दिया और उन्हें बाढ़ संभावित सड़कों, पुलों, पुलियों और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और ऐसे स्थानों पर निरंतर निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। अधिकारियों को पहले से ही वैकल्पिक मार्गों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि बाढ़ के दौरान यातायात बाधित न हो। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), तेलंगाना आपदा निवारण एवं सुरक्षा पोर्टल और तेलंगाना राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी मौसम संबंधी चेतावनियों पर लगातार नजर रखनी चाहिए और पुलिस, राजस्व, सिंचाई और बिजली विभागों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। मंत्री ने निर्देश दिया कि बाढ़ से सड़कें क्षतिग्रस्त होने पर तुरंत चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं और वैकल्पिक मार्ग बिना किसी देरी के खोले जाएं। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी उतरते ही अस्थायी मरम्मत कार्य शुरू कर दिए जाएं और क्षति आकलन रिपोर्ट, तस्वीरों और जीपीएस निर्देशांकों के साथ, 24 घंटे के भीतर प्रस्तुत की जाएं। उन्होंने कहा कि इंजीनियरों को जन सुरक्षा से संबंधित आपातकालीन कार्यों पर तत्काल निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है और कार्यों के क्रियान्वयन में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बहाली कार्यों पर होने वाला खर्च एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और एसडीएमएफ के मानदंडों के अनुसार ही वहन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हैदराबाद स्थित आर एंड बी मुख्यालय का नियंत्रण कक्ष मानसून के मौसम में लगातार कार्यरत रहेगा और सभी फील्ड अधिकारियों को प्रतिदिन स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि कोई क्षति नहीं होती है, तब भी 'शून्य रिपोर्ट' दाखिल करना अनिवार्य है।मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि मानसून के मौसम में विशेष अनुमति के बिना फील्ड स्टाफ को छुट्टी न दी जाए।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों की सुरक्षा वापस लेने पर उठे सवाल

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस द्वारा वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में कार्य कर चुके कई सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को दी गई सुरक्षा वापस लेने के फैसले पर बहस शुरू हो गई है। पुलिस का कहना है कि माओवादियों के आत्मसमर्पण और केंद्र सरकार द्वारा माओवादी समस्या के समाधान की घोषणा के बाद अब किसी बड़े खतरे की आशंका नहीं है। सूत्रों के अनुसार, कई सेवानिवृत्त अधिकारियों से बुलेटप्रूफ वाहन वापस ले लिए गए हैं और निजी सुरक्षा कर्मियों की संख्या भी घटा दी गई है।

कुछ अधिकारियों के पास केवल एक बंदूकधारी छोड़ा गया है, जबकि कुछ की सुरक्षा पूरी तरह हटा दी गई है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में कोई लिखित आदेश नहीं दिया गया और सुरक्षा विभाग ने फोन के जरिए अधिकारियों को इसकी जानकारी दी।

इस फैसले से आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल रहे कई पूर्व पुलिस अधिकारी हैरान हैं। उनका कहना है कि माओवादियों ने केवल सशस्त्र संघर्ष को स्थगित किया है, विचारधारा का परित्याग नहीं किया है, ऐसे में खतरा पूरी तरह समाप्त मान लेना जल्दबाजी हो सकती है।

भुवनगिरि किले के पर्यटन विकास और रोपवे कार्यों का मंत्री जूपल्ली ने किया निरीक्षण

जूपल्ली कृष्णा राव यादाद्री-भुवनगिरि जिले के ऐतिहासिक भुवनगिरि किला का दौरा कर पर्यटन विकास कार्यों और रोपवे परियोजना की प्रगति का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव, भुवनगिरि लोकसभा सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी तथा भुवनगिरि विधायक कुंभम अनिल कुमार रेड्डी ने सोमवार को यादाद्री-भुवनगिरि जिले के ऐतिहासिक भुवनगिरि किला का दौरा कर पर्यटन विकास कार्यों और रोपवे परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार भुवनगिरि किले को तेलंगाना के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश दिया कि पर्यटकों की सुविधा के लिए बनाई जा रही रोपवे परियोजना को बिना किसी देरी के जल्द पूरा किया जाए। साथ ही सभी विकास कार्यों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तेजी से पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भुवनगिरि क्षेत्र में पर्यटन को और अधिक बढ़ावा देने तथा आधुनिक सुविधाएं विकसित करने के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा। कार्यक्रम में पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मंत्री सीतक्का और सांसद डॉक्टर मल्लू रवि ने विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कलवाकुर्ती विधानसभा क्षेत्र के कडतल मंडल में राज्य की पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का तथा नागरकर्नूल सांसद डॉ. मल्लू रवि ने विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर कलवकुर्ती विधायक कसिरेड्डी नारायण रेड्डी की उपस्थिति में नवनिर्मित मंडल परिषद विकास अधिकारी (एमपीडीओ) कार्यालय भवन का उद्घाटन किया गया। इसके बाद सिरसनवाड़ा गांव के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए दुद्दंबी वागु पर 20 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले उच्च स्तरीय पुल (हाई लेवल ब्रिज) के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस पुल के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के मौसम में आने वाली समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। इस अवसर पर मंत्री सीतक्का और सांसद डॉ. मल्लू रवि ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और जनता की जरूरतों के अनुरूप बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में अच्चमपेट विधायक वामशी कृष्णा, जडचर्ला विधायक अनिरुद्ध रेड्डी, एमएलसी दामोदर रेड्डी, जिला अतिरिक्त कलेक्टर, पंचायत राज विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीसीसी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ व एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन हुई शामिल

महेश कुमार गौड़ तथा तेलंगाना मामलों की एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

वारंगल, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत वारंगल में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ तथा तेलंगाना मामलों की एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने में डीसीसी कार्यकारिणी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से गांव स्तर तक कांग्रेस की विचारधारा तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का आह्वान किया। नेताओं ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने पर बल देते हुए कहा कि जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहना पार्टी कार्यकर्ताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में राज्य के मंत्री पोन्नम प्रभाकर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, जिला समिति के पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों एवं अनुषंगी संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एबीवीपी के स्कूल बंद के आह्वान से आज शैक्षणिक कार्य प्रभावित रहने की संभावना

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर मंगलवार को राज्यव्यापी स्कूल बंद के आह्वान के कारण हैदराबाद समेत तेलंगाना के कई जिलों में शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित रहने की संभावना है। संभावित व्यवधान को देखते हुए कई निजी और कॉर्पोरेट स्कूलों ने अवकाश घोषित कर दिया है। एबीवीपी ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार सरकारी स्कूलों की उपेक्षा कर रही है और निजी विद्यालयों की बढ़ती फीस पर नियंत्रण करने में विफल रही है। संगठन के राज्य सचिव मचारला रामबाबू ने छात्रों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन से बंद को समर्थन देने की अपील की है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार की प्रस्तावित युक्तिकरण नीति के कारण राज्य के 23 हजार सरकारी स्कूल बंद होने की आशंका है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, GHASNIN BAI KORETI, M/O: SEP CHAIN SINGH KORETI, R/O: H.NO.71, BAGOD, SALHE-TP;A (BABU), KANKER, CHHATTISGARH - 494335, have changed my name from GHASNIN BAI KORETI to GHASNIN KORETI and my DOB is 01-01-1954, vide Affidavit dt.6-06-2026.

I, DIKESHWARI, W/O: SEP CHAIN SINGH KORETI, R/O: H.NO.71, BAGOD, SALHE-TP;A (BABU), KANKER, CHHATTISGARH - 494335, have changed my name from DIKESHWARI to DIKESHWARI KORETI vide Affidavit dt.6-06-2026.

I, Kavita Tomar, W/o, No. 14671240P, Hav, Deepak Kumar, R/o, Dist: Shamli, Uttar Pradesh, changed my name from Kavita Tomar to Kavita, vide Affidavit No. BU 316188 dt. 19.06.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Bujji, W/o, No. 14660432M, NK, Dova Aneel, R/o, Dist: Guntur, Andhra Pradesh, changed my name from Bujji to Dova Bujji , vide Affidavit No. 316191 dt. 19.06.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I , Attedi Madhu, W/o, No. 17040574N, CFN, Attedi Venkatesh, R/o, Dist: Nizamabad, Telangana, changed my name from Attedi Madhu to Atthari Madhu vide Affidavit No. 467292 dt. 19.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Dropati, Mother of No. 14669087L, Hav, Surve Tanaji Chandrakant, R/o, Dist: Solapur, Maharashtra, changed my name from Dropati to Draupadabai Chandrbhan Surve, vide Affidavit No. 467317 dt. 20.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14669087L, Hav, Surve Tanaji Chandrakant, R/o, Dist: Solapur, Maharashtra, changed my Son's name from Surve Sarthak Tanaji to Sarthak Tanaji Surve, vide Affidavit No. 467319 dt. 20.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ तिरुमाला स्थित पवित्र श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया और भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की।

मानसून से पहले रेलवे सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा, जीएम ने दिए सख्त निर्देश

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में रेलवे सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी मानसून के दौरान निर्बाध और सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने तथा संभावित चुनौतियों से निपटने की तैयारियों का आकलन करना था। बैठक में दक्षिण मध्य रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। आगामी मानसून के मद्देनजर विद्युत सुरक्षा से जुड़े जोखिमों को ध्यान में रखते हुए महाप्रबंधक ने रेलवे ट्रैक के निकट स्थित पेड़ों और

उनकी शाखाओं की समय पर कटाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फील्ड स्टाफ के पास जीपीएस ट्रैकर उपलब्ध होना चाहिए ताकि निगरानी व्यवस्था प्रभावी ढंग से संचालित की जा सके। साथ ही उन्होंने पर्यवेक्षकों को पूरी सतर्कता बरतने और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए बैठक में विशेष रूप से निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने पर बल दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विद्युत आपूर्ति की मानक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा ट्रेन संचालन के दौरान विद्युत ट्रिपिंग या शॉर्ट सर्किट जैसी समस्याओं को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरती जाए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को प्वाइंट्स एवं क्रॉसिंग्स तथा अन्य संवेदनशील स्थानों का संयुक्त निरीक्षण करने और लंबित मरम्मत कार्यों को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों के लिए नियमित पुनर्ताजगी (रिफ्रेशर) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया, ताकि रेलवे कर्मी सुरक्षा मानकों और परिचालन प्रक्रियाओं से लगातार अपडेट रहें तथा सुरक्षित रेल संचालन में अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभा सकें।

झील प्रदूषण मामले में फार्मा कंपनी और अधिकारियों पर लगाए आरोप

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के डोमाडुगु गांव स्थित नल्लाकुंटा चेरुवु झील को प्रदूषण से बचाने के लिए संघर्ष कर रही समिति ने एक फार्मा कंपनी पर झील में दूषित पदार्थ छोड़ने और अधिकारियों पर मामले को दबाने का आरोप लगाया है। समिति का कहना है कि झील की सफाई के बजाय केवल सौंदर्यीकरण का काम किया जा रहा है। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में तेलंगाना पीपुल्स जॉइंट एक्शन कमेटी (टीपीजेएसी) के संयोजक वाई. अशोक कुमार ने आरोप लगाया कि फार्मा कंपनी से निकलने वाले हानिकारक अपशिष्ट नल्लाकुंटा चेरुवु में पहुंच रहे हैं और बाद में नीचे स्थित कृषि क्षेत्रों को भी प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार विरोध प्रदर्शन और शिकायतों के बावजूद कंपनी ने न तो झील की सफाई के लिए कदम उठाए हैं और न ही प्रदूषित पानी के बहाव को रोकने की व्यवस्था की है। अशोक कुमार ने गुम्मादिडाला एमआरओ और नगर आयुक्त पर भी फार्मा कंपनी प्रबंधन का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि कंपनी को अपशिष्ट उत्सर्जन स्थायी रूप से बंद करने के लिए बाध्य किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। समिति का आरोप है कि जबकि इस मामले की सुनवाई राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) में लंबित है, अधिकारी झील पर विकास कार्य कराकर सबूत मिटाने का प्रयास कर रहे हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

हॉलमार्क उल्लंघन पर 1.6 किलोग्राम सोना जब्त

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने हैदराबाद के आबिड्स क्षेत्र में एक आभूषण दुकान पर छापेमारी कर हॉलमार्किंग नियमों के गंभीर उल्लंघन का खुलासा किया है।

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने हैदराबाद के आबिड्स क्षेत्र में एक आभूषण दुकान पर छापेमारी कर हॉलमार्किंग नियमों के गंभीर उल्लंघन का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान बीआईएस अधिकारियों ने लगभग 1.6 किलोग्राम सोने के आभूषण जब्त किए, जिनमें अंगूठियां, हार और पेंडेंट शामिल हैं। जांच में पाया गया कि कई आभूषण बिना अनिवार्य हॉलमार्क प्रमाणन के बेचे जा रहे थे, जबकि कुछ पर पुराने हॉलमार्क चिन्ह पाए गए। यह कार्रवाई बीआईएस हैदराबाद शाखा के निदेशक एवं प्रमुख पी वी श्रीकांत के निर्देशन में की गई। इस अभियान का नेतृत्व निदेशक एवं वैज्ञानिक-ई सत्तु सविता ने अन्य प्रवर्तन अधिकारियों के साथ किया। अधिकारियों ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण बीआईएस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे केवल बीआईएस हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण ही खरीदें, जिन पर बीआईएस लोगो, शुद्धता चिह्न तथा एचयूआईडी नंबर अंकित हो। उन्होंने यह भी सलाह दी कि खरीद से पहले ग्राहक बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से हॉलमार्क की प्रामाणिकता की जांच अवश्य करें। बीआईएस ने बताया कि इस मामले में संबंधित प्रतिष्ठान के विरूद्ध बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी कि बिना हॉलमार्क वाले आभूषणों की बिक्री या बीआईएस हॉलमार्क के दुरूपयोग की किसी भी शिकायत को बीआईएस केयर ऐप या निकटतम बीआईएस कार्यालय में दर्ज कराया जा सकता है।

आउटर रिंग रोड पर दो कारों की टक्कर, दो लोग गंभीर घायल

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपनगर कीसारा क्षेत्र में सोमवार को आउटर रिंग रोड पर एक टोयोटा इनोवा कार के डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी कार से भिड़ जाने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेडचल से घाटकेसर की ओर जा रही इनोवा कार का चालक कथित रूप से वाहन चलाते समय सो गया। इसके चलते कार पहले सड़क के डिवाइडर से टकराई और फिर विपरीत दिशा में जाकर सामने से आ रही एक अन्य कार से भिड़ गई।

हादसे में घायल दोनों लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर कीसारा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त इनोवा कार नरपल्ली निवासी मंडला श्रीकांत की थी। बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर सड़क को साफ कराया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका।

यूपी के 6 शहरों में आंधी-बारिश, पेड़-पोल उखड़े

बस्ती में कार क्षतिग्रस्त, यूनिपोल गिरने से सड़क जाम, मानसून बॉर्डर पर अटका

लखनऊ/वाराणसी, 22 जून (एजेंसियां)। यूपी में मौसम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। भीषण गर्मी के बीच सोमवार दोपहर को अचानक मौसम बदल गया। गोरखपुर, बस्ती, मऊ, गाजीपुर और बलिया में झमाझम बारिश हुई। बस्ती में आंधी-बारिश की वजह से पेड़-पोल उखड़ गए। एक पेड़ उखड़कर कार पर गिरा। उसका पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क पर यूनिपोल गिरने से भारी ट्रैफिक जाम लग गया।

गोरखपुर और सिद्धार्थनगर में आंधी के साथ बारिश हुई। गाजीपुर में सुबह से कई बार तेज हवा के साथ रुक-रुक कर बारिश हुई। बलिया में भारी बारिश की वजह से सड़कों पर पानी भर गया। मऊ में भी 10 मिनट तक हल्की बारिश हुई। लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली।

इसके अलावा, ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। गर्म हवाएं चल रही है। बादलों की आवाजाही की वजह से उमस बढ़ गई है। 38 जिलों में हीटवेव (लू) चल रही है। 5 जिलों मऊ, चंदौली, बलिया, गाजीपुर और सोनभद्र में बारिश का अलर्ट है।

मौसम विभाग का कहना है कि आमतौर पर 20 जून तक मानसून यूपी में एंट्री कर लेता है। लेकिन, इस बार मानसून यूपी-बिहार बॉर्डर पर पहुंचने के बाद आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

गाजीपुर के 11 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

दो गोल्ड सहित 11 मैडल जीते

गाजीपुर के 11 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में कई मैडल जीते

गाजीपुर, 22 जून (एजेंसियां)। यहां के खिलाड़ियों ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में यूनाईटेड मुएथाई एसोसिएशन ऑफ इंडिया (यूएमएआई) की ओर से आयोजित प्रतियोगिता 7वीं राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। यह स्पर्धा हल्द्वानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम में आयोजित की गई। इसमें दिलदारनगर के सनबीम स्कूल के खिलाड़ियों ने कई पदक जीते। जमानिया के विधायक ओम प्रकाश सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में गाजीपुर के 13 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इनमें से 11 खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। शुभांशी सिंह ने 44 किलो भार वर्ग में और आरुषी सिंह ने 54 किलो के सब जूनियर वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक हासिल किए। यीशु सिंह और कृतिक राजभर ने रजत पदक जीता। इसके अलावा प्रियांशी सिंह, शानवी गुप्ता, ओम जी सिंह, प्रतीक कुमार, कैफ अंसारी, अनुज कुमार गुप्ता सहित अन्य खिलाड़ियों ने कांस्य पदक हासिल किए। विधायक सिंह आवास पर आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों को ट्रैक सूट भेंट किए गए। ओम प्रकाश सिंह ने उनको प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास और अनुशासन का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत करने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

21 साल पुराना सपा ऑफिस ढहाया

सीतापुर, 22 जून (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर में सरकारी जमीन पर बने सपा कार्यालय को सोमवार तड़के बुलडोजर से ढहा दिया। जिला प्रशासन सुबह 4 बजे 5 थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचा। 4 बुलडोजरों ने 2 घंटे में कार्यालय को जमींदोज कर दिया।

यूपी-एसटीएफ ने बिहार के बदमाश ललन सिंह को मार गिराया

2 दरोगा समेत 7 की हत्या में वांटेड था दो भाई भी एनकाउंटर में मारे गए थे

सहारनपुर, 22 जून (एजेंसियां)। सहारनपुर में बिहार के कुख्यात बदमाश ललन सिंह उर्फ लल्लन को यूपी एसटीएफ ने एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर बिहार और यूपी में दो दरोगा, एक बैंक कैशियर और एक सुरक्षा गार्ड समेत 7 हत्याएं, डकैती और एटीएम कैश वैन लूटने जैसे कई संगीन मामले दर्ज थे। उस पर 1.25 लाख रुपये का इनाम भी था।

एडीजी अमिताभ यश ने बताया- रविवार रात डेढ़ बजे एएसपी लाल प्रताप सिंह के नेतृत्व में यूपी एसटीएफ की टीम सरसावा-नकुड़ रोड पर चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान बाइक से संदिग्ध बदमाश आते दिखे। रोकने को कहा तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में ललन को गोली लगी। वह गिर गया।

उन्होंने बताया- अंधेरे का फायदा उठाकर ललन का साथी मौके से फरार हो गया। घायल ललन को पहले सीएचसी ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ सरसावा थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस के मुताबिक, ललन के दो भाइयों रजनीश उर्फ बऊआ सिंह और मनीष सिंह 4 साल पहले पुलिस एनकाउंटर में मारे गए गए थे। तब ललन जान बचाकर भाग निकला था। ललन भाइयों के साथ मिलकर कई बड़ी आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुका था। पुलिस के मुताबिक, ललन बिहार के समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के नंदगोलवा गांव का रहने वाला था। पिता शिव शंकर सिंह किसान है। मां रेशमी देवी घर संभालती है। उनके पांच बेटे और तीन बेटियां हैं। इसमें से चार ललन, रजनीश, मनीष और बबुआ सिंह आपराधिक प्रवृत्ति के थे। तीन बेटे एनकाउंटर में मारे जा चुके हैं। बबुआ हाजीपुर जेल में बंद है। बड़ा भाई पत्थरु सिंह पंजाब में प्राइवेट जॉब करता है। काफी साल पहले घर से नाता तोड़ चुका है। ऐसे में गांव में सिर्फ माता-पिता ही रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, रजनीश ने 2016 में एसबीआई बैंक के पीओ का परीक्षा पास की थी, लेकिन फाइनल मेरिट में नाम नहीं आया। फिर वह लूटपाट करने लगा। बाद में उसने मनीष और ललन के साथ गैंग बना ली।

महिला रेसलर ने थाने में खुद को आग लगाई

हालत गंभीर, बिजनौर में फौजी पर रेप की एफआईआर कराई थी, पुलिस के एक्शन न लेने से भड़की

बिजनौर, 22 जून (एजेंसियां)। बिजनौर के कोतवाली शहर थाने में रविवार रात एक महिला रेसलर ने इंस्पेक्टर के चैंबर में पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगा ली। घटना रात 10:45 बजे की है। आग लगते ही महिला रेसलर जान बचाने के लिए चिल्लाने लगी और इधर-उधर भागने लगी। इस दौरान चैंबर के पर्दों में भी आग लग गई, जिससे थाने में अफरा-तफरी मच गई।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत आग बुझाई और उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक इलाज किया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर कर दिया। फिलहाल, महिला रेसलर की हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक, वह 60 प्रतिशत तक झुलस चुकी है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला रेसलर का फौजी से प्रेम संबंध था। आरोप है कि फौजी ने शादी का वादा किया था, लेकिन बाद में शादी से मुकर गया। इसके बाद महिला ने उसके खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कराई थी।

हालांकि, आरोपी फौजी ने कोर्ट से गिरफ्तारी पर स्टे ले रखा है, जिस वजह से पुलिस उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। इससे नाराज होकर उसने ऐसा कदम उठाया है। इस मामले में एसपी अभिषेक झा ने थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर अमर सिंह राठौर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

महिला की उम्र 25 साल है। उसने एम.एससी की पढ़ाई की है और वह रेसलिंग भी करती है। उसके पिता होमगार्ड थे। काफी समय पहले डीएम आवास पर हुए गोलीकांड में उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद उसकी मां ने दूसरी शादी नरेश कुमार से कर ली। युवती का एक भाई भी है।

बताया जा रहा है कि तीन साल पहले महिला रेसलर की बिजनौर के रहने वाले फौजी सौरभ से सरस्वती विद्या मंदिर में मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों काफी करीब आ गए। सौरभ ने महिला रेसलर से शादी का वादा किया था, लेकिन बाद में वह शादी से मुकर गया।

एसपी अभिषेक झा ने बताया कि युवती ने पहले सौरभ के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। जांच के दौरान सबूत न मिलने के कारण पुलिस ने मामले में अंतिम रिपोर्ट (एफआर) लगा दी थी। इसके बाद युवती ने दोबारा युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। सौरभ ने हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर स्टे ले रखा है।

कारोबारी के बेटे ने कार से 7 पुलिसकर्मियों को रौंदा

गश्त के दौरान सड़क किनारे खड़े थे मेरठ में भाई के साथ रेस लगा रहा था

मेरठ, 22 जून (एजेंसियां)। मेरठ में ऑटो पार्ट्स कारोबारी के बेटे ने अपनी इनोवा कार से सड़क किनारे खड़े 7 पुलिसकर्मियों को रौंद दिया। इस दौरान एक कांस्टेबल का पैर टूट गया। दो के हाथों की खाल छिल गई। बाकी के मुंह और नाक में चोटें आईं हैं।

मामले का सीसीटीवी सोमवार को सामने आया। इसमें दिख रहा है कि शनिवार देर रात ढाई बजे गश्त पर निकले पुलिसकर्मी रोड किनारे पुलिस लीप के पास खड़े थे। तभी तेज रफ्तार इनोवा कार ने पुलिसकर्मियों को रौंदते हुए जीप से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि किसी को हिलने तक का समय नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार 100 से ज्यादा थी। टक्कर के बाद कांस्टेबल 5 फीट तक उछलकर दूर गिरे। मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

16 साल के लड़के ने भाई-भाभी, भतीजे की हत्या की

रोते हुए पुलिस से बोला- 2 दिन से खाना नहीं दिया था, जेल में खाना तो मिलेगा

गोरखपुर, 22 जून (एजेंसियां)। यूपी के गोरखपुर में 16 साल के लड़के ने बड़े भाई, भाभी और 3 साल के भतीजे की सोते वक्त हत्या कर दी। 9 साल की भतीजी ने उसे हत्या करते देख लिया और चिल्लाते हुए कमरे से बाहर भागी। चीख सुनकर माता-पिता की नींद खुल गई।

पिता बड़े बेटे के कमरे में गए, जहां तीनों की लाश पड़ी हुई थीं। छोटा बेटा खून से सना गड़ासा लेकर कमरे से बाहर निकल रहा था। यह देखकर बीमार पिता कांप गए। आरोपी ऊपर वाली मंजिल पर जाकर चुपचाप बैठ गया। थोड़ी देर बाद पिता ने खुद को संभाला। पड़ोसियों और पुलिस को सूचना दी।

एसएसपी और एसपी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पहले लाशें देखीं। पिता ने उन्हें बताया कि छोटे बेटे ने ही हत्या की है। वह ऊपर वाले कमरे में बैठा है। पुलिस ऊपरी मंजिल पर गई तो आरोपी गड़ासा हाथ में लेकर फर्श पर बैठा मिला। कमरा खुला था। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। हत्या की वजह पूछने पर वह रोने लगा। बोला- भाभी ने दो दिन से खाना नहीं दिया था, इसलिए हत्या कर दी। उसने पुलिसकर्मियों से पूछा कि जेल में तो खाना मिलेगा? जिनकी हत्या हुई, उनमें अमित गुप्ता (35), उनकी पत्नी रंजना (32) और बेटा रेयांश शामिल हैं। वारदात सोमवार तड़के 3 बजे जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर बांसगांव थाना क्षेत्र में हुई।

एसपी दिनेश पुरी ने बताया- आरोपी कुंठा में रहता था। उसे ढंग से खाना-कपड़ा नहीं मिलता था। वह पढ़ना चाहता था, लेकिन पढ़ने नहीं दिया गया। वह परिवार से लगातार कहता था कि उसके साथ गलत हो रहा है। पिछले दो दिन से उसे खाना नहीं मिला था। वह तनाव में था और इसी तनाव में उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, बलुआ गांव में हरीलाल (58) का 2000 वर्ग फीट का दो मंजिला मकान है। घर में उनके भाई का परिवार भी रहता है। उनकी छोटी सी बढ़ई की दुकान है। हरीलाल पत्नी के साथ नीचे की मंजिल पर रहते हैं। इसी मंजिल पर अमित और उनकी पत्नी भी रहते थे। ऊपर के कमरे में छोटा भाई रहता था। अमित, पत्नी रंजना, दो बच्चों- 9 साल की बेटी और 3 साल के बेटे रेयांश के साथ सोया था। रात 3 बजे आरोपी भाई उसके कमरे में घुसा। उस वक्त सब गहरी नींद में थे। कमरे में घुसते ही उसने अचानक गड़ासे से बेड पर सो रहे बड़े भाई, भाभी और बेटे पर ताबड़तोड़ वार किए।

भरत एनकाउंटर में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

जज ने मामला रजिस्ट्रार को मेंशन कराने को कहा, वकील ने कहा- मुठभेड़ फर्जी है, कोर्ट दखल दे

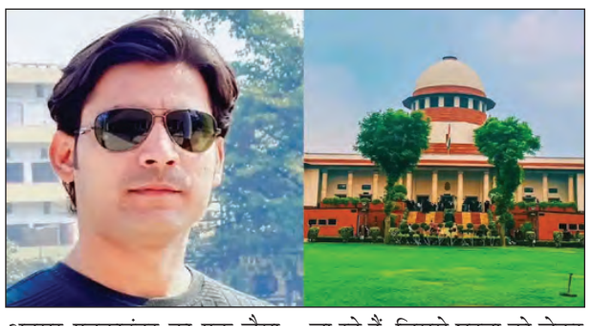

आरा, 22 जून (एजेंसियां)। भोजपुर के भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस नागरत्ना ने मामले में तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि आप रजिस्ट्रार के सामने मेंशन कीजिए। वो इस केस को सुनवाई के लिए लिस्ट करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विशाल तिवारी ने इस मामले में जनहित याचिका दायर कर एनकाउंटर की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने की मांग उठाई है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया है।

याचिकाकर्ता ने जस्टिस नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामला रखा और जल्द सुनवाई की मांग की। विशाल तिवारी अपना पक्ष रखते हुए कहा कि पुलिस अक्सर एनकाउंटर का एक जैसा कारण बताती है। आरोपी ने पुलिस की बंदूक छीन ली, भागने लगा और पुलिस पर हमला करने की कोशिश की, इसलिए आत्मरक्षा में चलानी पड़ी। ये फर्जी एनकाउंटर है। कोर्ट को इस केस में दखल देकर जांच का आदेश देना चाहिए। याचिका में दावा किया गया है कि एनकाउंटर को लेकर विभिन्न पक्षों की ओर से अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं, जिससे घटना को लेकर संदेह की स्थिति बनी हुई है। भरत भूषण तिवारी की मौत से जुड़े घटनाक्रम को लेकर कई गंभीर सवाल सामने आए हैं, जिनकी सच्चाई सामने लाने के लिए राज्य पुलिस से अलग किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा जांच आवश्यक है। ऐसे में न्यायिक निगरानी में स्वतंत्र जांच ही जनता का भरोसा कायम कर सकती है। जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का अनुरोध है। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित कर पूरे घटनाक्रम की निगरानी में जांच कराने की भी मांग की गई है।

शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार के बयान पर दर्ज पहली प्राथमिकी में कहा गया है कि 16 जून को प्राप्त सनहा के आधार पर भरत भूषण तिवारी की गिरफ्तारी और अवैध हथियार बरामद करने के लिए 17 जून की सुबह करीब 5:10 बजे पुलिस टीम बिलौटी गांव स्थित उसके घर पहुंची थी। प्राथमिकी के अनुसार, दरवाजा खुलते ही भरत भूषण उग्र हो गया और पिस्टल से फायर करने का प्रयास किया।

हॉस्टल में पहली क्लास के स्टूडेंट को 20 चाकू मारे

सिर में 2-2 इंच के 8 घाव टॉयलेट में खून से लथपथ मिला सीसीटीवी तोड़कर वारदात

भागलपुर, 22 जून (एजेंसियां)। बांका में प्राइवेट स्कूल के हॉस्टल में पहली कक्षा के छात्र पर जानलेवा हमला हुआ है। सिर और चेहरे पर चाकू से 20 से ज्यादा बार हमला किया गया है। सिर पर 2-2 इंच के 8 घाव हैं। बच्चे को भागलपुर के मायागंज अस्पताल लाया गया है।

घायल की पहचान आनंद कुमार(8) के तौर पर हुई है। वह पहली क्लास में पढ़ता है। कटोरिया के जमुआरी गांव का रहने वाला है। घटना बौंसी थाना क्षेत्र स्थित माउंट केरला आवासिय स्कूल के हॉस्टल की है।

परिजनों का दावा है टॉयलेट की छत पर लहूलुहान स्थिति में बच्चा पड़ा हुआ था। तुरंत उठाकर अस्पताल लेकर गए।

एक्टर पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर हमला

घर के बाहर बैठे थे, हमलावर ने अचानक कुल्हाड़ी से वार किया, गिरफ्तार

पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला

गोपालगंज, 22 जून (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज में एक्टर पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) रेफर किया गया है।

घटना बरौली थाना क्षेत्र के बेलसंड गांव की है। विजेंद्र नाथ तिवारी रविवार देर शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी राजेश साह आया और अचानक विजेंद्र पर वार किया। हमले में वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। विजेंद्र नाथ को तुरंत सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए उन्हें पटना एम्स रेफर कर दिया। आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

डॉक्टर एके मिश्रा ने बताया कि पीठ पर आधा इंच, एक कंधे पर एक इंच और दूसरे कंधे पर आधा इंच जख्म है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने पीड़ित और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। सदर एसडीपीओ- 2 राजेश कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले विजेंद्र नाथ तिवारी अपने घर के पास मिट्टी भरवाए थे, जिसके बाद जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इसी बीच रविवार को आरोपी राजेश ने विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक आरोपी राजेश साह के पिता महेश साह से विजेंद्र नाथ का विवाद था। इस विवाद में महेश जेल भी जा चुका था। राजेश पिता के जेल जाने का बदला लेना चाहता था।

निर्माणाधीन पुल का 70 फीट का स्लैब गिरा

1 मजदूर की मौत, क्रेन से उठाकर रखते समय फिसला, शारदा नहर पर बन रहा

हरदोई, 22 जून (एजेंसियां)। हरदोई में शारदा नहर पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का 70 फीट का स्लैब गिर गया। इसके नीचे 2 मजदूर दब गए। इनमें से एक की लखनऊ ले जाते समय मौत हो गई, दूसरे की हालत गंभीर है। हादसा उस वक्त हुआ, जब सोमवार सुबह पुल पर क्रेन से सीमेंट का स्लैब चढ़ाया जा रहा था।

हादसे के बाद क्रेन-बुलडोजर से स्लैब हटाकर दोनों को बाहर निकाला गया। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डीएम अनुनय झा ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ-पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रहे पुल को आरसीएल कंपनी बनवा रही है।

री-नीट- लखीसराय में कैंडिडेट्स की जगह बैठे सॉल्वर

40 लाख में डील, 5 मेडिकल छात्र समेत 24 गिरफ्तार, एक पीएमसीएच का स्टूडेंट

लखीसराय, 22 जून (एजेंसियां)। 3 मई को पेपर लीक होने के बाद रविवार को नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा हुई। इस दौरान बिहार के लखीसराय में एक बड़े सॉल्वर गैंग का पर्दाफाश हुआ। पुलिस की जांच में सामने आया है कि असली परीक्षार्थियों की जगह परीक्षा देने के लिए मेडिकल छात्रों ने 30 से 40 लाख रुपए में सौदा तय किया था।

पुलिस ने इस मामले में गैंग के सरगना समेत पीएमसीएच, गया मेडिकल कॉलेज, एम्स रायबरेली और बीएचयू के मेडिकल छात्रों सहित कुल 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बायोमेट्रिक जांच करने वाली कंपनी के 14 कर्मचारी भी शामिल हैं। पुलिस ने राजकीय उच्च विद्यालय हसनपुर, केआरके हायर सेकेंडरी स्कूल और केंद्रीय विद्यालय परीक्षा केंद्रों पर छापेमारी कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लखीसराय एसपी प्रेरणा के अनुसार, आरोपियों के पास से मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

अर्पित राज से 2024 में भी सीबीआई कर चुकी है पूछताछ

लखीसराय में गिरफ्तार सॉल्वर गैंग के सरगना अर्पित राज से पहले भी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पूछताछ कर चुकी है। अर्पित का नाम पहले भी नीट परीक्षा से जुड़े मामलों में सामने आ चुका है। 2024 में नीट पेपर लीक मामले की जांच के दौरान सीबीआई ने उससे कई बार पूछताछ की थी। लखीसराय में नीट (यूजी) री-एग्जामिनेशन के दौरान सॉल्वर गैंग के सक्रिय होने की आशंका पर पुलिस और प्रशासन ने 9 संदिग्ध 'मुन्ना भाइयों' को अरेस्ट किया है।

सूत्रों के अनुसार, केआरके विद्यालय परीक्षा केंद्र से 1, केंद्रीय विद्यालय से 7 और हसनपुर विद्यालय से 1 संदिग्ध को पकड़ा गया है। हिरासत में लिए गए सभी युवक लखीसराय के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

जांच में सामने आया कि हाजीपुर निवासी मयंक, जो पीएमसीएच का मेडिकल छात्र है, बायोमेट्रिक जांच करने वाली कंपनी के कर्मचारियों से मिलीभगत कर खुद कर्मचारी बनकर हसनपुर परीक्षा केंद्र में घुस गया था।

हालांकि, पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

अपने तिलक में सिंगर्स के साथ आकाशदीप ने किया डांस

10 लाख का पंडाल, दिल्ली से पहुंचे मेकअप आर्टिस्ट, कल मेहंदी, 24 जून को शादी

रोहतास, 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम के क्रिकेटर आकाश दीप के विवाह समारोह की रस्में शुरू हो चुकी हैं। रविवार को आकाश दीप का तिलक समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर करीब 10 लाख रुपए का पंडाल तैयार किया गया था।

इसमें 20 हजार से अधिक लोग शामिल हुए। तिलक सामारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह और काजल राघवानी भी शामिल हुईं। कार्यक्रम में आकाशदीप डांस करते नजर आए।

आकाश दीप के घर को बॉलीवुड थीम पर सजाया गया है। दूल्हा-दुल्हन के मेकअप के लिए दिल्ली से मेकअप आर्टिस्ट बुलाए गए हैं। शादी समारोह में क्रिकेट जगत की कई हस्तियों के शामिल हो सकते हैं।

मंगलवार (23 जून) को मेहंदी की रस्म होगी। 24 जून को वे वाराणसी में डेहरी-ऑन-सोन निवासी अक्षिता राज के साथ सात फेरे लेंगे। हाल ही में बिहार सरकार ने आकाश दीप को डीएसपी पद पर नियुक्त किया है। इससे परिवार की खुशी और बढ़ गई है। आकाश दीप के होने वाले साले ने कहा, मेरे जीजा भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी हैं और अब डीएसपी भी बन गए हैं। इससे पूरे परिवार का सम्मान बढ़ा है और घर में खुशी का माहौल है। आकाश दीप की होने वाली दुल्हन अक्षिता राज मानिकपुर की रहने वाली हैं। वह इंद्रपुरी थाना क्षेत्र के मानिकपुर निवासी अमित कुमार सिंह (बबलू जी) और रेणु सिंह की बेटी हैं।

अक्षिता ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा से बीसीए और एमसीए की पढ़ाई की है।

शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए संस्थान की ओर से उन्हें नौकरी का प्रस्ताव भी मिला था। हालांकि, इसी दौरान शादी की बातचीत आगे बढ़ने के कारण उन्होंने वह नौकरी जॉइन नहीं की।

दोनों परिवारों की सहमति से यह रिश्ता तय हुआ है। बताया जा रहा है कि आकाश दीप और अक्षिता राज का विवाह पूरी तरह पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार परिवार के बड़े-बुजुर्गों की मौजूदगी में तय किया गया है।

तिरुपति मॉडल को क्यों बताया जा रहा राम मंदिर चंदा चोरी का हल

यहां कैसे रखते हैं हर पाई का हिसाब?

गुगल इमेज

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। अयोध्या का राम मंदिर इन दिनों में देशभर में चर्चा में बना हुआ है। मुद्दा मंदिर के अंदर से चढ़ावे में आई नकदी और जेवरात की चोरी का है। इस पूरे मामले में मंदिर के निर्माण और संपत्ति के रखरखाव के लिए जिम्मेदार राम मंदिर ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों की भूमिका भी शक के घेरे में है। इसके अलावा चढ़ावे की गिनती के लिए लगाए गए कर्मचारियों की जांच जारी है। राज्य सरकार की तरफ से गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले में हर एक कड़ी को जोड़ना शुरू कर दिया है। इस बीच श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर में दान से जुड़े विवादों को दूर करने के लिए अब तिरुमला में स्थित तिरुपति मंदिर के मॉडल के आधार पर राम मंदिर के लिए चढ़ावे की व्यवस्था का विचार सामने रखा है।

आइये जानते हैं कि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर दान विवाद के बीच तिरुमला तिरुपति के दान मॉडल को लेकर क्या कहा? यह मॉडल क्या है, जो कि बीते कई वर्षों से भारत के सबसे ज्यादा दान पाने वाले मंदिर में राशि की गणना के लिए लागू है? यह कैसे अस्तित्व में आया और इसकी पारदर्शिता का उदाहरण क्यों दिया जाता है? क्या यह व्यवस्था पूरी तरह अचूक है?

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर प्रबंधन में सुधार के लिए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया है। उन्होंने तिरुपति मॉडल की तर्ज पर राम मंदिर के प्रबंधन के लिए एक स्वतंत्र कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति का सुझाव दिया है। नृपेंद्र मिश्र ने एक इंटरव्यू में बताया कि तिरुपति में कमिश्नर-रैंक का एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त होता है, जो कि आईएएस स्तर का प्रशासनिक अधिकारी होता है। यह सीईओ आमतौर पर पांच से सात साल तक वहां रहकर पूरा कामकाज संभालता है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए नियुक्त होने वाले सीईओ के पास उत्तर प्रदेश में काम करने का अनुभव होना चाहिए, ताकि वह अयोध्या और राज्य की व्यवस्था को ठीक से समझ सके।

मिश्र ने कहा कि भक्तों द्वारा दिए गए दान की एक-एक पाई का हिसाब पारदर्शी होना चाहिए और हर दिन के दान की गिनती अगले ही दिन की जानी चाहिए, ताकि लोग उसे देख सकें।

तिरुपति देवस्थानम अपने बड़े वित्तीय प्रबंधन के लिए जाना जाता है, जहां हाल ही में 11 महीनों के भीतर 918.6 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड दान प्राप्त हुआ था।

तिरुपति के पीठासीन देवता भगवान श्री वेंकटेश्वर, भगवान विष्णु का एक रूप हैं, जिन्हें कलियुग के दौरान मानवता को कठिनाइयों से उबारने के लिए पृथ्वी पर अवतरित माना जाता है; इसलिए श्रद्धालु अक्सर उन्हें कलियुग प्रत्यक्ष दैवम यानी 'इस युग का साक्षात भगवान' कहते हैं। सामान्य दिनों में मुख्य मंदिर में हर दिन लगभग 70,000 से 80,000 श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। त्योहारों या खास अवसरों के दिन दर्शनार्थियों की यह संख्या बढ़कर एक लाख पार कर जाती है। अगर पूरे वर्ष की बात करें तो दुनियाभर से लगभग 2.5 करोड़ श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए तिरुपति पहुंचते हैं।

इतनी जबरदस्त भीड़ के प्रबंधन, दर्शन व्यवस्था और मुख्य श्री वेंकटेश्वर मंदिर के साथ-साथ 11 अन्य मंदिरों के प्रशासन को सुचारू रूप से चलाने के लिए टीटीडी में लगभग 14,000 कर्मचारी काम करते हैं। कर्मचारियों का यह भारी दल और पेशेवर प्रशासनिक ढांचा ही इतने बड़े पैमाने पर प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ और मंदिर की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

'बड़ा अजूबा है, अनुपम खेर ने पीएम मोदी को रिप्लेस कर दिया'

सोमनाथ भारती को क्या दिखा? कस दिया तंज

सोमनाथ भारती

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके सोमनाथ भारती इन दिनों उत्तराखंड के हिल स्टेशन लैंसडाउन में हैं। सोमनाथ भारती ने लैंसडाउन से एक वीडियो शेयर कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। अपने वीडियो में सोमनाथ भारती ने कहा कि लैंसडाउन शायद देश में पहली जगह है, जहां उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक भी तस्वीर नहीं दिखी है। इस वीडियो में सोमनाथ भारती ने फिल्म एक्टर अनुपम खेर को टैग भी किया है।

अपने एक्स हैंडल पर वीडियो शेयर करते हुए सोमनाथ भारती ने कहा, 'मैं इस समय लैंसडाउन में हूं। ये पहली ऐसी जगह है, जहां आकर मैंने देखा कि फोटो मोदी जी का नहीं, बल्कि उनके चेले अनुपम खेर का लगा है। ये तो बड़ा अजूबा हो गया। अनुपम खेर ने मोदी जी को रिप्लेस कर दिया, कम से कम लैंसडाउन में तो कर दिया है। ये बात तो ठीक नहीं है, अपने गुरु मोदी जी का ही फोटो लगने दीजिए, क्योंकि अगर मोदी जी को पता चल गया कि उनकी जगह आपका फोटो लगा है, तो कहीं वो आपसे नाराज ना हो जाएं।' दरअसल, सोमनाथ भारती ने अपने वीडियो में लैंसडाउन छावनी परिषद की तरफ से साफ-सफाई के प्रति जागरुक करने के लिए लगाए गए एक बोर्ड को शेयर किया है। इस बोर्ड में अनुपम खेर की तस्वीर लगी है और साथ ही उनकी तरफ से अपील करते हुए लिखा है कि यह लैंसडाउन है फौजियों की छावनी, यहां कूड़ा-करकट सड़क पर नहीं फेंकते। सोमनाथ भारती दिल्ली की मालवीय नगर विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं। पेशे से सुप्रीम कोर्ट के वकील सोमनाथ भारती दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार में मंत्री भी रहे।

मैनुअल वाहन फिटनेस टेस्टिंग पर केंद्र का जवाब, गडकरी ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

शिमला, 22 जून (एजेंसियां)। कांगड़ा जिले में वाहन फिटनेस की मैनुअल जांच जारी रखने की मांग पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री को पत्र भेजकर स्थिति स्पष्ट की है। 18 जून 2026 को जारी पत्र में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही किसी प्रकार की राहत पर विचार किया जाएगा।

पत्र में कहा गया है कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के संशोधित प्रावधानों के अनुसार 1 अप्रैल 2025 से परिवहन वाहनों की फिटनेस जांच अधिकृत ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) में कराना अनिवार्य किया गया है। इसी के तहत चरणबद्ध तरीके से मैनुअल फिटनेस टेस्टिंग की सुविधा समाप्त की जा रही है।

नितिन गडकरी ने बताया कि हिमाचल सरकार की ओर से कांगड़ा जिले में शेष ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन पूरी तरह शुरू होने तक मैनुअल फिटनेस टेस्टिंग जारी रखने का अनुरोध किया गया था। इस पर मंत्रालय ने 11 जून 2026 को अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन) को पत्र भेजकर कांगड़ा जिले में जनता और परिवहन विभाग को हो रही दिक्कतों का विस्तृत ब्यौरा मांगा है।

केंद्र ने राज्य सरकार से यह भी पूछा है कि जिले के किन आरटीओ और एआरटीओ कार्यालयों में मैनुअल फिटनेस सुविधा की आवश्यकता है, वहां एटीएस स्थापित करने की कार्ययोजना क्या है और इसे पूरा करने की समय-सीमा क्या होगी। मंत्रालय ने संकेत दिया है कि इन तथ्यों के आधार पर आवश्यक छूट या राहत पर विचार किया जा सकता है। गौरतलब है कि कांगड़ा जिले में मैनुअल फिटनेस टेस्टिंग बंद होने के बाद वाहन मालिकों और परिवहन कारोबारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी को लेकर राज्य सरकार ने केंद्र से अस्थायी राहत देने का आग्रह किया था।

उद्धव बोले जल्द रखेंगे पक्ष

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी में बगावत और कथित 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे, नेता आदित्य ठाकरे और सांसद संजय राउत ने भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

उद्धव ठाकरे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि फिलहाल बागी सांसदों को अपनी बात रखने दीजिए। उन्होंने कहा कि जब उन्हें उचित समय लगेगा, तब वह मीडिया को बुलाकर अपनी पार्टी का पक्ष विस्तार से रखेंगे। उद्धव ने संकेत दिया कि जल्द ही शिवसेना यूबीटी भी पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देगी। वहीं, पार्टी सांसद संजय राउत ने बागी सांसदों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे ने 'छह गद्दारों को जन्म दिया है' और स्थिति को संभालने के लिए आगे और सर्जरी करनी पड़ेगी।

G7 वार्ता के बाद भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की रफ्तार बढ़ी

नई दिल्ली में महत्वपूर्ण बैठकें इस सप्ताह

(फाइल फोटो)

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में फ्रांस में आयोजित जी7 समिट के दौरान मुलाकात की।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान व्यापार, क्षेत्रीय सुरक्षा और गहरी आर्थिक साझेदारी के मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत में अमेरिकी दूतावास ने राजदूत सर्जियो गोर का एक बयान साझा किया। गोर कहते हैं, दोनों नेताओं (पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप) ने जी7 समिट के दौरान व्यापार, क्षेत्रीय सुरक्षा और गहरी आर्थिक साझेदारी को लेकर अहम बातचीत की।

भारत और अमेरिका के बीच जो अंतरिम समझौते पर मुहर लगी थी, उस पर अंतिम फैसले के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत तेज हो गई है। अमेरिका के 20वें व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर इस हफ्ते वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और दूसरे वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से बातचीत के लिए भारत आएंगे। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि वह ग्रीर का स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं। वाशिंगटन और नई दिल्ली एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत को आगे बढ़ाना चाहते हैं। दोनों पक्षों का कहना है कि समझौता लगभग पूरा हो गया है।

अमेरिकी राजदूत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राजदूत ग्रीर का नई दिल्ली में स्वागत करने का इंतजार है। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई सत्र शेड्यूल किए गए हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर के ऑफिस ने रविवार को बताया कि ग्रीर उज्बेकिस्तान जाने से पहले नई दिल्ली आएंगे। बयान के मुताबिक, ग्रीर केंद्रीय मंत्री गोयल और दूसरे सीनियर भारतीय अधिकारियों से मिलेंगे और ऐतिहासिक अमेरिका-भारत संयुक्त बयान और अंतरिम समझौते पर चर्चा करेंगे।

ग्रीर का यह दौरा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 फरवरी, 2025 को शुरू की गई बड़ी अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौता बातचीत का हिस्सा है।

विधान परिषद चुनाव : महायुति गठबंधन ने 17 में से 16 सीटों पर जीत हासिल की

डिप्टी सीएम शिंदे एवं सीएम फडनवीस सुनेत्रा पवार का स्वागत करते हुए।

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने शानदार जीत दर्ज करते हुए 17 में से 16 सीटें अपने नाम कर ली हैं। हालांकि, नासिक में सत्तारूढ़ गठबंधन की इस जीत में खलल पड़ा, जहां निर्दलीय प्रत्याशी ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट को करारा झटका दिया।

द्विवार्षिक चुनावों का सोमवार को मतगणना के साथ समापन हुआ, जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने गठबंधन की शानदार जीत का नेतृत्व किया जबकि विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को स्थानीय निर्वाचन क्षेत्रों में करारी हार का सामना करना पड़ा। 18 जून को 11 सीटों पर मतदान से पहले ही महायुति गठबंधन ने छह सीटें निर्विरोध जीत ली थीं। सोमवार को अंतिम घोषणा के साथ ही सत्ताधारी गठबंधन ने चुनावों में पूर्ण दबदबा कायम कर लिया, जिसमें भाजपा (11 सीटें), शिवसेना (शिंदे) (3 सीटें), एनसीपी (अजित पवार) (2 सीटें) और निर्दलीय (1 सीट) शामिल हैं। चुनाव का सबसे चौंकाने वाला उलटफेर नासिक स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र में देखने को मिला। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं गिरीश महाजन और उदय सामंत द्वारा किए गए भारी राजनीतिक दांवपेच के बावजूद निर्दलीय उम्मीदवार (भाजपा के बागी) गोकुल गीते ने चुनाव से हटने से इनकार कर दिया।

गीते ने मुख्यधारा की सार्वजनिक रैलियों के बिना एक अपरंपरागत अभियान चलाया और महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मौजूदा एमएलसी नरेंद्र दराडे पर नाटकीय जीत हासिल की। अपनी जीत के बाद गीते ने पत्रकारों से कहा कि यह परिणाम दबाव की रणनीति पर सत्य की विजय है। नासिक के नतीजों ने महायुति के भीतर आंतरिक कलह को उजागर किया जबकि विपक्षी एमवीए को लगभग हर क्षेत्र में करारी हार का सामना करना पड़ा और वह स्थानीय निकाय नेटवर्क को विधायी सीटों में बदलने में विफल रही।

भंडारा-गोंदिया में भाजपा के अविनाश ब्रम्हणकर ने कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार नरेश ईश्वरकर को 148 वोटों के अंतर से हरा दिया। ईश्वरकर के 152 के मुकाबले अविनाश ब्रम्हणकर को 304 वोट मिले। छत्रपति संभाजीनगर-जालना में भाजपा के सुहास शिरसाट ने शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार गणेश लोखंडे को हराया और लोखंडे के 134 वोटों के मुकाबले सुहास शिरसाट ने 454 वोट हासिल किए। नांदेड़ में महायुति पार्टी के अमरनाथ राजुरकर ने 339 वोट हासिल करके शानदार जीत दर्ज की। एमवीए उम्मीदवार कृष्णा पाटिल अष्टिकर को केवल 84 वोट मिले जबकि वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के उम्मीदवार प्रशांत इंगोले मात्र 5 वोटों से पिछड़ गए। धाराशिव-लातूर-बीड़ में भाजपा के बसवराज पाटिल ने 845 वोट जीतकर विधानसभा में आसानी से प्रवेश कर लिया। सांगली-सतारा में भाजपा के धैर्यशील कदम ने जीत के लिए आवश्यक 443 वोटों का कोटा पार कर लिया। कदम को 591 प्रथम वरीयता वोट मिले और उन्होंने एनसीपी के अभय सिंह जगताप (295 वोट) को हरा दिया।

नगरासू गुरुद्वारा विवाद : तीसरी मंजिल पर चढ़े दो और निहंग नीचे उतरे

अब अंदर चार ही मौजूद, भारी पुलिस बल तैनात

रुद्रप्रयाग, 22 जून (एजेंसियां)। नगरासू गुरुद्वारे की तीसरी मंजिल पर डटे निहंगों में से दो और निहंग नीचे उतर आए हैं। नीचे उतरे दो निहंगों में से एक की पहचान परमवीर सिंह (33 वर्ष), निवासी ग्राम मलकपुर, जिला रूपनगर (रूपड़), पंजाब और दूसरे की जगनदीप के रूप में हुई है। एक निहंग कल ही उतर गया है। तीन निहंगों के उतरने के बाद अब गुरुद्वारे के अंदर चार निहंग मौजूद हैं। नगरासू गुरुद्वारे में शनिवार शाम से शुरू हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा रविवार शाम करीब 27 घंटे बाद कुछ हद तक शांत हुआ था। इस दौरान जिला प्रशासन और निहंगों के बीच तीन दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। निहंग कर्णप्रयाग प्रकरण में गिरफ्तार लोगों की रिहाई की मांग पर अड़े हुए थे। रविवार शाम प्रशासन की ओर से दोबारा बातचीत किए जाने के बाद बंधक बनाए गए सेवादार नवतेज सिंह को भी रिहा कर दिया गया था।

इसके अलावा एक निहंग भी नीचे उतर आए। अब सोमवार को एक और निहंग परमवीर सिंह और जगनदीप के नीचे आने के बाद गुरुद्वारे के भीतर मौजूद निहंगों की संख्या घटकर चार रह गई है। प्रशासन लगातार अंदर मौजूद निहंगों से बातचीत कर रहा है।

महिला आरक्षण लागू करने की तैयारी तेज

2029 से पहले लोकसभा-विधानसभा सीटें बढ़ाने का प्लान

> एससी-एसटी कोटे को भी फायदा

गुगल इमेज

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। सरकार ने लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के मकसद से एक नए संविधान संशोधन को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। इस प्रस्ताव पर सरकार के उच्च स्तरों पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। प्रस्तावित कानून, जिसे संविधान (133वां संशोधन) बिल के तौर पर पेश किया जा सकता है, मोटे तौर पर विफल रहे संविधान (131वां संशोधन) बिल पर ही आधारित होगा।

लेकिन यह परिसीमन से जुड़ी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगा, क्योंकि इसमें यह सुझाव दिए जाने की संभावना है कि 1971 की जनगणना पर आधारित मौजूदा अंतर-राज्यीय सीट अनुपात में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि, राज्यों के भीतर चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं 2011 की जनगणना के आधार पर फिर से तय की जा सकती हैं।

ड्राफ्ट लगभग तैयार

टाइम्स ऑफ इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, ड्राफ्ट काफी हद तक तैयार है और इसमें आर्टिकल 55, 81, 82, 170, 330, 332 और 334A में बदलाव की मांग की जा सकती है। प्रस्तावित कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या में जहां तक संभव और व्यावहारिक हो, एक समान 50% बढ़ोतरी का जिक्र भी हो सकता है। इसे लागू करने के लिए, सरकार लोकसभा में लंबित परिसीमन बिल में बदलाव करने पर विचार कर रही है। इन बदलावों में सीटों की संख्या बढ़ाने को उन सिद्धांतों में शामिल किया जाएगा जो भविष्य के परिसीमन आयोग का मार्गदर्शन करेंगे।

एससी-एसटी कोटे का भी प्रतिनिधित्व बढ़ सकता है

सीटों की संख्या बढ़ने से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व भी बढ़ सकता है। मौजूदा सोच के अनुसार, लोकसभा में एससी सीटों की संख्या 84 से बढ़कर 136 और ST सीटों की संख्या 47 से बढ़कर 70 हो सकती है। आरक्षित सीटों की संख्या बढ़ाने के अलावा, इस कवायद से सदन में अनुसूचित जातियों के लिए मौजूदा 15.46% के मुकाबले पूरे 16% आरक्षण को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा। महिलाओं के लिए कोटा वर्टिकली (लंबवत) लागू होगा, जिसका मतलब है कि एससी और एसटी के लिए आरक्षित सीटों में से एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए भी तय की जाएंगी। इसके अनुसार, प्रस्तावित 136 एससी सीटों और 70 एसटी सीटों में से लगभग एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती हैं।

राज्यों के साथ लेते हुए किया जा रहा काम

सूत्रों का कहना है कि नए ढांचे का मकसद 2029 में इसे लागू करने की समय-सीमा को बनाए रखना है, साथ ही राज्यों की इस चिंता को भी दूर करना है कि प्रतिनिधित्व में उनका हिस्सा बदल सकता है। पता चला है कि इस ड्राफ्ट की रूपरेखा पर कई बैठकें हुई हैं, जिनमें पीएमओ में हुई बैठक भी शामिल है।

हालांकि, सरकार तब तक आगे नहीं बढ़ेगी जब तक उसे इसे पास कराने के लिए ज़रूरी संख्या का भरोसा न हो जाए। पहले वाले प्रस्ताव की तरह ही, इस बिल को भी दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत और कम से कम आधे राज्यों की मंज़ूरी की ज़रूरत होगी। एक सूत्र ने कहा कि सब कुछ संख्या पर निर्भर करता है जिससे संकेत मिलता है कि सरकार जरूरी समर्थन मिलने का भरोसा होने के बाद ही यह कानून लाएगी।

'टैंकर भेजकर एहसान न जताए सरकार'

पानी की किल्लत पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त, कहा-यह हर नागरिक का मौलिक अधिकार

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को एक बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि साफ और पीने योग्य पानी मिलना नागरिकों का बुनियादी हक है। कोर्ट ने महाराष्ट्र में पानी की भारी किल्लत पर गहरी चिंता जताई।

साथ ही सरकार से पूछा कि वह इस गंभीर समस्या को कब तक दूर करेगी। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। अदालत के सामने विदर्भ क्षेत्र के अमरावती जिले से जुड़ी कई याचिकाएं थीं। इन याचिकाओं में आदिवासी बहुल मेलघाट इलाके का मुद्दा उठाया गया था। वहां कुपोषण के कारण लगातार नवजातों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की मौतें हो रही हैं। अदालत को सूचित किया गया कि तपती गर्मी के बीच मेलघाट भीषण जल संकट से जूझ रहा है। वहां साफ और सुरक्षित पानी की भारी कमी है। इससे पहले अप्रैल में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट को एक चौंकाने वाली जानकारी दी गई थी। हाईकोर्ट को बताया गया था कि दूषित पानी पीने की वजह से इलाके में 13 लोगों की जान जा चुकी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकारी तंत्र ने अपनी सफाई पेश की। सरकार ने पीठ को बताया कि प्रभावित इलाकों में समय-समय पर टैंकरों से पानी भेजा जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 23 जून - 2026

विश्वास बहाली का इम्तिहान

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल छात्रों के ज्ञान की नहीं, बल्कि व्यवस्था की विश्वसनीयता की भी परीक्षा होती हैं। मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित नीट-यूजी परीक्षा का इस वर्ष दोबारा सफल आयोजन इसी कसौटी पर सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की एक महत्वपूर्ण परीक्षा था। पिछले वर्षों में पेपर लीक, अनियमितताओं और प्रशासनिक खामियों ने परीक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। ऐसे में इस बार का आयोजन केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि खोए हुए भरोसे को वापस पाने का प्रयास भी था। इस बार नीट-यूजी के लिए अभूतपूर्व तैयारियां की गईं। प्रश्नपत्रों को सुरक्षित ढंग से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई, बहुस्तरीय सुरक्षा उपाय अपनाए गए, ड्रोन से निगरानी की गई और कई स्थानों पर परीक्षा से पहले मॉक ड्रिल भी की गई। इन कदमों का उद्देश्य था कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना न रहे। प्रारंभिक तौर पर यह प्रयास सफल दिखाई देता है और इससे लाखों छात्रों तथा उनके अभिभावकों को राहत मिली है। फिर भी केवल एक सफल परीक्षा आयोजन से उन सवालों के जवाब नहीं मिल जाते जो पिछले वर्षों की विफलताओं ने पैदा किए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हर बड़ी परीक्षा के लिए इतनी व्यापक और असाधारण तैयारियां करना संभव है? यदि किसी परीक्षा को निष्पक्ष बनाने के लिए हर बार विशेष अभियान चलाना पड़े, तो यह संकेत है कि व्यवस्था के मूल ढांचे में अभी भी सुधार की गुंजाइश है। स्थायी समाधान केवल कड़ी सुरक्षा नहीं, बल्कि ऐसी प्रणाली का निर्माण है जिसमें अनियमितताओं की संभावना ही न हो। पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों के मन में गहरा अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की मेहनत करने वाले विद्यार्थियों को यह डर सताता है कि कहीं किसी और की बेईमानी उनकी मेहनत पर भारी न पड़ जाए। बार-बार सामने आने वाली गड़बड़ियों ने इस चिंता को और बढ़ाया है। यही कारण है कि परीक्षा के दौरान भी छात्रों और अभिभावकों के मन में आशंका बनी रही कि सब कुछ ठीक ढंग से होगा या नहीं। किसी भी परीक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी पूंजी उसका विश्वास होता है, और इस विश्वास को पुनर्स्थापित करना अब सरकार और एनटीए की जिम्मेदारी है। पेपर लीक मामलों की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी हो रही है। लेकिन केवल दंडात्मक कदम पर्याप्त नहीं होंगे। जवाबदेही तय करना, संस्थागत सुधार लागू करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत तंत्र विकसित करना भी आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय भी स्पष्ट कर चुका है कि जिम्मेदारी तय किए बिना सुधार संभव नहीं। इसके साथ ही छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव की समस्या को भी गंभीरता से समझना होगा। हाल के वर्षों में परीक्षा तनाव से जुड़ी आत्महत्या की घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली रही हैं। एक परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बना देने वाली व्यवस्था में सुधार जरूरी है। इस संदर्भ में यह सुझाव महत्वपूर्ण है कि नीट जैसी परीक्षाएं वर्ष में एक से अधिक बार आयोजित की जाएं। इससे छात्रों पर दबाव कम होगा और किसी एक परीक्षा में हुई परेशानी उनके पूरे वर्ष को प्रभावित नहीं करेगी। नीट-यूजी का शांतिपूर्ण आयोजन निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत है, लेकिन असली सफलता तब होगी जब निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वास व्यवस्था की स्थायी पहचान बन जाए। सरकार की वास्तविक परीक्षा अभी समाप्त नहीं हुई है; वह छात्रों का भरोसा पूरी तरह जीतने में है।

बिहार में सत्ता से टकराने की कीमत मौत?

सुरेश गांधी

बिहार का भरत तिवारी प्रकरण अब केवल एक कथित मुठभेड़ का मामला नहीं रह गया है। यह उस बुनियादी प्रश्न का प्रतीक बन चुका है, जो हर लोकतंत्र में समय-समय पर उठता है-क्या राज्य की शक्ति कानून के अधीन है, या कभी-कभी कानून से ऊपर भी खड़ी हो जाती है? भरत तिवारी की मौत के बाद सामने आए वायरल वीडियो, ग्रामीणों के दावे, पुलिस का आधिकारिक पक्ष, पुलिसकर्मियों का निलंबन, न्यायिक जांच की घोषणा और इस पूरे घटनाक्रम पर उठे राजनीतिक तूफान ने बिहार की राजनीति को झकझोर दिया है। यह मामला अब केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि शासन, पुलिस और जनता के रिश्ते की परीक्षा बन गया है। यदि पुलिस का पक्ष सही है, तो उसे अपने दावे को ठोस साक्ष्यों से सिद्ध करना चाहिए। यदि ग्रामीणों के आरोप सही हैं कि विवाद की शुरुआत गांव में पुलिस कार्रवाई का विरोध करने और कथित रूप से एक पुलिस अधिकारी का कॉलर पकड़ने से हुई, फिर बाद में प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई की गई, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत गंभीर विषय है। इन आरोपों की पुष्टि या खंडन जांच का विषय है, लेकिन इन्हें केवल इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि आरोप पुलिस पर हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह भी है कि यदि भरत तिवारी एक कुख्यात अपराधी था, तो उसके आपराधिक इतिहास, उसके विरुद्ध लंबित मामलों और उसके अपराधों का विस्तृत रिकॉर्ड तत्काल सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? लोकतांत्रिक शासन में पारदर्शिता संदेह को कम करती है, जबकि अस्पष्टता उसे बढ़ाती है। इस मामले का सबसे संवेदनशील पहलू वायरल वीडियो हैं।

यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि ग्रामीण गोली न चलाने की अपील कर रहे थे और घटनास्थल पर परिस्थितियां पुलिस के आधिकारिक संस्करण से भिन्न थीं, तो यह केवल एक मुठभेड़ का मामला नहीं रहेगा, बल्कि कानून के शासन पर गंभीर प्रश्नचिह्न होगा। दूसरी ओर यदि वीडियो अधूरे, भ्रामक या संदर्भ से बाहर पाए जाते हैं, तो यह भी सामने आना चाहिए। इसलिए अंतिम निष्कर्ष न्यायिक जांच पर ही आधारित होना चाहिए। यह घटना एक व्यापक बहस भी छेड़ती है। भारत के अनेक राज्यों में वर्षों से ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि पुलिस के साथ टकराव करने वाले व्यक्ति पर बाद में गंभीर मुकदमे दर्ज हो जाते हैं, या वह कठोर कार्रवाई का सामना करता है। दूसरी ओर पुलिस का तर्क रहता है कि अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के बिना कानून-व्यवस्था बनाए रखना संभव नहीं। इन दोनों के बीच संतुलन ही लोकतंत्र की असली कसौटी है। इतिहास बताता है कि किसी भी सरकार के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक संकट तब पैदा होता है जब जनता के मन में यह धारणा बनने लगे कि पुलिस निष्पक्ष कानून प्रवर्तन एजेंसी नहीं, बल्कि सत्ता का दंडात्मक औजार बन रही है। ऐसी धारणा सही हो या गलत, यदि उसे समय रहते पारदर्शी जांच और जवाबदेही से दूर नहीं किया गया, तो उसका असर अदालतों से पहले जनता की अदालत में दिखाई देता है। मीडिया की भूमिका भी इस मामले में अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकारिता का दायित्व न तो पुलिस का प्रवक्ता बनना है और न ही बिना जांच किसी को दोषी घोषित करना। मीडिया का काम तथ्यों को सामने लाना, विरोधाभासों पर प्रश्न उठाना और जांच को जवाबदेह बनाए रखना है। मीडिया ट्रायल न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प नहीं हो सकता, लेकिन सत्ता से असहज प्रश्न पूछना लोकतांत्रिक पत्रकारिता का मूल धर्म है। भरत तिवारी दोषी था या निर्दोष, इसका निर्णय अदालत और जांच प्रक्रिया करेगी। लेकिन एक बात निर्विवाद है-लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति की सबसे बड़ी सुरक्षा यह विश्वास है कि उसके साथ कानून के अनुसार व्यवहार होगा, प्रतिशोध के अनुसार नहीं।

बिहार सरकार ने न्यायिक जांच की घोषणा की है। अब यह केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं रहनी चाहिए। जांच ऐसी होनी चाहिए जो न केवल निष्पक्ष हो, बल्कि जनता को निष्पक्ष दिखाई भी दे। क्योंकि यदि जनता का विश्वास पुलिस और न्याय व्यवस्था से उठने लगे, तो नुकसान केवल एक सरकार का नहीं, पूरे लोकतांत्रिक ढांचे का होता है। भरत तिवारी प्रकरण का अंतिम फैसला अदालत करेगी, लेकिन यह मामला अभी से एक चेतावनी अवश्य दे रहा है-राज्य की सबसे बड़ी ताकत बंदूक नहीं, बल्कि न्याय पर जनता का भरोसा है।

जिस दिन यह भरोसा डगमगा जाता है, उसी दिन सत्ता की सबसे मजबूत दीवारों में भी दरारें पड़नी शुरू हो जाती हैं। लोकतंत्र में सरकारें विपक्ष से नहीं, जनता के मन में पैदा हुए अविश्वास से हारती हैं; और उस अविश्वास का सबसे बड़ा कारण तब बनता है, जब कानून का रक्षक ही कानून के कटघरे में खड़ा दिखाई देने लगे। मतलब साफ है किसी सरकार की असली परीक्षा अपराधियों से लड़ने में नहीं, बल्कि यह साबित करने में होती है कि निर्दोष को कभी अपराधी नहीं बनाया जाएगा और अपराधी को भी कानून से बाहर जाकर दंडित नहीं किया जाएगा। भरत तिवारी दोषी था या निर्दोष, इसका फैसला अदालत करेगी। लेकिन इस घटना ने एक सवाल पूरे बिहार के सामने छोड़ दिया है-क्या राज्य की ताकत का आधार कानून होगा या खाकी का भय? क्योंकि जिस दिन जनता न्यायालय से पहले पुलिस से डरने लगे, उसी दिन लोकतंत्र की सबसे खतरनाक दरार पड़ चुकी है. जानकारी के अनुसार, शाहपुर थाना में पदस्थापित दारोगा रामाशंकर बैठा के आवेदन पर मार्च 2025 में भरत भूषण तिवारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। भरत पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, मारपीट करने, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने तथा पुलिस पदाधिकारी के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया था। प्राथमिकी में कहा गया था कि भरत तिवारी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारी की वर्दी का कॉलर पकड़ लिया था और उनके साथ धक्का-मुक्की की थी।प्राथमिकी के मुताबिक, 24 मार्च 2025 को शाहपुर थाना की पुलिस टीम बिलौटी गांव में जमीन विवाद की शिकायत की जांच करने पहुंची थी। गांव की लीलावती देवी ने विवादित भूमि को लेकर आवेदन दिया था, जिसके आधार पर पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर दस्तावेजों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस द्वारा जमीन से संबंधित कागजात मांगे जाने पर भरत भूषण तिवारी कथित रूप से आक्रोशित हो गए। आरोप है कि उन्होंने मौके पर मौजूद दारोगा रामाशंकर बैठा का कॉलर पकड़ लिया और धक्का-मुक्की की।पुलिस के अनुसार, विवाद बढ़ने पर अन्य जवान बीच-बचाव के लिए आगे आए, लेकिन उनके साथ भी कथित रूप से धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार किया गया। प्राथमिकी में दो सिपाहियों के घायल होने का भी उल्लेख किया गया था।घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भरत भूषण तिवारी को गिरफ्तार कर लिया था और उन्हें सरकारी वाहन से शाहपुर थाना लाया गया था। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के अलावा एससी/एसटी एक्ट के तहत भी प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

राम मंदिर के नियम-कायदे रख दिए ताक पर

अशोक भाटिया

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और हेराफेरी के मामले में एसआईटी जांच कर रही थी । सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया है कि दान पेटियों की सुरक्षा और गिनती में लापरवाही बरती गई, सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की बात सामने आ रही है। मामले में कई कर्मचारियों और संलिप्त लोगों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी है।सूत्र बताते हैं कि रिपोर्ट के आधार पर मंदिर से जुड़े कई सेवादारों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। हालांकि अभी तक किसी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मंदिर परिसर में कार्रवाई की अटकलों ने हलचल बढ़ा दी है। जांच के दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव से भी बंद कमरे में करीब तीन घंटे तक पूछताछ की गई थी । इस दौरान जांच अधिकारियों ने चढ़ावे के संग्रह, सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़े कई सवाल पूछे। सूत्रों का दावा है कि पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां जांच टीम को मिली हैं, जिन्हें रिपोर्ट का हिस्सा बनाया गया है।

भले ही रिपोर्ट तैयार हो चुकी हो, लेकिन एसआईटी की गतिविधियां अभी जारी हैं। जांच टीम के कई सदस्य अभी भी अयोध्या में मौजूद हैं और अंतिम सत्यापन में जुटे हैं। माना जा रहा है कि कुछ बिंदुओं पर अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है ताकि रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यात्मक और तकनीकी रूप से मजबूत रहे।राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच में सबसे बड़ा सवाल श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को लेकर उठ रहा है। मंदिर निर्माण से लेकर उसके संचालन तक जिस व्यक्ति की भूमिका सबसे प्रभावशाली मानी गई, आज वही नाम जांच और बहस के केंद्र में दिखाई दे रहा है। दरअसल, राम मंदिर निर्माण का श्रेय जिन चुनिंदा लोगों को दिया जाता है, उनमें चंपत राय सबसे प्रमुख चेहरों में गिने जाते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के पूर्णकालिक प्रचारक रहे चंपत राय ने दशकों तक अयोध्या में रहकर राम मंदिर आंदोलन को गति दी। मंदिर आंदोलन के समर्थक उन्हें समर्पित, अनुशासित और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाला कार्यकर्ता मानते हैं। हालांकि उनकी कार्यशैली को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे। अयोध्या के कई संतों और मंदिर आंदोलन से जुड़े पुराने चेहरों का आरोप रहा कि ट्रस्ट के गठन और मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में अनेक पुराने कार्यकर्ताओं और संतों को अपेक्षित महत्व नहीं मिला। यही वजह है कि ट्रस्ट बनने के बाद से एक वर्ग के भीतर असंतोष लगातार बना रहा। अब जब चढ़ावे से जुड़ा मामला सुर्खियों में है तो वर्षों से दबा असंतोष भी सतह पर दिखाई देने लगा है। कई संत, महंत और आंदोलन से जुड़े पुराने चेहरे खुलकर सवाल उठा रहे हैं। कुछ का कहना है कि यदि मंदिर की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था एक केंद्रीय नेतृत्व के तहत संचालित हो रही थी तो किसी भी गड़बड़ी की जवाबदेही तय होना स्वाभाविक है।

यहीं से चंपत राय को लेकर बहस शुरू होती है। उनके समर्थकों का तर्क है कि दशकों के सार्वजनिक जीवन में उन पर व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का कोई आरोप साबित नहीं हुआ और उनकी सादगी आज भी वैसी ही है जैसी पहले थी। दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि यदि जांच में प्रशासनिक कमियां सामने आती हैं तो शीर्ष स्तर की जवाबदेही से इंकार नहीं किया जा सकता। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की रिपोर्ट में विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों का आकलन किया गया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि रिपोर्ट केवल कुछ कर्मचारियों और सेवादारों तक सीमित रहती है या फिर ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारियों की भूमिका पर भी कोई टिप्पणी करती है। राजनीतिक और धार्मिक गलियारों में एक और चर्चा तेजी से चल रही है। माना जा रहा है कि विवाद के बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यप्रणाली में बड़े बदलाव हो सकते हैं। दान प्रबंधन और प्रशासनिक निगरानी के लिए अधिक प्रोफेशनल सिस्टम लागू करने पर भी विचार किया जा सकता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या एसआईटी रिपोर्ट चंपत राय को पूरी तरह राहत देगी या फिर रिपोर्ट के निष्कर्ष उनके भविष्य को प्रभावित करेंगे। भले ही जांच का अंतिम परिणाम अभी सामने नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कि इस विवाद ने राम मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और नेतृत्व दोनों को गंभीर सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है। अब अयोध्या से लेकर लखनऊ और दिल्ली तक नजर सिर्फ एक बात पर टिकी है-140 पन्नों की रिपोर्ट में आखिर लिखा क्या है और कार्रवाई की गाज किन-किन लोगों पर गिरने वाली है क्योंकि पाया गया कि मंदिर प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त थी।

जिम्मेदार बेखबर रहे और खेल होता रहा। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी ने इसका अपनी रिपोर्ट में प्रमुखता से जिक्र किया है। जो गाइडलाइन थी, उसका पालन ही नहीं किया गया। यह लापरवाही ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के लिए मुसीबत बन सकती है। यूं तो आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े पूर्णकालिक प्रचारक चंपत राय बेहद सख्त और ईमानदार माने जाते रहे हैं, लेकिन जिद्दी और किसी की न सुनने वाले व्यक्ति की उनकी छवि ने उन्हें राम मंदिर से जुड़े एक अनकंप्रोमाइजिंग शख्स के तौर पर स्थापित कर दिया। राम मंदिर बनने से पहले तक चंपत राय मंदिर निर्माण के लिए समर्पित सबसे बड़े चेहरों में शामिल हो चुके थे।

जिन्होंने अपना पूरा जीवन मंदिर निर्माण के नाम कर दिया, उन्हें काम के प्रति समर्पित और अयोध्या का बड़ा जानकार भी माना गया। चूंकि कई दशकों से अयोध्या ही चंपत राय की कर्मभूमि रही है, ऐसे में अयोध्या के तमाम साधु-संतों, छावनियों, अखाड़ों और संत समाज से उनका अच्छा तालमेल बन गया था। लेकिन जब मंदिर निर्माण की बारी आई, तो चंपत राय ने अयोध्या के ज्यादातर साधु-संतों की बातों को नहीं माना। चाहे ट्रस्ट का गठन हो या मंदिर निर्माण, राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कई नेताओं और संतों को राम जन्मभूमि ट्रस्ट और मंदिर निर्माण प्रक्रिया से दूर रखा गया। राम मंदिर ट्रस्ट के गठन के समय से ही ज्यादातर साधु-संत और मंदिर आंदोलन से जुड़े पुराने लोग इस बात से नाराज थे कि मंदिर आंदोलन में जिन लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिन्होंने लाठियां और गोलियां खाईं, जिन साधु-संतों, मठों और छावनियों ने राम मंदिर आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई, उन्हें पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 130 वर्ष

योगेश कुमार गोयल

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उत्साहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे। 1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्टस एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

अमेरिका में हिंदुओं के विरुद्ध बढ़ती हेट क्राइम की घटनाएं

अनिकेत सिंह

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता संभालने के बाद से विदेशियों के विरुद्ध कार्रवाई के नाम पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। ट्रम्प सरकार, उनका राजनीतिक दल और उनके नेता भारतीयों सहित एशियाई लोगों के खिलाफ नफरत का वातावरण बना रहे हैं, जिसका परिणाम अब हत्याओं तक पहुंच चुका है। पिछले पांच महीनों में हुई प्रमुख घटनाएं अभी दो सप्ताह पहले ही अमेरिका के फिलाडेल्फिया में भारतीय मूल के युवक अंशुल कुंचा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अंशुल आधी रात को पिज्जा डिलीवर करने पहुंचा था, तभी उसकी हत्या कर दी गई। जिस घर में पिज्जा डिलीवरी का आर्डर था, वह मकान खाली पड़ा था। मृतक के परिवार का आरोप है कि अंशुल की सुनियोजित साजिश के तहत हत्या की गई। वह पांच वर्ष पहले नौकरी के लिए अमेरिका गया था। वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत था, लेकिन अतिरिक्त आय के लिए पिज्जा डिलीवरी का काम भी करता था। कैलिफोर्निया में 22 वर्षीय साकेत श्रीनिवास पिछले फरवरी में विश्वविद्यालय परिसर के पास देखा गया था।

बाद में एक इमारत के पास उसका बैग, लैपटॉप और पासपोर्ट मिला। पुलिस जांच में उसका शव कैंपस के निकट एक तालाब से बरामद हुआ। मार्च महीने में टेक्सास में पढ़ रही भारतीय छात्रा सविता शान की हत्या कर दी गई। ऑस्टिन क्षेत्र के एक लोकप्रिय बार के पास अंधाधुंध गोलीबारी में सविता सहित दो अन्य युवकों की भी मृत्यु हुई। गोलीबारी करने वाला अपराधी बाद में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। इससे पहले नॉर्थ कैरोलिना में रहने वाले युवा मैनेक पटेल की उसके स्टोर में लूटपाट करने आए एक किशोर ने हत्या कर दी थी। उसकी पत्नी अमी सात महीने की गर्भवती थी और उनकी पांच वर्ष की एक बेटी भी है। हाल ही में अमेरिका में हिंदू समुदाय के विरुद्ध बढ़ते घृणा अपराधों के विरोध में लाए गए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को 32 कांग्रेस सदस्यों का समर्थन प्राप्त हुआ है। भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। इस प्रस्ताव में अमेरिकी अर्थव्यवस्था, समाज, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य क्षेत्रों में हिंदू-अमेरिकी समुदाय के योगदान को स्वीकार किया गया है। साथ ही हिंदूफोबिया, हिंदू-विरोधी कट्टरता और हिंदू पूजा स्थलों पर होने वाले हमलों की निंदा भी की गई है।

हाल ही में एक भारतीय दंपति के साथ दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक अमेरिकी व्यक्ति उन्हें अपशब्द कहता हुआ और अमेरिका छोड़कर चले जाने को कहता हुआ दिखाई देता है।

अमेरिका में पिछले कुछ समय से भारतीय नागरिकों पर हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारतीयों की अत्यंत क्रूर तरीकों से हत्या की जा रही है। हाल ही में 50 वर्षीय चंद्रमौली नागमल्लैया की एक व्यक्ति ने गला काटकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, परिवार के सामने ही उसके सिर को फुटबाल की तरह लात मारकर उछाला गया। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ हेट एंड एक्स्ट्रीमिज़्म द्वारा कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन बर्नार्डिनो में संकलित आंकड़ों के अनुसार, एक वर्ष पहले की तुलना में एशियाई लोगों के विरुद्ध घृणा अपराधों में 339 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विशेष रूप से सैन फ्रांसिस्को, न्यूयार्क और लॉस एंजिल्स जैसे शहरों में एशियाई-अमेरिकियों के विरुद्ध नफरत तेजी से बढ़ रही है। एशियाई-अमेरिकियों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की मुहिम चलाने वाले संगठन 'मेक अस विजिबल' के संस्थापक केनी इलंगोवन ने एक अंग्रेजी पत्रिका को बताया कि एशियाई-अमेरिकियों के खिलाफ अपराधों में वास्तव में भारी वृद्धि हुई है।

किस्मत के भरोसे कार

सुरेश कुमार मिश्रा

दिल्ली के सराय काले ख़ां बस टर्मिनल पर शाम के साढ़े सात बजे थे। जून की उस उमस भरी गर्मी में हवा ऐसे चल रही थी मानो कोई बूढ़ा चूल्हा फूंक रहा हो।

राजीव अपनी पुरानी सुटकेस पर बैठा हुआ अपनी सड़ी सी चाय की चुस्की ले रहा था। चाय का स्वाद बिल्कुल वैसा ही था जैसी उसकी ज़िंदगी थी यानी फीकी, बेस्वाद, लेकिन मजबूरी में हलक से नीचे उतारनी ही थी। ठीक तभी उसके फोन पर एक नोटिफिकेशन टिमटिमाई। सफरनामा ऐप पर एक राइड शेयरिंग रिक्वेस्ट थी। रूट था दिल्ली से लखनऊ।

गाड़ी राजीव की ही थी यानी एक पुरानी वैगनआर, जो अब सिर्फ पेट्रोल पर नहीं, बल्कि राजीव की किस्मत के भरोसे चलती थी। उसने रिक्वेस्ट एक्सेप्ट की। सह यात्री का नाम लिखा था मुसाफिर। जब पैसेंजर गाड़ी की पिछली सीट पर आकर बैठी, तो गाड़ी की लाइट में राजीव ने शीशे से उसका चेहरा देखा। रीढ़ की हड्डी में एक ठंडी सनसनी दौड़ गई। वह पल्लवी थी। वही पल्लवी, जो आज से सात साल पहले इसी सराय काले ख़ां पर राजीव का हाथ छोड़कर बेहतर भविष्य की तलाश में एक चमचमाती ऑडी में बैठ कर चली गई थी। आज वही पल्लवी उसकी खटारा वैगनआर की पिछली सीट पर बैठी थी। राजीव ने गला साफ़ किया, मैडम, रूट लंबा है। रात को ढाबे पर रुकेंगे। पल्लवी ने खिड़की के बाहर देखते हुए ठंडी आवाज़ में कहा, जल्दी पहुँचाइए भैया, मेरी माँ की तबीयत ठीक नहीं है।

भैया। राजीव के कलेजे पर जैसे किसी ने सुलगती हुई सिगरेट बुझा दी। सात साल में जान से भैया तक का सफर सिर्फ तीन अक्षरों का नहीं था, इसमें सात जन्मों की बेबसी घुली थी। व्यंग्य देखिए, जिस औरत के लिए राजीव ने कभी पूरी दिल्ली नाप डाली थी, आज वह उसे तीन सौ रुपये प्रति सीट के भाड़े पर अपनी गाड़ी में ले जा रहा था। वही कारवाँ था, वही रास्ते थे, वही ज़िंदगी थी... बस मक़ाम बदल गए थे।

गाड़ी यमुना एक्सप्रेसवे पर अस्सी की स्पीड से दौड़ रही थी। रेडियो पर किशोर कुमार रो रहे थे जीना क्या जी का जंजाल...

गाड़ी में एसी ठीक से काम नहीं कर रहा क्या? पल्लवी ने पीछे से टोका। उसकी आवाज़ में एक अजीब सी कपकपाहट थी।

राजीव ने शीशे में देखा। पल्लवी का चेहरा पीला पड़ चुका था। उसकी आँखों के नीचे काले गड्ढे थे। वह लगातार अपने हाथों को आपस में रगड़ रही थी, जैसे उसे बहुत ठंड लग रही हो, जबकि बाहर पारा चालीस के पार था। पुरानी गाड़ी है मैडम, जितना रोती है उतना ही चलती है, राजीव ने अपनी कड़वाहट को व्यंग्य के पीछे छिपाते हुए कहा। सुना है आपके पति के पास बड़ी गाड़ियाँ हैं?

फिर इस खटारा में? पल्लवी ने कोई जवाब नहीं दिया। वह बस शून्यता में ताकती रही। तभी गाड़ी के स्टीयरिंग में एक ज़ोर का झटका लगा। हेडलाइट की रोशनी में सड़क के बीचों बीच एक साया खड़ा दिख। राजीव ने पूरी ताकत से ब्रेक मारा। टायर चीख उठे। गाड़ी सड़क किनारे एक बड़े से मील के पत्थर के ठीक सामने जाकर रुकी।

राजीव हांफ रहा था। उसने बाहर देखा, वहाँ कोई नहीं था।

क्या हुआ? पल्लवी ने पूछा। उसकी आवाज़ अब और भी भारी और गूँजती हुई सी लग रही थी।

कोई... कोई सामने था शायद, राजीव ने माथे का पसीना पोंछते हुए कहा। इस रास्ते पर कोई किसी के सामने नहीं आता राजीव। सब अपने अपने मक़ाम पर अकेले ही छूट जाते हैं, पल्लवी ने धीरे से कहा। राजीव चौंक गया। पल्लवी ने उसे भैया नहीं, राजीव कहा था। और उसकी आवाज़... वह इतनी खोखली क्यों लग रही थी?

रात के दो बजे गाड़ी एक सुनसान ढाबे पर रुकी। ढाबे पर अजीब सा सन्नाटा था। न कोई ट्रक ड्राइवर, न कोई और गाड़ी। बस एक बूढ़ा आदमी लालटेन लिए बैठा था।

राजीव नीचे उतरा। पल्लवी भी पीछे पीछे आई। दोनों एक खाट पर बैठ गए। चाय पियोगी? राजीव ने पूछा।हाँ, बिना चीनी की। मीठे से अब डर लगता है, पल्लवी ने अपनी उँगलियों को देखते हुए कहा, जिन पर कोई अंगूठी नहीं थी।

निर्जला एकादशी में प्यास से हालत खराब हो तो क्या पी सकते हैं पानी ?

निर्जला एकादशी को सभी एकादशी व्रतों में सबसे कठिन माना जाता है। इस व्रत में भगवान विष्णु की आराधना करते हुए अन्न और जल दोनों का त्याग किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति पूरी श्रद्धा और नियमों के साथ यह व्रत करता है, उसे सभी 24 एकादशियों के व्रत के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। लेकिन कई बार व्रत के दौरान तेज गर्मी, कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के कारण प्यास बहुत अधिक लग सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर गला सूख जाए और स्थिति गंभीर हो जाए तो क्या पानी ग्रहण किया जा सकता है? आइए जानते हैं निर्जला एकादशी व्रत में जल ग्रहण करने से जुड़े नियम और मान्यताएं।

निर्जला एकादशी में पानी क्यों नहीं पीते?

निर्जला एकादशी का अर्थ ही है बिना जल के किया जाने वाला व्रत। इस दिन व्रती सूर्योदय से पहले स्नान करके भगवान विष्णु की पूजा और व्रत का संकल्प लेते हैं। इसके बाद अगले दिन सूर्योदय तक अन्न, जल, फल, दूध आदि का सेवन नहीं किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस कठिन तप और भगवान विष्णु की भक्ति से व्यक्ति को विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इसी कारण निर्जला एकादशी को सबसे फलदायी एकादशियों में से एक माना जाता है।

किन लोगों को मिल सकती है छूट?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार निर्जला एकादशी का व्रत हर व्यक्ति के लिए समान रूप से कठिन नहीं होता। बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं या किसी बीमारी से पीड़ित लोग अपनी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार व्रत में बदलाव कर सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को बिना जल के रहने से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचने की संभावना हो, तो वह फलाहार या जल ग्रहण करते हुए भगवान विष्णु की पूजा कर सकता है। मान्यता है कि भगवान भाव और श्रद्धा देखते हैं। अपनी क्षमता के अनुसार किया गया व्रत और भक्ति भी महत्वपूर्ण मानी जाती है।

अगर प्यास से हालत खराब हो जाए तो क्या करें?

निर्जला एकादशी का संकल्प जल त्याग का होता है, इसलिए सामान्य स्थिति में पानी पीना व्रत को पूर्ण नहीं माना जाता। लेकिन यदि स्वास्थ्य बहुत बिगड़ जाए या जीवन पर संकट जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाए, तो धर्म परंपराओं में कुछ विशेष परिस्थितियों में राहत का उल्लेख मिलता है। कुछ धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसी आपात स्थिति में व्यक्ति अपनी क्षमता और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जल ग्रहण कर सकता है। क्योंकि शरीर की रक्षा करना भी आवश्यक माना गया है।

आपात स्थिति में पानी पीने की मान्यता

कुछ धर्माचार्यों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति निर्जला एकादशी का कठोर व्रत रख रहा है और बहुत अधिक कमजोरी महसूस कर रहा है, तो पूजा-पाठ और भगवान विष्णु का स्मरण करने के बाद जल ग्रहण कर सकता है। कुछ परंपराओं में यह भी मान्यता है कि यदि व्रत पूरा करना संभव न हो तो सूर्यास्त के बाद कुछ समय प्रतीक्षा करके जल ग्रहण किया जा सकता है। हालांकि, अलग-अलग स्थानों और परंपराओं में इसके नियम अलग हो सकते हैं।

भगवान शिव ने माता पार्वती के गोद में क्यों रखा सिर ?

चित्तूर जिले के सुरुतपल्ली गांव में स्थित 'पल्लीकोंडेश्वर मंदिर'

पल्लीकोंडेश्वर मंदिर में भगवान शिव पार्वती की गोद में सिर रखकर लेटे हुए हैं, जो देश का एकमात्र ऐसा दुर्लभ मंदिर है। यह अद्भुत दृश्य समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ा है, जहां विषपान के बाद शिव ने विश्राम किया।

अगर आप किसी भी शिव मंदिर में जाएंगे तो गर्भगृह में शिवलिंग या फिर भगवान शंकर की मूर्ति दिखाई देंगे, लेकिन शिव से जुड़ा एक अनूठा मंदिर है, जहां लेटी हुई मुद्रा (शयन मुद्रा) में शिन विराजमान हैं। स्थानीय भाषा में इस मुद्रा को 'भोगन' कहा जाता है। वे देवी पार्वती की गोद में सिर रखकर विश्राम कर रहे हैं।

भगवान शिव का यह दुर्लभ मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के सुरुतपल्ली गांव में स्थित है। इसे 'पल्लीकोंडेश्वर मंदिर'के नाम से भी जाना जाता है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु की सीमा के निकट होने के कारण देश के कोने-कोने से श्रद्धालु भगवान की इस अनोखी विश्रामकालीन मूर्ति के दर्शन करने आते हैं। इस मंदिर का निर्माण हरिहर बुक्का राय ने विजयनगर साम्राज्य के दौरान 1344 से 1377 ईस्वी के बीच करवाया था।

इस मंदिर के पीछे की पौराणिक कथा क्या है?

स्थल पुराण के अनुसार, इस स्थान की कहानी समुद्र मंथन से जुड़ी है। जब देवताओं और राक्षसों ने अमरत्व प्राप्त करने के लिए मंदराचल पर्वत और वासुकी नाग की सहायता से समुद्र मंथन शुरू किया, तो वासुकी नाग अत्यधिक दबाव सहन न कर पाने के कारण अपने मुख से एक भयानक विष उगल दिया। देवताओं और राक्षसों ने भगवान शिव से प्रार्थना की कि वे समस्त सृष्टि को विष की ज्वाला से बचाएं। तब दयालु भगवान शिव ने विषभकरण मूर्ति का रूप धारण किया और स्वयं उस भयानक विष को पी लिया।

पार्वती की गोद में शिव

विष ग्रहण करने के बाद भगवान शिव को थोड़ा चक्कर और थकान महसूस हुई। वे वहीं लेट गए। यह देखकर उनकी पत्नी माता पार्वती ने शिव का सिर अपनी गोद में रख लिया और विष को शरीर में प्रवेश करने से रोकने के लिए धीरे से उनके गले को दबाया। विष गले में ही रह जाने के कारण शिव का गला नीला पड़ गया। इसी घटना के बाद भगवान शिव को 'नीलकंठ' नाम मिला।

जब भगवान शिव देवी पार्वती की गोद में विश्राम कर रहे थे, तब भगवान ब्रह्मा सहित सभी देवता, ऋषि और नौ ग्रह शिव के स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए वहां एकत्रित हुए। देवताओं के उस विशाल जमावड़े के कारण ही उस स्थान का नाम 'सुरुतापल्ली' पड़ा (सुरुत का अर्थ है देवताओं का जमावड़ा)।

समुद्र मंथन के तेरहवें दिन (त्रयोदशी तिथि) भगवान विष्णु अमृत से भरा पात्र लेकर प्रकट हुए। अमृत ग्रहण करने वाले देवता अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्हें बचाने के लिए भगवान शिव के बलिदान का धन्यवाद करने के लिए सुरुतपल्ली की ओर दौड़े। ऐसा माना जाता है कि यह घटना संध्याकाल में घटी जब सभी देवता शिव के पास आए थे। इसे प्रदोष काल कहा जाता है। हिंदू धर्म में यह समय अत्यंत शुभ माना जाता है क्योंकि 'प्रदोष' का अर्थ है हमारे भीतर की सभी नकारात्मकता और पापों से मुक्ति पाना।

एक फैसला जिसने अयोध्या के भावी राजा को राजमहल छोड़ तपस्वी बना दिया था

क्या कोई बेटा अपनी ही मां के फैसले का विरोध कर सकता है? क्या कोई राजकुमार अपने सामने रखा पूरा साम्राज्य ठुकरा सकता है? और क्या कोई भाई अपने भाई के लिए 14 साल तक तपस्वी जैसा जीवन जी सकता है?

श्रीरामायण में एक ऐसा ही चरित्र है, जिसका नाम है भरत। भगवान श्रीश्रीराम के छोटे भाई भरत को अक्सर लोग सिर्फ एक सेवक पात्र मान लेते हैं, लेकिन सच यह है कि उनका त्याग और धर्मनिष्ठा उन्हें श्रीरामायण के सबसे महान पात्रों में शामिल करती है।

जिस मां ने उन्हें अयोध्या का राजा बनाने के लिए सब कुछ किया, उसी मां के निर्णय का भरत ने खुलकर विरोध किया। उन्होंने सत्ता नहीं, धर्म चुना, राजसिंहासन नहीं, भाई का सम्मान चुना। यही वजह है कि आज भी भरत को आदर्श भाई का प्रतीक माना जाता है।

भरत जैसा भाई क्यों नहीं हुआ दूसरा?

जिसने सगी मां से भी ऊपर रखा धर्म

जब भरत अपने ननिहाल से अयोध्या लौटे, तो उनके सामने एक ऐसा सच आया जिसने उनकी दुनिया ही बदल दी। उन्हें पता चला कि उनकी मां कैकेयी ने अपने दो वरदानों के दम पर श्रीश्रीराम को 14 वर्षों के वनवास पर भेज दिया है। इतना ही नहीं, श्रीराम के वियोग में राजा दशरथ भी प्राण त्याग चुके हैं और अब अयोध्या का सिंहासन भरत के लिए तैयार है।

यह सुनकर भरत के मन में खुशी नहीं, बल्कि गहरा दुख और पश्चाताप उमड़ पड़ा था। जिस राज्य को पाने का सपना कोई भी राजकुमार देख सकता था, वही राज्य उन्हें बोझ और अन्याय का प्रतीक लगने लगा था। उन्होंने अपनी ही मां के सामने खड़े होकर साफ कहा कि ऐसा सिंहासन उन्हें स्वीकार नहीं हैं, जिसकी कीमत उनके भाई का वनवास और पिता की मृत्यु हो। भरत ने कैकेयी के निर्णय का समर्थन करने के बजाय धर्म और न्याय का साथ चुना।

उसी वक्त उन्होंने साबित कर दिया कि सच्चे रिश्ते केवल खून से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और धर्म के पालन से महान बनते हैं। यही वह पल था जिसने भरत को एक साधारण राजकुमार से इतिहास के सबसे आदर्श और प्रेरणादायक भाइयों में शामिल कर दिया था।

14 वर्षों तक निभाया ऐसा वचन, जो आज भी प्रेरणा देता है

भरत के सामने एक तरफ अयोध्या का राजसिंहासन था और दूसरी तरफ उनके बड़े भाई श्रीश्रीराम का अधिकार। जब उन्हें पता चला कि माता कैकेयी ने श्रीराम को वनवास भेजकर उनके लिए राज्य मांगा है, तो उन्होंने इसे सौभाग्य नहीं बल्कि अपना अन्याय माना था। भरत ने अपनी मां के निर्णय का विरोध किया और साफ रूप से यह कह दिया कि श्रीराम के बिना अयोध्या का सिंहासन उन्हें स्वीकार नहीं है। इसके बाद वे खुद श्रीश्रीराम को वापस लाने के लिए वन पहुंचे थे, लेकिन जब श्रीश्रीराम ने पिता के वचन का पालन करने की बात कही, तो भरत ने उनकी चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या लौटने का निर्णय लिया।

अयोध्या पहुंचकर भरत ने श्रीश्रीराम की खड़ाऊँ को सिंहासन पर स्थापित कर दिया और खुद को केवल उनका प्रतिनिधि माना। उन्होंने राजसी सुखों का त्याग कर नंदिग्श्रीराम में तपस्वी जैसा जीवन बिताया और 14 वर्षों तक श्रीराम की वापसी की प्रतीक्षा करते रहे थे। भरत का यह त्याग बताता है कि सच्ची महानता सत्ता पाने में नहीं, बल्कि धर्म, प्रेम और रिश्तों के सम्मान के लिए अपने स्वार्थ का त्याग करने में होती है।

सुखी और स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित भोजन करना, समय पर जागना और सोना जरूरी है

सुखी, स्वस्थ और प्रसन्न रहना चाहते हैं, तो कुछ सरल आदतें बहुत महत्वपूर्ण हैं। इनमें समय पर जागना, समय पर सोना, संतुलित भोजन करना, उचित मनोरंजन और अच्छा व्यवहार शामिल हैं। व्यक्ति को अपने आसपास की अच्छी बातों को देखना और उनसे सीखना चाहिए। इन आदतों से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। एक अच्छा और ऊंचा चरित्र तभी बनता है जब हम नियमों का पालन करते हैं। नियमित दिनचर्या, अनुशासन और अच्छे संस्कार जीवन को सफल बनाते हैं।

घर के इन हिस्सों में छिपकली का दिखना माना जाता है सौभाग्यशाली

अक्सर लोग घर में छिपकली दिखते ही घबरा जाते हैं, लेकिन ज्योतिष और वास्तु में इसे केवल अशुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि घर के कुछ खास हिस्सों में छिपकली का दिखना सौभाग्य और समृद्धि का संकेत हो सकता है। कहा जाता है कि ऐसे संकेत माता लक्ष्मी की कृपा से जुड़े होते हैं। आइए जानें, किन स्थानों पर छिपकली दिखना शुभ माना जाता है और क्यों।

पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं और प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, प्रकृति और विभिन्न जीव-जंतु मानव जीवन में शुभ और अशुभ घटनाओं के संकेत देते हैं। ज्यादातर भारतीय घरों में छिपकली का दिखना आम है। कई लोग छिपकली से डरते हैं और उसे भगाने की कोशिश करते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र और शकुन शास्त्र में इस जीव को विशेष महत्व दिया गया है। कई मामलों में, छिपकली की उपस्थिति धन, सौभाग्य और प्रगति का संकेत मानी जाती है। बता दें कि कुछ राज्यों में नए घर की वास्तु पूजा में चांदी की छिपकली की मूर्ती भी रखी जाती है। क्योंकि माना जाता है कि छिपकली घर की सुख-संपदा में वृद्धि करती है। हममें से कई लोगों को इस बात पर संदेह होता है कि घर में छिपकली रखना शुभ है या अशुभ। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, प्राचीन ग्रंथों में छिपकली को देवी लक्ष्मी की कृपा और शुभ शक्ति का प्रतीक माना गया है। वहीं दीपावली की रात घर में दिखाई दे जाए तो इसे लक्ष्मी के आगमन प्रतीक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, छिपकली अगर घर में किसी विशेष स्थान पर किसी विशेष समय पर दिखाई दे, तो इसे जीवन में बड़े बदलावों का संकेत माना जाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर घर के उत्तर-पूर्व कोने या उत्तर-पूर्व दिशा की दीवार पर छिपकली रेंगती हुई दिखाई दे, तो इसे बहुत शुभ संकेत माना जाता है। यह दृष्टि दैवीय शक्ति, ज्ञान और समृद्धि से जुड़ी है। माना जाता है इन दिशाओं की दिवारों पर छिपकली दिखने के बाद नौकरी व कारोबार में अच्छा लाभ होता है और परिवार में चल रही परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है। कई ज्योतिषाचार्य इसे राजयोग की शुरुआत भी मानते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पूजा कक्ष या मंदिर के आसपास छिपकली का दिखना शुभ माना जाता है। शास्त्रों में इसका उल्लेख है कि यह देवी लक्ष्मी के आशीर्वाद और घर में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि का प्रतीक है। इन जगहों पर छिपकली दिखने का अर्थ है कि ईश्वर की आप पर कृपा बनी हुई है और आपके सभी कष्ट एक-एक करके दूर हो जाएंगे।

अगर घर की तिजोरी या धन रखने के स्थान के पास छिपकली दिखाई दे, तो इसे बहुत शुभ माना जाता है। इन जगहों पर छिपकली का दिखना धन लाभ का बहुत ही प्रबल और सकारात्मक संकेत माना जाता है। वहीं अगर छिपकली घर के मेन गेट के पास दिखाई दे तो यह बहुत शुभ माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपके लिए आर्थिक लाभ की संभावनाएं बनेंगी और जल्द शुभ समाचार भी मिल सकता है।

हालांकि, शास्त्रों में कुछ चेतावनियां भी दी गई हैं। शगुन शास्त्र के अनुसार, अगर कोई छिपकली बार-बार दीवार से उतरकर फर्श पर घूमती हुई दिखाई दे, तो यह भविष्य में अनावश्यक खर्च, आर्थिक तनाव या वित्तीय हानि की आशंका का संकेत हो सकता है।

कहीं आप तो नहीं रखते डाइनिंग टेबल पर ये चीजें? हो जाएंगे कंगाल!

घर का डाइनिंग टेबल वो जगह होती है, जहां पूरा परिवार एक साथ बैठकर खाना खाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि डाइनिंग टेबल का उपयोग सिर्फ खाना खाने भर के लिए नहीं किया जाता है, बल्कि वास्तु के जानकार डाइलिंग टेबल वाले एरिया को बहुत विशेष और महत्वपूर्ण मानते हैं। ये वो जगह मानी जाती है, जहां परिवार के सदस्यों की उर्जा एक साथ जुड़ती है।

वास्तु के जानकार कहते हैं कि घर का डाइनिंग टेबल व्यक्ति के जीवन, सेहत और आर्थिक स्थिति पर बहुत गहरा प्रभाव डालता है, लेकिन माना जाता है कि डाइनिंग टेबल पर कुछ विशेष चीजों को रखने से घर की बरकत जा सकती है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में धन-समृद्धि का आगमन न रुके तो अपनी डाइनिंग टेबल से इन चीजों को न रखें।

डाइनिंग टेबल पर न रखें ये चीजें

वास्तु के अनुसार, डाइनिंग टेबल पर दवाइयां रखना अच्छा नहीं माना जाता है, इसलिए इस पर कभी दवाइयां न रखें। मान्यता है कि खाना खाने वाली जगहों पर दवाइयों को रखने से सेहत सुधरती नहीं है, बल्कि ऐसा करने से नकारात्मक उर्जा बढ़ती है।

डाइनिंग टेबल पर चटके या टूटे हुए प्लेट, कप या चम्मच भूलकर भी न रखें। अगर रखा है, तो तुरंत हटा दें। वास्तु की मान्यता है कि टूटे और चटके हुए बर्तन घर में दरिद्रता लाते हैं। ऐसे में हमेशा साफ और साबूत बर्तनों का ही उपयोग करें।

डाइनिंग टेबल को अपना ऑफिस डेस्क भूलकर भी न बनाएं। डाइनिंग टेबल पर बिखरे पुराने बिल, रसीदें या अखबार न रखें। मान्यता है कि इससे राहु का प्रभाव तेज होता है, जिससे आर्थिक तनाव बढ़ता है।

डाइनिंग टेबल पर हमेशा ताजे फूल रखें। इस पर कभी भी सूखे हुए फूल या कांटेदार पौधों को न रखें। कांटेदार पौधे घर की सकारात्मकता को सोख लेते हैं, जिससे घर में कलह-क्लेश होने की संभावना बढ़ जाती है।

वास्तु शास्त्र में नमक को सकरात्मकता का प्रतीक माना गया है। ऐसे में डाइनिंग टेबल पर कभी भी खाली नमकदानी न पड़ी रहने दें। नमकदानी को हमेशा भरकर रखें। इससे घर में धन का आगमन और खुशहाली बनी रहती है।

योग लोकप्रिय तो हो गया है पर इसे आवश्यक बनाना होगा

कल सारी दुनिया योग की तैयारी कर रही होगी। शिव और पार्वती जी ने एकांत में चर्चा की। उस चर्चा का संपादन पतंजलि ऋषि ने किया, वही योग है। योग अत्यधिक लोकप्रिय होता जा रहा है। इसके क्या परिणाम मिलेंगे, इस पर अलग-अलग दृष्टि से विद्वान बोल रहे हैं। निजी अनुभव से मैं यह कहता हूं कि योग करने से हमारे व्यक्तित्व की दो कमजोरियां खूबी में बदलती हैं।

एक है शर्मीला होना, दूसरा होता है संकोची रहना। अब आज की दुनिया में अगर आप शर्मीले हैं तो नुकसान उठाएंगे, संकोची हैं तो लाभ नहीं ले पाएंगे। शर्मीला होना एक भावनात्मक प्रतिक्रिया है और संकोची होना एक व्यावहारिक झिझक है। यदि आप शर्मीले हैं, संकोची हैं तो समझ लीजिए आप अपना नुकसान कर रहे हैं।

लेकिन यदि आप नियमित योग करें तो शर्मीलापन एक अनुशासन में बदलेगा और आपका संकोची होना आपको मर्यादित बनाएगा। और ये दोनों खूबियां बड़ी आसानी से योग से प्राप्त हो जाएंगी। योग लोकप्रिय तो हो गया है पर इसे आवश्यक बनाना बाकी है।

अल्लू अर्जुन समेत 23 आरोपियों पर कोर्ट सख्त

'पुष्पा 2' भगदड़ मामले की सुनवाई टली, कहा- एक साथ पेश होना होगा

'पुष्पा 2' भगदड़ मामले में आज कोर्ट में अभिनेता अल्लू अर्जुन की वर्चुअल पेशी थी। लेकिन कोर्ट में इस केस की सुनवाई टल गई है। कोर्ट ने अल्लू अर्जुन समेत केस के बाकी आरोपियों को अगली सुनवाई पर एक साथ पेश होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में सभी आरोपियों को यह आदेश दिया है।

अल्लू अर्जुन

खबर के मुताबिक सोमवार को हैदराबाद में नामपल्ली क्रिमिनल कोर्ट ने संध्या थिएटर भगदड़ मामले की सुनवाई 6 जुलाई तक के लिए टाल दी। यह हादसा अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' के स्पेशल शो के दौरान हुआ था। इस मामले में आरोपी बनाए गए लोगों में अभिनेता अल्लू अर्जुन भी शामिल हैं।

कुछ आरोपियों के मजिस्ट्रेट के सामने पेश न हो पाने के कारण सुनवाई टाल दी गई। खबर है कि अल्लू अर्जुन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वर्चुअल तौर पर कार्यवाही में शामिल हुए थे।

6 जुलाई को होगी केस की अगली सुनवाई

संध्या थिएटर मैनेजमेंट की तरफ से पेश हुए वकील भानु चंदर ने कोर्ट के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा, 'आज जमानत पत्र दाखिल करने के लिए नामपल्ली में मजिस्ट्रेट के सामने पेशी होनी थी। लेकिन 23 सदस्यों (पुलिस चार्जशीट में शामिल कुल आरोपी) में से 21 या 22 पेश हुए हैं। 1 या 2 गैर-हाजिर हैं। इसी वजह से कोर्ट ने 6 जुलाई तक के लिए केस की सुनवाई टाल दी। अगली सुनवाई के लिए सभी 23 सदस्यों को एक साथ कोर्ट में पेश होना होगा।'

जानें 'पुष्पा 2' भगदड़ से जुड़ा पूरा मामला?

यह भगदड़ 4 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के संध्या थिएटर में 'पुष्पा 2' के एक स्पेशल शो के दौरान हुई थी।संध्या थिएटर भगदड़ की घटना में रेवती नाम की एक महिला की मौत हो गई थी। जबकि उनके बेटे श्री तेजा को गंभीर चोटें आईं। भगदड़ तब मची जब फिल्म के प्रीमियर के दौरान एक्टर की एक झलक पाने के लिए थिएटर के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई। जैसे ही अल्लू अर्जुन ने अपनी कार की सनरूफ से फैंस का अभिवादन किया, स्थिति तेजी से बेकाबू हो गई। इस अफरा-तफरी के दौरान रेवती की मौत हो गई और उनके बेटे तेजा को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

अल्लू अर्जुन ने की पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता

घटना के बाद पीड़ित परिवार की मदद के लिए अल्लू अर्जुन ने आर्थिक सहायता भी दी। उनके पिता और फिल्म प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद ने इस घटना में जान गंवाने वाली रेवती के परिवार की मदद के लिए 2 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी।

तमिल सिनेमा में विजय के नाम बड़ा रिकॉर्ड

रजनीकांत और कमल हासन जैसे स्टार्स तक को पीछे छोड़ा

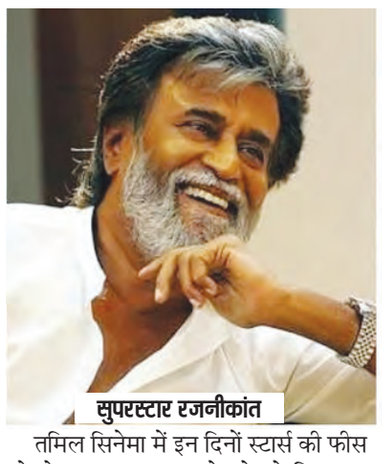
सुपरस्टार रजनीकांत

विजय थलापति

तमिल सिनेमा में इन दिनों स्टार्स की फीस को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब एक्टर्स सिर्फ फिक्स फीस नहीं लेते, बल्कि फिल्म के मुनाफे में भी हिस्सा लेते हैं। यही वजह है कि उनकी कमाई लगातार बढ़ रही है। आइए जानते हैं 2025 में तमिल सिनेमा के बड़े स्टार्स की फीस के बारे में।

विजय थलापति

विजय 2025 में तमिल सिनेमा के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह एक फिल्म के लिए करीब 200 से 250 करोड़ तक चार्ज करते हैं। उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग, लगातार हिट फिल्में और फ्रेंचाइज़ फिल्मों की सफलता उन्हें इंडस्ट्री में सबसे आगे रखती है। उनकी फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ' ने उनकी पोजिशन और मजबूत कर दी है।

इसके अलावा तमिल इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा 200 करोड़ से ज्यादा कमाई वाली फिल्में देने वाले तमिल एक्टर्स में विजय थलापति टॉप पर हैं। विजय ने अपने एक्टिंग करियर में 8 ऐसी फिल्में दी हैं, जो 200 करोड़ से ज्यादा कमाई कर चुकी हैं। इनमें- 'लियो', 'GOAT', 'वारिसु', 'बीस्ट', 'मास्टर', 'बिगिल', 'सरकार' और 'मर्सल' फिल्में शामिल हैं।

रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत आज भी इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। 2025 में वह एक प्रोजेक्ट के लिए करीब 110 से 210 करोड़ तक कमा रहे हैं। उनकी कमाई में फिक्स फीस के साथ-साथ प्रॉफिट-शेयरिंग भी शामिल होती है। फिल्म 'जेलर' से उनकी कमाई ने दिखा दिया कि बैकएंड डील्स कितनी फायदेमंद हो सकती हैं। विजय के अलावा सबसे ज्यादा 200 करोड़ से ज्यादा कमाई वाली फिल्में देने वाले एक्टर्स में रजनीकांत आते हैं। उन्होंने 7 ऐसी फिल्में दी हैं, जो- '2.0', 'जेलर', 'कुली', 'कबाली', 'एंथिरन', 'वेट्टैयन' और 'पेट्टा' हैं।

कमल हासन

कमल हासन की फीस में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। फिल्म 'विक्रम' की बड़ी सफलता के बाद वह अब एक फिल्म के लिए करीब 100 से 150 करोड़ तक चार्ज कर रहे हैं। वह अपने अलग अंदाज और दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। 200 करोड़ से ज्यादा कमाई वाली फिल्में देने वाले तमिल एक्टर्स में कमल हासन तीसरे नंबर पर आते हैं। इन्होंने 2 फिल्में दी हैं, जो 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर पाई हैं। ये दो फिल्में- 'विक्रम' और 'विश्वरूपम' हैं।

अजित कुमार

अजित कुमार भी इंडस्ट्री के टॉप एक्टर्स में शामिल हैं। वह एक फिल्म के लिए करीब 105 से 120 करोड़ तक लेते हैं। उनकी खास बात यह है कि वह बहुत कम फिल्में करते हैं, लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग बहुत मजबूत है। 'विदामुयार्ची' और 'गुड बैड अग्ली' जैसी फिल्मों के लिए वह प्रीमियम फीस लेते हैं।अजित कुमार 200 करोड़ से ज्यादा कमाई वाली फिल्में देने वाले एक्टर्स में चौथे नंबर पर आते हैं। इन्होंने एक फिल्म दी है, जिसका नाम- 'गुड बैड अग्ली' है।

शिवकार्तिकेयन

शिवकार्तिकेयन तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। 2025 में उनकी फीस करीब 35 से 50 करोड़ के बीच बताई जा रही है। फिल्म 'अमरन' की सफलता के बाद वह अब टॉप स्टार्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। उनकी फैमिली फ्रेंडली इमेज और लगातार हिट फिल्में उन्हें इंडस्ट्री का भरोसेमंद स्टार बना रही हैं। 200 करोड़ से ज्यादा कमाई वाली फिल्में देने वाले तमिल एक्टर्स में शिवकार्तिकेयन पांचवें नंबर पर हैं। इन्होंने एक फिल्म दी है, जो 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर पाई है। इस फिल्म का नाम- 'अमरन' है।

आमिर खान ने गौरी स्प्रैट को कहा 'ब्लेसिंग'

शादी की खबर पर बोले- 'नहीं पता जानकारी कैसे लीक हुई'

आमिर खान 5 जुलाई को अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से रजिस्टर्ड मैरिज करने वाले हैं। यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। हालिया एक इंटरव्यू में आमिर खान ने बताया कि वह परिवार और दोस्तों के बीच सादगी भरे अंदाज में शादी करेंगे।

करीबी लोगों के बीच होगी आमिर और गौरी स्प्रैट की शादी

एक हालिया इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा, 'यह शादी बहुत प्राइवेट होगी। घर पर होने वाली एक बहुत ही साधारण रजिस्टर्ड शादी होगी। इसमें सिर्फ हम दोनों के परिवार और करीबी दोस्त शामिल होंगे।' गौरी स्प्रैट के बारे में बात करते हुए आमिर खान ने उन्हें अपने लिए ब्लेसिंग कहा। इस वक्त को अपनी जिंदगी का खुशहाल दौर बताया।

आमिर खान आगे इंटरव्यू में कहते हैं, 'मुझे समझ नहीं आता कि इतनी हलचल क्यों है? लोगों

आमिर और गौरी स्प्रैट

को सेलिब्रिटीज, खासकर क्रिकेटर्स और एक्टर्स की जिंदगी में बहुत ज्यादा दिलचस्पी होती है। लोगों को हमारे काम में दिलचस्पी होनी चाहिए, न कि हमारी निजी जिंदगी में। मुझे नहीं पता कि मेरी शादी की जानकारी कैसे लीक हुई? आजकल कुछ भी छिपा नहीं रहता।'

बता दें कि पिछले साल अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर आमिर खान ने गौरी स्प्रैट के साथ अपने रिश्ते को जगजाहिर किया था।

कौन है गौरी स्प्रैट?

गौरी स्प्रैट को आमिर लगभग 25 साल से जानते हैं, वह उनकी अच्छी दोस्त हैं। दोनों ने लगभग 18 महीनों तक डेट किया और इसके बाद अपना रिश्ता जगजाहिर किया। गौरी, आमिर खान की प्रोडक्शन कंपनी से भी जुड़ी हुई हैं। गौरी स्प्रैट बेंगलुरु की रहने वाली हैं और रीता स्प्रैट की बेटी हैं, जो बेंगलुरु के नामी सैलून चेन की मालकिन हैं।

आमिर खान का अपकमिंग प्रोजेक्ट क्या है?

आमिर खान के करियर फ्रंट की बात करें तो उनके प्रोडक्शन हाउस तले एक फिल्म 'बंटवारा 1947' बन रही है। इसमें सनी देओल, शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल जैसे चर्चित एक्टर भी नजर आएंगे। इस फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है। गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राजकुमार संतोषी ने संभाली है। 'बंटवारा 1947' इस साल 14 अगस्त से सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रणवीर सिंह बने भारत के सबसे महंगे एक्टर

शाहरुख-रजनीकांत को छोड़ा पीछे; चार्ज किए 325 करोड़

ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणवीर सिंह ने एक ही प्रोजेक्ट से करीब 325 करोड़ की कमाई की है, जो किसी भी भारतीय एक्टर के लिए अब तक की सबसे बड़ी रकम मानी जा रही है।

कैसे बने सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर?

रणवीर सिंह को यह बड़ी कमाई उनकी फिल्म 'धुरंधर' से हुई है। यह फिल्म दो पार्ट में रिलीज हुई थी और दोनों ही पार्ट्स ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों फिल्मों ने मिलाकर दुनिया भर में करीब 3200 करोड़ का कलेक्शन किया, जिसमें से भारत में ही 1900 करोड़ से ज्यादा की कमाई हुई।

बताया जा रहा है कि रणवीर ने इस फिल्म के लिए अपनी नोर्मल फीस नहीं ली थी। उन्होंने प्रॉफिट शेयरिंग मॉडल अपनाया था, यानी फिल्म के मुनाफे में हिस्सा लिया। इतना ही नहीं, जब फिल्म का बजट बढ़ गया तो उन्होंने खुद भी पैसे लगाए, जिससे उनका

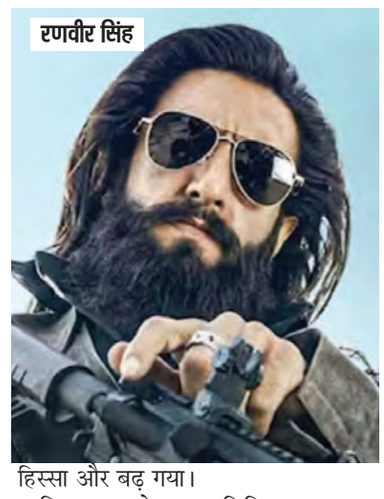
रणवीर सिंह

हिस्सा और बढ़ गया।

थिएटर कलेक्शन, डिजिटल राइट्स, सैटेलाइट राइट्स और म्यूजिक राइट्स से हुई कमाई को मिलाकर रणवीर का हिस्सा करीब 325 करोड़ तक पहुंच गया।

इन बड़े एक्टर्स को छोड़ा पीछे?

इससे पहले सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड साउथ सुपरस्टार रजनीकांत के नाम था, जिन्होंने 2024 की फिल्म 'जेलर' से 250 करोड़ से ज्यादा कमाए थे। वहीं, अल्लू अर्जुन और प्रभास भी अपनी फिल्मों 'पुष्पा 2' और 'कल्कि 2898 एडी' से 200 करोड़ से ज्यादा कमा चुके हैं। बॉलीवुड में इससे पहले यह रिकॉर्ड शाहरुख खान के नाम था, जिन्होंने 2023 में 'पठान' और 'जवान' जैसी फिल्मों से करीब 200 करोड़ प्रति फिल्म कमाए थे।

90 के दशक से अब तक का सफर

एक समय था जब किसी एक्टर का 10 करोड़ फीस लेना भी बड़ी बात होती थी। 90 के दशक में चिरंजीवी, कमल हासन और श्रीदेवी ऐसे स्टार्स थे, जिन्होंने पहली बार 1 करोड़ फीस ली थी। फिर धीरे-धीरे खान सुपरस्टार्स ने इस फीस को नई ऊंचाई पर पहुंचाया। और अब, 2026 में रणवीर सिंह ने 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है।

कौन हैं थदोई युमनाम? बनीं मिस मणिपुर 2026 मिस यूनिवर्स इंडिया होगा अगला पड़ाव

थदोई युमनाम

मणिपुर की थदोई युमनाम ने मिस यूनिवर्स मणिपुर 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। 21 जून को इम्फाल ईस्ट के चंद्रकृति ऑडिटोरियम में हुए ग्रैंड फिनाले में उन्हें यह ताज पहनाया गया। मणिपुर की थदोई युमनाम ने मिस यूनिवर्स मणिपुर 2026 का खिताब जीत लिया है। इस जीत के साथ अब थदोई युमनाम मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 में मणिपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी, जो जुलाई में आयोजित होने वाला है।

20 फाइनलिस्ट्स के बीच जीता मुकाबला

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों से आई 20 फाइनलिस्ट्स ने हिस्सा लिया। यह इवेंट सिर्फ खूबसूरती ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, लीडरशिप और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता को भी बढ़ावा देने वाला रहा। इस प्रतियोगिता में जेनेवा लाइखुराम को पहला रनर-अप और आलिश मैबाम को दूसरा रनर-अप चुना गया।

बड़े नाम रहे मौजूद

इस ग्रैंड फिनाले को मशहूर फैशन डिजाइनर रॉबर्ट नाओरेम ने डायरेक्ट किया। कार्यक्रम में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और उनकी पत्नी भी शामिल हुए। इसके अलावा मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 मनीका विश्वकर्मा भी इस इवेंट में जज के रूप में मौजूद रहीं।

जीत के बाद क्या बोलीं थदोई?

खिताब जीतने के बाद थदोई काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं जीत गई हूं। यह मेरा सपना था, जिसके लिए मैं पिछले साल से मेहनत कर रही थी। पिछले साल मैं हार गई थी, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मेरे परिवार, दोस्तों और टीचर्स का बहुत बड़ा सपोर्ट रहा है, यह जीत हम सबकी है। मैं मणिपुर को गर्व के साथ रिप्रेजेंट करूंगी।'

खूबसूरती के साथ मजबूत संदेश

इस इवेंट में सिर्फ बाहरी सुंदरता ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, खुद को स्वीकार करना और अंदरूनी खूबसूरती जैसे विषयों पर भी जोर दिया गया। जज मनीका विश्वकर्मा ने भी सभी प्रतिभागियों की तारीफ करते हुए कहा कि मणिपुर की लड़कियों में गहराई और एक मजबूत संदेश देने की ताकत है।

अब नेशनल स्टेज पर नजरें

अब थदोई युमनाम मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 2026 में मणिपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनसे उम्मीद है कि वह देश के सामने राज्य की ताकत, एकता और खूबसूरती को शानदार तरीके से पेश करेंगी।

अमरीश पुरी ऐसे बने भारतीय सिनेमा के सबसे पॉपुलर विलेन

22 जून 1932 को पंजाब के नवांशहर में जन्में अमरीश पूरी ने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की थी। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने कई साल तक नौकरी की। 80 के दशक में फिल्मों में आने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने बेहतरीन अभिनय और बुलंद आवाज से उन्होंने खलनायकों को हिंदी सिनेमा में एक खास पहचान दिलवाई।

किरदारों से बनाई अलग पहचान

कभी किसी गुफा जैसे अड्डे में बैठकर दुनिया जीतने का सपना देखने वाला मोगैंबो, कभी रेगिस्तान की हवेली में आतंक का दूसरा नाम बना ठाकुर दुर्जन सिंह, तो कभी 'जा सिमरन जा, जी ले अपनी जिंदगी' कहकर करोड़ों दिलों को भावुक कर देने वाला एक पिता। अमरीश पुरी सिर्फ एक अभिनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय सिनेमा के उन चुनिंदे कलाकारों में से थे, जिन्होंने हर किरदार को अपनी मौजूदगी से यादगार बना दिया।

उनकी गूंजती हुई आवाज, आंखों में उतरता खौफ और स्क्रीन पर छा जाने वाला व्यक्तित्व ऐसा था कि कई बार दर्शक फिल्म के हीरो से ज्यादा उनके किरदार को याद रखते थे। आइए उनके जन्मदिन पर नजर डालते हैं अमरीश पुरी के कुछ ऐतिहासिक किरदार और डॉयलाग्स पर।

मोगैंबो- मिस्टर इंडिया

गोल्डन मिलिटरी यूनिफॉर्म, रहस्यमयी अड्डा और दुनिया पर राज करने का सपना। मोगैंबो भारतीय सिनेमा का शायद सबसे पॉपुलर विलेन है। अमरीश पुरी ने इस किरदार को जिस अंदाज में जिया, उसने उसे फिल्मी इतिहास का हिस्सा बना दिया। आज भी 'मोगैंबो खुश हुआ' सुनते ही सबसे पहले उनका चेहरा सामने आ जाता है।

अशरफ अली- गदर एक प्रेम कथा

गदर में अमरीश पुरी ने एक ऐसे पिता का किरदार निभाया जो अपनी बेटी और अपने देश के बीच उलझा हुआ था।

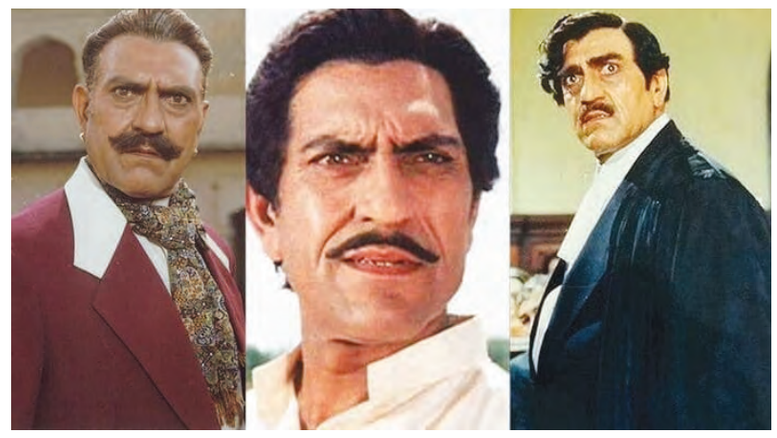

अशरफ अली पूरी तरह से खलनायक नहीं था, लेकिन कहानी में उसका विरोधी पक्ष इतना मजबूत था कि वह फिल्म के सबसे यादगार पात्रों में शामिल हो गया।

ठाकुर दुर्जन सिंह- करण अर्जुन

रेगिस्तान की धूल, हवेली की ऊंची दीवारें और बदले की आग। करण अर्जुन का ठाकुर दुर्जन सिंह बेरहमी का दूसरा नाम था। अमरीश पुरी ने इस किरदार में ऐसा आतंक पैदा किया कि दर्शक उसकी मौत का इंतजार करते रहे। फिल्म की पूरी कहानी उसी के अत्याचारों के इर्द-गिर्द घूमती है।

जनरल डोंग- तहलका

'डोंग इज नेवर रॉन्ग' कहने वाला जनरल डोंग 90 के दशक के सबसे मनोरंजक और पॉपुलर खलनायकों में से एक था। उसकी अजीबोगरीब हंसी, अतरंगी अंदाज और तानाशाह पर्सनालिटी ने उसे दर्शकों के बीच कल्ट स्टेटस दिलाया।

बलवंत राय- घायल

पैसे और सत्ता के नशे में चूर बलवंत राय उस दौर के सबसे ताकतवर खलनायकों में से एक था। यह किरदार सिर्फ हिंसक नहीं था, बल्कि व्यवस्था की उस सच्चाई को भी दिखाता था, जहां दौलत और ताकत कानून से ऊपर नजर आते हैं।

अमरीश पुरी की दमदार एक्टिंग ने इस किरदार को यादगार बना दिया।

मोला राम- इंडियाना जोन्स एंड दी टेंपल ऑफ डूम

हॉलीवुड की दुनिया में अमरीश पुरी की पहचान मोला राम से बनी। रहस्यमयी धार्मिक रिवाज, डरावनी पर्सनालिटी और खौफनाक आंखें। यह किरदार आज भी वर्ल्ड सिनेमा के सबसे चर्चित खलनायकों में गिना जाता है। इस भूमिका ने अमरीश पुरी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग पहचान दिलाई।

बलराज चौहान- नायकः दी रियल हीरो

राजनीति की ताकत और भ्रष्टाचार का चेहरा बने बलराज चौहान ने दिखाया कि अमरीश पुरी सिर्फ पारंपरिक विलेन तक सीमित नहीं थे। मुख्यमंत्री के इस किरदार में उन्होंने सत्ता के घमंड और राजनीतिक चालों को बेहद प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा।

बैरिस्टर चड्ढा- दामिनी

हर खलनायक बंदूक या तलवार से नहीं डराता। कुछ अपनी चालाकी और सत्ता से भी खतरनाक बन जाते हैं। दामिनी में बैरिस्टर चड्ढा ऐसा ही किरदार था। अदालत में सच को झूठ और झूठ को सच साबित करने की उसकी कोशिशों ने दर्शकों को भीतर तक झकझोर दिया।

शरीर में आयरन की कमी दूर करने के लिए खाएं ये चीजें

आयरन हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्वों में से एक है। यह हीमोग्लोबिन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। जब शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, तो थकान, कमजोरी, चक्कर आना, सांस फूलना और एनीमिया जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

आमतौर पर लोग मानते हैं कि आयरन केवल नॉन-वेज फूड्स से मिलता है, लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। कई शाकाहारी खाद्य पदार्थ भी आयरन से भरपूर होते हैं और नियमित रूप से इन्हें डाइट में शामिल करके आयरन की जरूरत पूरी की जा सकती है।

खास बात यह है कि आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के साथ विटामिन C वाली चीजों का सेवन करने से शरीर आयरन को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाता है। ऐसे में अगर आप शाकाहारी हैं और शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो कुछ खास फूड्स को अपनी रोजमर्रा की डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

पालक

पालक को आयरन से भरपूर सबसे लोकप्रिय हरी सब्जियों में गिना जाता है।

इसमें आयरन के अलावा फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम और कई एंटीऑक्सीडेंट्स भी मौजूद होते हैं।

नियमित रूप से पालक का सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

पालक में मौजूद विटामिन सी आयरन के अवशोषण को भी बढ़ावा देता है।

इसे सब्जी, सूप, स्मूदी या जूस के रूप में डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काले चने

काले चने शाकाहारी लोगों के लिए आयरन का बेहतरीन स्रोत माने जाते हैं।

इनमें आयरन के साथ प्रोटीन, फाइबर और कई जरूरी मिनरल्स भी पाए जाते हैं।

अंकुरित चना खाने से इसके पोषक तत्वों की उपलब्धता और बढ़ जाती है।

नियमित रूप से चना खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और आयरन की कमी से होने वाली कमजोरी को दूर करने में मदद मिल सकती है।

इसे सलाद, चाट या उबालकर नाश्ते में खाया जा सकता है।

गुड़

गुड़ को प्राकृतिक आयरन का अच्छा स्रोत माना जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी खून बढ़ाने के लिए गुड़ खाने की सलाह दी जाती है।

गुड़ न केवल आयरन की पूर्ति करने में मदद करता है, बल्कि यह पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाने का काम करता है।

भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में गुड़ खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और थकान कम महसूस हो सकती है।

तिल

काले और सफेद तिल दोनों ही आयरन से भरपूर होते हैं।

इनमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और हेल्दी फैट्स भी पाए जाते हैं, जो हड्डियों और शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

तिल के लड्डू, चटनी या सलाद के रूप में इसका सेवन किया जा सकता है।

नियमित रूप से तिल खाने से आयरन की कमी को दूर करने में मदद मिल सकती है।

सोयाबीन

सोयाबीन को प्रोटीन और आयरन का पावरहाउस कहा जाता है।

यह खासकर शाकाहारी लोगों के लिए बेहद फायदेमंद खाद्य पदार्थ है।

सोयाबीन में मौजूद आयरन शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है।

इसमें प्रोटीन, फाइबर और कई आवश्यक अमीनो एसिड भी पाए जाते हैं।

सोया चंक्स, सोया दूध या सोयाबीन की सब्जी के रूप में इसका सेवन किया जा सकता है।

नियमित रूप से सोयाबीन को डाइट में शामिल करने से शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है।

मां बनने के बाद ये सुपरफूड्स देंगे आपको ऊर्जा और ताजगी

मां बनने के बाद महिलाएं शिशु की देखभाल में पूरा दिन लगी रहती हैं। इससे अक्सर उन्हें थकान और स्ट्रेस होता है और उन्हें एनर्जी कम महसूस होने लगती है। ऐसे में कुछ सुपरफूड्स को डाइट में शामिल करना चाहिए।

प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादातर महिलाएं अपनी और शिशु की सेहत के लिए पौष्टिक आहार खाती हैं। लेकिन, डिलीवरी के बाद नई मां बच्चे की देख-रेख में इतनी बिजी हो जाती हैं कि वह अपनी सेहत को अनदेखा करने लगती हैं। इससे मसल्स में दर्द, आंखों में कमजोरी और बालों के झड़ने जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

साथ ही, ब्रेस्ट मिल्क का प्रोडक्शन कम होने लगता है। इन समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि आप डिलीवरी के बाद इन 3 सुपरफूड्स को अपनी डाइट में शामिल करें। इनके बारे में मैटरनल और चाइल्ड न्यूट्रिशनिस्ट डॉक्टर रमिता कौर बता रही हैं।

एक्सपर्ट का कहना है, "डिलीवरी के बाद शिशु के साथ ही अपना ख्याल रखना भी जरूरी होता है। शिशु के जन्म के दौरान मां के शरीर से ज्यादा ब्लीडिंग होती है और मसल्स कमजोर होने लगती हैं। साथ ही, शिशु को ब्रेस्टफीडिंग कराने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इन चीजों से शरीर में कमजोरी आने लगती हैं।"

1. मोरिंगा

यह विटामिन ए, बी, सी, आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन से भरपूर होता है, जो डिलीवरी के बाद महिलाओं को हेल्दी रखता है। साथ ही, इसे खाने से ब्रेस्ट मिल्क में सुधार होता है।

विधि

सब्जियों और करी में मोरिंगा की पत्तियां को शामिल करें। आटे में मोरिंगा पाउडर मिलाकर खाएं।

2. मेथी दाना

लगभग हर किचन में मौजूद मेथी दाना न सिर्फ खाने के बादीपन को दूर करता है, बल्कि हेल्थ से जुड़ी कई समस्याओं के लिए रामबाण है। यह नई मां में एनर्जी बढ़ाता है और मिल्क प्रोडक्शन को बढ़ाने में मदद करता है।

विधि

1 चम्मच बीज को एक गिलास पानी में भिगो दें।

अगली सुबह इसे उबालकर पिएं।

3. जीरा

इसमें एंटीऑक्सीडेंट और आयरन होता है, जो डिलीवरी के बाद महिलाओं के शरीर को एनर्जी देता है और सूजन को कम करता है। साथ ही, ये बीज मिल्क प्रोडक्शन बढ़ाने मदद करता है।

विधि

एक गिलास पानी में एक चम्मच जीरा भिगो दें।

इस पानी को उबाल लें।

इसे भोजन के बाद पिएं।

सही समय पर नींद क्यों है जरूरी? देर रात जागने के नुकसान

आज की डिजिटल लाइफस्टाइल में देर रात तक जागना एक आम आदत बन चुकी है। युवा वर्ग अक्सर मोबाइल फोन चलाने, सोशल मीडिया देखने या ऑफिस का काम पूरा करने के लिए अपनी नींद से समझौता कर लेते हैं। लेकिन क्या यह आदत शरीर के लिए सही है?

विशेषज्ञों के अनुसार, नींद केवल आराम का साधन नहीं बल्कि शरीर के रिपेयर और ब्रेन फंक्शन को बेहतर बनाने की एक जरूरी प्रक्रिया है। ऐसे में हम सभी को ये समझने की जरूरत है कि रात में सोने का सबसे सही समय क्या है और देर रात जागने से शरीर पर क्या प्रभाव पड़ते हैं।

क्या है सोने का सही समय?

रात में सही समय पर सोना केवल आराम करने का तरीका नहीं है, बल्कि यह शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य को संतुलित रखने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि व्यक्ति रोजाना रात 10 बजे से 11 बजे के बीच सो जाता है, तो उसका शरीर प्राकृतिक रूप से अपनी बायोलॉजिकल क्लॉक (सर्केडियन रिदम) के अनुसार काम करता है। इस समय शरीर धीरे-धीरे रिलैक्स मोड में चला जाता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और गहरी नींद (डीप स्लीप) लेने में मदद मिलती है।

गहरी नींद है जरूरी

गहरी नींद के दौरान शरीर में ग्रोथ हार्मोन सक्रिय होता है, जो मांसपेशियों की मरम्मत, कोशिकाओं की रिकवरी और शरीर की ग्रोथ में अहम भूमिका निभाता है। साथ ही, दिमाग दिनभर की थकान और तनाव को प्रोसेस करके अगले दिन के लिए खुद को तैयार करता है। इससे याददाश्त, एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता में सुधार होता है।

ज्यादा जागने के नुकसान

दूसरी ओर, जो लोग नियमित रूप से देर रात तक जागते हैं, उनकी नींद का चक्र बिगड़ जाता है। इसका सीधा असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है, जिससे चिड़चिड़ापन, तनाव और फोकस की कमी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। लंबे समय तक यह आदत मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हार्ट डिजीज जैसी गंभीर बीमारियों का जोखिम भी बढ़ा सकती है।

डिजिटल स्क्रीन से दूरी बनाना जरूरी

इसके अलावा, रात में ज्यादा स्क्रीन टाइम लेने से मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर प्रभावित होता है, जो नींद लाने में मदद करता है। इसलिए अच्छी नींद के लिए केवल जल्दी सोना ही नहीं, बल्कि सोने से पहले मोबाइल और अन्य डिजिटल स्क्रीन से दूरी बनाना भी जरूरी है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार और मानसिक शांति के साथ सही समय पर नींद लेना एक स्वस्थ जीवनशैली की कुंजी माना जाता है।

हाई बीपी के मरीज भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन, बढ़ सकती है परेशानी

आजकल हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप की समस्या तेजी से बढ़ रही है। खराब खानपान, तनाव, नींद की कमी और शारीरिक गतिविधियों में कमी इसके प्रमुख कारण माने जाते हैं। यदि समय रहते हाई बीपी को नियंत्रित न किया जाए तो यह हृदय रोग, स्ट्रोक, किडनी की समस्या और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। ऐसे में सिर्फ दवाइयों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि खानपान पर विशेष ध्यान देना भी बेहद जरूरी है।

कई ऐसी खाद्य चीजें हैं, जिनका अधिक सेवन ब्लड प्रेशर को और बढ़ा सकता है। इसलिए हाई बीपी के मरीजों को अपनी डाइट में सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आपका या आपके परिवार में किसी का ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा रहता है, तो कुछ खाद्य पदार्थों से दूरी बनाना फायदेमंद हो सकता है। आइए जानते हैं उन चीजों के बारे में, जिन्हें हाई बीपी के मरीजों को सीमित मात्रा में या पूरी तरह से बचकर खाना चाहिए।

ज्यादा नमक वाली चीजें

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए अधिक नमक का सेवन सबसे बड़ी समस्याओं में से एक माना जाता है। नमक में मौजूद सोडियम शरीर में पानी को रोककर रखता है, जिससे रक्त वाहिकाओं पर दबाव बढ़ता है और ब्लड प्रेशर ऊपर जा सकता है। चिप्स, नमकीन, अचार, पापड़, इंस्टेंट स्नैक्स और कई पैकेज्ड फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसलिए हाई बीपी के मरीजों को खाने में अतिरिक्त नमक डालने से भी बचना चाहिए और कम सोडियम वाले विकल्प चुनने चाहिए।

प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड

आजकल बाजार में मिलने वाले इंस्टेंट नूडल्स, फ्रोजन फूड, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और रेडी-टू-ईट उत्पाद सुविधाजनक जरूर होते हैं, लेकिन इनमें नमक, प्रिजर्वेटिव्स और कृत्रिम फ्लेवर की मात्रा अधिक हो सकती है। इन चीजों का नियमित सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में बाधा बन सकता है। इसके अलावा इनमें पोषक तत्व भी अपेक्षाकृत कम होते हैं, जिससे शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता।

जंक फूड और फास्ट फूड

बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज, मोमोज और अन्य फास्ट फूड स्वादिष्ट लग सकते हैं, लेकिन इनमें नमक, ट्रांस फैट और कैलोरी की मात्रा काफी अधिक होती है। इनका बार-बार सेवन मोटापा बढ़ाने के साथ-साथ धमनियों को भी नुकसान पहुंचा सकता है। मोटापा और खराब हृदय स्वास्थ्य दोनों ही हाई ब्लड प्रेशर के प्रमुख कारण माने जाते हैं, इसलिए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करना जरूरी है।

ज्यादा मीठे पेय पदार्थ

कोल्ड ड्रिंक्स, एनर्जी ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस और अधिक चीनी वाले पेय पदार्थ शरीर में अतिरिक्त कैलोरी और शुगर पहुंचाते हैं। इनका अधिक सेवन वजन बढ़ाने, इंसुलिन रेजिस्टेंस और मेटाबॉलिक समस्याओं का कारण बन सकता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकते हैं। बेहतर होगा कि इनकी जगह सादा पानी, नारियल पानी, छाछ या ताजे फलों का सेवन किया जाए।

प्रोसेस्ड मीट

सॉसेज, बेकन, सलामी और अन्य प्रोसेस्ड मीट उत्पादों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए इनमें काफी मात्रा में नमक और प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं। यही कारण है कि इनका सेवन हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए नुकसानदायक माना जाता है। नियमित रूप से प्रोसेस्ड मीट खाने से हृदय रोगों और रक्तचाप संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए ताजे और कम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करना अधिक फायदेमंद माना जाता है।

उंगलियों व जोडों में दर्द का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 23 साल है । मुझे भोजन करने के बाद खट्टी डकारें आना, छाती में जलन होना और हल्का पेट में दर्द होना- चालू रहता है। ऐसा पिछले 6 महीने से हो रहा है। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- मनोहर राव, विकाराबाद

: उत्तर. आप 'अम्लपित्त' नामक रोग से पीड़ित है। किशोर और युवावर्ग में यह रोग तेजी से फैल रहा है। कारण लाइफ स्टाइल में, जीवन शैली में बदलाव। फास्ट फुड,जंक फुड, होटल का खाना, चटपटे, तीखे, मिर्च मसालेदार व्यंजनों पर प्रीति से उदर में पहले से ही स्थित हाइड्रोक्लोरिक अम्ल में और अधिक वृद्धि होती है। जिसके कारण खट्टी डकार आना, छाती और कंठ में जलन होना, छर्दी, आमाशय शूल, उदर दाह जैसे लक्षण उभरते हैं। आयुर्वेद में इसका अच्छा इलाज है। चिकित्सा का प्रथम सूत्र है 'निदान परिवर्जनम्'।अतः आप जल्द से जल्द भोजन को सादा, स्वच्छ, ताजा और सात्विक बनाओ। स्वाद को त्याग कर स्वस्थ भोजन लिया करो। खटाई और मिर्च मसालों का त्याग करो। औषध में उंझा अविपत्तिकर चूर्ण 100 ग्राम,उंझा सूतशेखर रस (रजत युक्त) 40 टीकिया एवं उंझा कामदुधा रस 12 ग्राम को अच्छी तरह से एक जीव करें इसे 3 से 5 ग्राम की मात्रा में भोजन पूर्व शहद में मिलाकर चाटे। भोजन के बाद उंझा लीला विलास रस की टिकिया–डायलुसिड सैरप के साथ लेवे। थोडे ही दिनों में अम्ल पित्त पूरी तरह शांत हो जाएगा।

प्रश्न. मेरी उम्र 44 वर्ष है। डायबिटीज का रोगी हूं। अंग्रेजी दवाई चल रही है फिर भी रक्त शर्करा नियंत्रण में नहीं आती। क्या करू उपाय बताएं.

– वेद प्रकाश अग्रवाल, हैदराबाद

उत्तर. जीवन शैली में परिवर्तन और अनुवांशिकता के कारण दिनोदिन मधुमेहियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तेलंगाना में हर पांच सौ आदमी मधुमेह से पीड़ित है। आराम पसंद जीवन या फिर हमेशा तनावग्रस्त रहना दोनों स्थितियों में प्रमेह रोग उत्पन्न हो जाता है। आप अभी जो अंग्रेजी दवाइयां ले रहे हैं उन्हें तुरंत ना रोके। उनके साथ ही आयुर्वेदिक दवाइयां प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे अंग्रेजी दवाइयों को हटाया जा सकता है।

आप उंझा जंब्रोस टिकिया दो दो गोली सुबह दोपहर शाम भोजन पूर्व लेवे। भोजन के बाद उंझा चंद्रप्रभा वटी एवं उंझा आरोग्यवर्धिनी वटी की एक-एक गोली ले ले। भोजन में मीठा व मिठाई बंद कर दे। हर रोज पैदल च ले कसरत क रें । दिवाशयन से बचे। आराम पसंद जीवन का त्याग करें स्वेद बहाएं। थोड़े ही दिनों में आपकी रक्त शर्करा सामान्य होकर मधुमेह नियंत्रण में आ जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 39 वर्ष है। डॉक्टरों के अनुसार मुझे गाउट है। उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है। कृपा कर इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती प्रभा आनंद, सिकंदराबाद

उत्तर : आयुर्वेद में गाउट को वातरक्त कहते हैं। सामान्य भाषा में गठिया रोग कहते हैं । इसमें और संधिवात में सबसे बड़ा फर्क है सिरम यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना। वात रक्त में रक्त में यूरिक एसिड का स्तर स्त्रियों में 7 से ऊपर यदि रहता है तो यूरिक एसिड के क्रिस्टल जोड़ों में जमा होने लगते हैं और काफी दर्द होने लगता है। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की वजह से गुर्दे का शरीर में मौजूद यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए शरीर के बाहर नहीं निकल पाना है । कई तरह के पदार्थ जैसेः सभी प्रकार की दालें , डिब्बे वाले जूस, मांसाहारी भोजन, सीफूड, मशरूम ,मटर बीन्स आदि यूरिक एसिड को बढ़ाते हैं। अतः इन से दूर रहें। जैतून तेल, ईसबगोल, ओट्स ,टमाटर ,अंगूर, चेरी ,मेवे, कद्दू, तुरई , घीया, खीरा, करेले, भिंडी, कुंदरू, परवल, पुराने चावल, जवारी, गेहूं आदि का प्रयोग गाउट में हितकारी है।

ऊंझा अमृता गुग्गुलु, ऊंझा कैशौर गुग्गुलु, ऊंझा संशमनी वटी ,ऊंझा अमृतारिष्ट आदि का प्रयोग वात रक्त में उपयोगी है। गिलोय - तुलसी रस निराहार सुबह और भोजन के पहले संध्या को 30 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी के साथ मिलाकर प्रयोग करते रहने से वात रक्त पूरा ठीक होता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

इम्यूनिटी मजबूत करने से लेकर पाचन तक, कई परेशानियों का हल है दूध

दूध को हमेशा से एक संपूर्ण आहार माना गया है, और जब इसमें इलायची जैसी औषधीय जड़ी-बूटी मिलाई जाती है तो इसके फायदे और भी बढ़ जाते हैं। इलायची वाला दूध न केवल स्वाद में बेहतरीन होता है, बल्कि यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में भी मदद करता है। घरों में बड़े-बुजुर्ग अक्सर इसे पीने की सलाह देते हैं, खासकर रात के समय, ताकि नींद अच्छी आए और शरीर को आराम मिल सके।

आयुर्वेद में भी इलायची को एक महत्वपूर्ण औषधि माना गया है, जो पाचन सुधारने, तनाव कम करने और शरीर को डिटॉक्स करने में सहायक होती है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब लोग तनाव और थकान से जूझ रहे हैं, ऐसे में इलायची वाला दूध एक आसान और प्राकृतिक उपाय के रूप में देखा जा सकता है। इस लेख में हम इसके प्रमुख स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानेंगे।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाए

इलायची में मौजूद प्राकृतिक तेल और एंटीऑक्सीडेंट्स पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। यह गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक हो सकता है।

तनाव और चिंता में राहत

इलायची की खुशबू और इसके औषधीय गुण मानसिक तनाव को कम करने में मदद करते हैं। रात में इलायची वाला दूध पीने से नींद बेहतर आती है और दिमाग शांत रहता है।

इम्यूनिटी को मजबूत करे

दूध और इलायची दोनों में मौजूद पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे शरीर बीमारियों से बेहतर तरीके से लड़ पाता है।

सांसों की बदबू से छुटकारा

इलायची में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण मुंह की बदबू को कम करने में मदद कर सकते हैं, जिससे ओरल हेल्थ बेहतर रहती है।

शरीर को डिटॉक्स करने में मददगार

इलायची वाला दूध शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद कर सकता है, जिससे स्किन हेल्थ और एनर्जी लेवल में सुधार होता है।

अच्छी नींद में मददगार

रात को सोने से पहले इलायची वाला दूध पीने से दिमाग रिलैक्स होता है और नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। यह अनिद्रा की समस्या में भी राहत दे सकता है।

हड्डियों को मजबूत बनाए

दूध में मौजूद कैल्शियम और इलायची के पोषक तत्व मिलकर हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं और जोड़ों के दर्द में भी राहत दे सकते हैं।

त्वचा को बनाए हेल्दी

इलायची वाला दूध शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है, जिससे त्वचा साफ और ग्लोइंग बनी रहती है।

वजन कंट्रोल में मदद

अगर बिना चीनी या कम चीनी के लिया जाए तो यह मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट करता है और वजन नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद

इलायची में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं, जिससे दिल की सेहत को सपोर्ट मिलता है।

शुरू हुई उल्टी गिनती: जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने की तैयारी में 8वां वेतन आयोग

आठवें वेतन आयोग की रिपोर्ट सौंपे जाने की टाइमलाइन

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। आज से लखनऊ में आठवें वेतन आयोग के दो-दिवसीय बैठक का आगाज हो रहा है. इस दौरान उत्तर प्रदेश क्षेत्र के केंद्रीय कर्मचारियों, पेंशनर्स, कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए अलग-अलग संगठनों, रेलवे व डिफेंस कर्मियों के प्रतिनिधियों के साथ आमने-सामने बातचीत की जाएगी.

अब अगली बैठकें कहां होगी?

लखनऊ के बाद आयोग की अगली बैठकें 6-7 जुलाई को ओडिशा के भुवनेश्वर और 9-10 जुलाई को कोलकाता में प्रस्तावित हैं. इससे पहले, दिल्ली, लद्दाख, श्रीनगर में बैठकें की जा चुकी हैं. इस बीच, 8वें सीपीसी (वेतन आयोग) की टीम के साथ लगातार संपर्क में रह रहे केंद्र सरकार के अलग-अलग कर्मचारी संगठनों के अधिकारियों का कहना है कि सरकार मार्च 2027 तक 8वें वेतन आयोग की रिपोर्ट जारी कर सकती है. उनका मानना है कि 2027 की पहली छमाही में रिपोर्ट लागू होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि 8वें वेतन आयोग का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है.

क्या वाकई में 2027 की पहली छमाही में आ जाएगी रिपोर्ट?

आयोग इस वक्त जिस तेजी से राज्यों का दौरा कर रहा है और कर्मचारी संगठनों से सुझाव ले रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आयोग 2027 के मध्य (मई 2027) से पहले अपनी रिपोर्ट दे सकता है.

हालांकि, इस पर अंतिम फैसला सरकार की समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा.

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट?

ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लॉइज फेडरेशन के नेशनल प्रेसिडेंट मंजीत सिंह पटेल का मानना है कि 8वां वेतन आयोग बजट की घोषणा से पहले, यानी जनवरी 2027 तक अपनी रिपोर्ट सौंप सकता है. हालांकि, सैलरी हाइक अप्रैल 2027 से मिल सकती है क्योंकि रिपोर्ट को मंजूरी मिलने में 1-2 महीने और लग सकते हैं.

आयोग की वेबसाइट पर सुझाव और ज्ञापन ऑनलाइन जमा करने की डेडलाइन दो बार बढ़ाए जाने के बाद आखिरकार 15 जून, 2026 को समाप्त हो चुकी है. अब सारा का सारा फोकस मीटिंग्स और रिपोर्ट तैयार करने पर है.मंजीत पटेल आगे कहते हैं, "एआईएनपीएसईएफ अपने सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर लगातार आयोग के संपर्क में है. हमें भरोसा है कि आयोग 2027 के बजट से पहले केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप देगा और कर्मचारियों व पेंशनभोगियों को अप्रैल 2027 से बढ़ी हुई सैलरी और पेंशन मिल सकती है."

24 जुलाई से पहले भारत चाहता है फाइनल

अमेरिका के सामने इन बड़ी शर्तों के साथ होगी ओपनिंग

नई दिल्ली,22 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के टॉप ट्रेड डिप्लोमैट मंगलवार को दो दिन की बातचीत के लिए भारत आएंगे। नई दिल्ली दूसरे एशियाई देशों के मुकाबले बेहतर शर्तों पर ट्रेड एग्रीमेंट चाहती है। कारण है कि दोनों देश बिगड़े रिश्तों को सुधारने के लिए एक अहम डील करना चाहते हैं।

अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीर का यह दौरा अहम है। 17 जून को फ्रांस में जी7 समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच एक साल से ज्यादा समय में हुई पहली मुलाकात के बाद यह हो रहा है।

इन मसलों ने पैदा किया है नए सिरे से तनाव

ट्रेड बातचीत से पैदा हुई अनिश्चितता के अलावा खाड़ी में कमर्शियल जहाजों पर हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत ने भी डिप्लोमैटिक तनाव बढ़ा दिया है। फरवरी में ट्रेड पर शुरुआती सहमति बनी थी। लेकिन, अमेरिका की 'सेक्शन 301' जांच (जिसमें जरूरत से ज्यादा कैपेसिटी और जबरदस्ती मजदूरी कराने का आरोप है) को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

24 जुलाई से पहले फाइनल चाहता है भारत

नई दिल्ली वियतनाम जैसे आसियान देशों समेत अपने पड़ोसी देशों के मुकाबले टैरिफ में फायदा चाहती है।

ट्रेड मिनिस्टर पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा, 'हम अमेरिका के साथ मिलकर यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि हमें तुलनात्मक फायदा कैसे मिले ताकि हमारे एक्सपोर्टर्स को लाभ हो सके।'

गोयल ने कहा कि अगर 24 जुलाई से पहले डील फाइनल हो जाती है तो उन्हें 'खुशी' होगी। कारण है कि उस दिन ट्रेडिंग पार्टनर्स पर अमेरिका का अस्थायी 10% टैरिफ खत्म हो रहा है। डील 'जितनी जल्दी हो, उतना अच्छा है।'

भारत यह भी पक्का करना चाहेगा कि डील के बाद अमेरिका नए टैरिफ न लगाए। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि अगर बातचीत रुकती है तो भारत को और टैरिफ की धमकियों का भी डर है। ग्रीर के ऑफिस ने कहा कि बातचीत का मकसद निष्पक्ष, संतुलित और आपसी फायदे वाला ट्रेड करना है।

टैक्स रिटर्न भरते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना आ सकता है नोटिस

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने का सीजन एक बार फिर आ चुका है. असेसमेंट ईयर 2026-27 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए टैक्सपेयर्स तेजी से अपना रिटर्न भर रहे हैं. एक आंकड़े के मुताबिक, 17 जून 2026 तक ही 42.6 लाख से ज्यादा लोग अपना रिटर्न जमा कर चुके हैं. इस बार आयकर विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का काफी सख्ती से इस्तेमाल कर रहा है. इसका सीधा मतलब यह है कि आपकी एक छोटी सी चूक या गलत जानकारी भी तुरंत पकड़ में आ जाएगी, जिससे सीधा टैक्स नोटिस घर पहुंच सकता है.अगर आप भी 31 जुलाई की डेडलाइन से पहले अपना रिटर्न दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं, तो कुछ अहम बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है. आइए जानते हैं वो सामान्य गलतियां जिनसे आपको हर हाल में बचना चाहिए, ताकि रिटर्न का प्रोसेस बिना किसी रुकावट के पूरा हो सके.रिटर्न फाइल करते समय सबसे पहली सीढ़ी सही आईटीआर फॉर्म का चुनाव करना है. गलत फॉर्म भरने पर आपका रिटर्न अमान्य (डिफेक्टिव) घोषित किया जा सकता है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास कोई विदेशी संपत्ति है या इक्विटी म्यूचुअल फंड से 1.25 लाख रुपये से ज्यादा का लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन हुआ है, तो आप साधारण आईटीआर-1 फॉर्म नहीं भर सकते. ऐसे में आपको आईटीआर-2 का इस्तेमाल करना होगा. इसी तरह, जो नौकरीपेशा लोग शेयर बाजार में फ्यूचर-ऑप्शन ट्रेडिंग करते हैं, उन्हें अपनी जानकारी आईटीआर-3 फॉर्म में देनी होगी.अक्सर लोग बैंक के बचत खाते से मिलने वाले मामूली ब्याज, डिविडेंड या नौकरी बदलने की स्थिति में पुरानी कंपनी से मिली आमदनी को रिटर्न में दिखाना भूल जाते हैं. आयकर विभाग आपके पैन कार्ड के जरिए बैंक और टीडीएस स्टेटमेंट से इन सभी जानकारियों का आसानी से मिलान कर लेता है. इसके अलावा, बिना पक्के सबूत के हाउस रेंट अलाउंस पर टैक्स छूट का दावा करना भारी पड़ सकता है. अगर आप अपने माता-पिता को किराया देकर छूट ले रहे हैं, तो रेंट एग्रीमेंट और पेमेंट का सबूत जरूर रखें. साथ ही, माता-पिता को भी उस किराये की रकम को अपने रिटर्न में आय के तौर पर दिखाना होगा. इसी तरह 80जी के तहत डोनेशन की छूट के लिए ट्रांजेक्शन रेफरेंस नंबर देना अनिवार्य है.आईटीआर भरने से पहले अपने एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट , टैक्स इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट के साथ फॉर्म 26एएस को अच्छी तरह चेक करें. कई बार बैंक की तरफ से दी गई जानकारी और आपके वास्तविक आंकड़ों में अंतर होता है।

चांदी आज 5,826 महंगी, 2.37 लाख पर पहुंची

सोने का दाम 1,694 बढ़ा, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.46 लाख का हुआ

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में 22 जून को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 5,826 रुपए बढ़कर 2.37 लाख रुपए पर पहुंची। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 2.32 रुपए प्रति किलो थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,694 रुपए बढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक दिन पहले इसकी कीमत 1.44 रुपए थी।

ऑल टाइम हाई से 30 हजार रुपए गिरा सोना

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 30 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 1.49 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सूर्य	मिथुन	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कर्क	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05-15 बजे
कर्क	07-28 बजे
सिंह	09-40 बजे
कन्या	11-46 बजे
तुला	13-52 बजे
वृश्चिक	16-02 बजे
धनु	18-15 बजे
मकर	20-21 बजे
कुंभ	22-12 बजे
मीन	23-50 बजे
मेष	01-26 बजे
वृष	03-11 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय 05-47 सूर्यास्त. 18 -49
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष मंगलवार **23 June 2026**
तिथि - नवमी **16-39** तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - हस्त **11-53** तक उप चित्रा
योग. - वरियान **10-13** तक उप परिघ
करण - कौलव **16-39** तक उप तैतिल
विशेष: श्री महेश नवमी माहेश्वरी वंशीय

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
15-35 से
17-14 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर **Ph 9247132654**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
रोग	05-47 - 07-23 अशुभ	काल	18-49 - 20-14 अशुभ
उत्पात	07-23 - 09-02 अशुभ	लाभ	20-14 - 21-35 शुभ
चंचल	09-02 - 10-40 शुभ	उत्पात	21-35 - 22-57 अशुभ
लाभ	10-40 - 12-18 शुभ	शुभ	22-57 - 00-19 शुभ
अमृत	12-18 - 13-57 शुभ	अमृत	00-19 - 01-40 शुभ
काल	13-57 - 15-35 अशुभ	चंचल	01-40 - 03-02 शुभ
शुभ	15-35 - 17-14 शुभ	रोग	03-02 - 04-23 अशुभ
रोग	17-14 - 18-49 अशुभ	काल	04-23 - 05-47 अशुभ

डॉलर के मुकाबले रुपया कितने दिनों बाद होगा मजबूत? हो गई भविष्यवाणी, काम कर गई आरबीआई की चाल

नई दिल्ली,22 जून (एजेंसियां)। वैश्विक अस्थिरता में कमी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से हाल में उठाए गए कदमों के कारण आने वाले समय में रुपये पर दबाव कम हो सकता है और इसमें रिकवरी देखने को मिल सकती है। यह जानकारी जारी एक रिपोर्ट में दी गई। हालांकि फेडरल रिजर्व रुपये में आने वाली तेजी के बीच बाधा बन सकता है। फाइनेंशियल फर्म एलारा सिक्योरिटीज की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही यानी सितंबर 2026 तक डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती देखने को मिल सकती है। इसकी वजह चालू खाते घाटे पर दबाव कम होना और प्रवाह का बढ़ना है, जिससे रुपया 93-95 की रेंज में रह सकता है।

फेडरल रिजर्व ने बढ़ाई चिंता

रुपये में जल्द आ सकती है तेजी।

माना जा रहा है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व वित्त 27 की दूसरी छमाही में रिजर्व ब्याज दरों में 50 आधार अंक की बढ़ोतरी कर सकता है। अगर ब्याज दरें बढ़ाती हैं, तो इससे रुपये समेत उभरते बाजारों की विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ सकता है और इससे करेंसी की मजबूती सीमित रह सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, पॉलिसी में बदलाव से निकट अवधि में स्थिति को संभालने में मदद मिली। साथ ही, विदेशी मुद्रा बाजार को स्थिर करने के उपायों, सरकारी बॉन्ड पर टैक्स में छूट और डेट-आधारित विदेशी मुद्रा निवेश को आकर्षित करने के लिए दिए गए प्रोत्साहन का भी इसमें योगदान रहा।

भारतीय बाजार में बढ़ा निवेश प्रवाह

रिपोर्ट के अनुसार 5 जून 2026 के ऐतिहासिक इनकम-टैक्स ऑर्डिनेंस (जिसने एफपीआई के लिए भारत की सरकारी प्रतिभूतियों निवेश को टैक्स-फ्री बना दिया) की वजह से भारतीय डेट मार्केट में निवेश का प्रवाह फिर से ठीक-ठाक स्तर पर आ गया है और यील्ड में भी कमी आई है। आरबीआई की पॉलिसी के बाद से 10 ट्रेडिंग दिनों में एफएआर रूट से भारत के डेट मार्केट में एफपीआई का निवेश बढ़कर 1.7 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि पॉलिसी से पहले के 10 ट्रेडिंग दिनों में यह 229 मिलियन डॉलर था।

ग्लोबल ब्लूमबर्ग बॉन्ड इंडेक्स में भारत के संभावित शामिल होने को मिलाकर, भारत में कुल निवेश 80-85 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

अमेरिका की ओर से क्या चिंताएं?

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के एआई निवेश का केंद्र बने रहने के बीच वहां ब्याज दरें बढ़ने का दौर शुरू होने वाला है। इसलिए भारतीय इक्विटी में एफपीआई निवेश का आउटलुक निराशाजनक बना हुआ है। फर्म ने अनुमान लगाया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व सितंबर 2026, दिसंबर 2026 और जनवरी 2027 में 25-25 आधार अंक की तीन बार ब्याज दरें बढ़ा सकता है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।आपको एक नए क्षेत्र से अवसर प्राप्त हो सकता है। विभिन्न क्षेत्रों से आप अपने लिए नौकरियों खोजे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में वापस स्थापित होंगे । आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे और अभी तक आप अपने कार्य और पद की तुलना में काफी अल्प आय प्राप्त कर रहे थे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्बंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे ।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपकी करियर से सम्बंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

भारत पर दोहरा संकट...दुश्मन चीन का समझ आता है मगर दोस्त जापान ने क्यों किया ऐसा?

चीन ने भारत की मिर्च और जापान ने आम रिजेक्ट कर दिया

नई दिल्ली,22 जून (एजेंसियां)। भारत के लिए यह दोहरी मार जैसा है। भारत की मिर्च पर जहां हाल ही में चीन ने रोक लगा दी। वहीं, आम पर दोस्त जापान ने भी पाबंदी लगा दी। चीन के कस्टम अधिकारियों ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उनमें 'मेथामिडोफॉस' की मात्रा बहुत ज्यादा थी। मेथामिडोफॉस एक कीटनाशक है, जो नर्वस सिस्टम से जुड़ी बीमारियों का कारण बन सकता है। इससे पहले चीन ने भारत से भेजे गए गैर-बासमती चावल की 70 खेप रोक दी थी। इससे कुछ हफ्ते पहले ही जापान ने चार दशकों में दूसरी बार भारतीय आमों पर पाबंदी लगा दी थी। जापान की एक जांच टीम को भारतीय प्लांट में फ्यूमिगेशन (कीटनाशक गैस से उपचार) के तरीकों में खामियां मिली थीं। हंगामा मचना तो तय था। दुनिया के कुन कृषि निर्यात में भारत की हिस्सेदारी अभी तक 2.2% से 2.4% ही है। यह 50 बिलियन डॉलर सालाना है।द न्यूज मिनट की एक रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश में मिर्च निर्यातकों ने राज्य सरकार को पत्र लिखा और केंद्र सरकार से कीटनाशक के अवशेषों की समस्या को हल करने की मांग की। उन्होंने सख्त टेस्टिंग, किसानों के बीच खेती के अच्छे तरीकों के बारे में बेहतर जागरूकता और खतरनाक रसायनों पर रोक लगाने का आग्रह किया।आम उत्पादक संघ ने सरकार से दखल देने की मांग की और 'फेडरेशन ऑफ इंडियन स्पाइस स्टेकहोल्डर्स' जैसे संगठनों ने बताया कि यूरोपीय आयातकों द्वारा खेप को अस्वीकार करने की दर बढ़कर 20% हो गई है, जो कुछ समय पहले तक लगभग 5% थी। स्पाइस बोर्ड ने, जिसने मई 2024 में ही निर्यात के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी कर दी थीं, टेस्टिंग की जरूरतों को और कड़ा कर दिया।

2024 की शुरुआत में, हांगकांग की खाद्य सुरक्षा एजेंसी ने एमडीएच और एवरेस्ट के लोकप्रिय भारतीय मसाला मिश्रणों में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी की ओर इशारा किया। एथिलीन ऑक्साइड, या ईटीओ, को डब्ल्यूएचओ की कैंसर अनुसंधान एजेंसी ने 'ग्रुप 1 कार्सिनोजेन' (कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ) के तौर पर वर्गीकृत किया है।इसके बाद सिंगापुर ने भी उत्पादों को वापस मंगाने (रिकॉल) का कदम उठाया। अप्रैल के अंत तक, पांच देशों ने भारतीय मसालों पर या तो प्रतिबंध लगा दिया था, उन्हें वापस मंगा लिया था या उनकी जांच शुरू कर दी थी।

48 करोड़ बने 5800 करोड़! जियो आईपीओ से किसे होगा सबसे बड़ा फायदा? ड्राफ्ट पेपर में चौंकाने वाला खुलासा

जियो आईपीओ से महेंद्र नाहटा को 100 गुना फायदा

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की टेलिकॉम विंग- रिलायंस जियो ने अपने आईपीओ के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर्स जमा करा दिए हैं. इस आईपीओ से बेशक कंपनी और उसके निवेशकों को फायदा होगा, लेकिन इन्हीं में से एक शख्स हैं, जिन्हें इस आईपीओ से 100 गुना ज्यादा फायदा होने जा रहा है. यहां जाने-माने कारोबारी और एचएफसीएल के प्रमोटर महेंद्र नाहटा की बात की जा रही है. महेंद्र नाहटा कोई और नहीं, बल्कि वह शख्स हैं जिन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज को टेलीकॉम सेक्टर में लाने में बड़ी मदद की थी. साल 2010 की बात है, जब महेंद्र नाहटा की कंपनी इन्फोटेल ब्रॉडबैंड सर्विसेज ने 12872 करोड़ रुपये ने पूरे भारत में 4जी स्पेक्ट्रम को हासिल किया था. तब मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने 4800 करोड़ रुपये में इसमें 95% की हिस्सेदारी खरीद ली, जो आगे चलकर रिलायंस जियो के नाम से मशहूर हुआ. तभी से नाहटा कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल हो गए.

48 करोड़ के कैसे बनेंगे 5800 करोड़?

साल 2020 में नाहटा के परिवार ने कंपलसरी कनवर्टिबल डिबेंचर को इक्विटी में बदलकर महज 10 रुपये के फेस वैल्यू पर जियो प्लेटफॉर्म में 0.54% (लगभग 4.78 करोड़ शेयर) की हिस्सेदारी महज 48 करोड़ रुपये में खरीदी थी. ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में आगामी आईपीओ के लिए जियो प्लेटफॉर्म्स का वैल्यूएशन 114 बिलियन डॉलर (10.7 लाख करोड़) लगाया है. ऐसे में इस वैल्यूएशन के हिसाब से कंपनी में महेंद्र नाहटा की हिस्सेदारी की कीमत 5800 करोड़ रुपये बैठती है, जो उनके निवेश पर कुल 121 गुना बंपर मुनाफे के बराबर है. जियो प्लेटफॉर्म्स ने बीते शुक्रवार को आईपीओ के लिए अपना ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस फाइल किया, जिसमें 27 करोड़ यानी 270 मिलियन इक्विटी शेयर जारी करने का जिक्र है. इस प्रस्तावित इश्यू से जियो प्लेटफॉर्म्स में रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी 66.43% से घटकर 64.5% होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार में तेजी; सेंसेक्स 291 अंक चढ़ा,निफ्टी 24100 के पार

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए। 30 शेयरों के सूचकांक सेंसेक्स 291.17 (0.37%) अंकों की बढ़त के साथ 77,094.07 के स्तर पर बंद हुआ। सोमवार के सत्र के दौरान सेंसेक्स 522.66 अंकों यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,325.56 के दिन के सर्वकालिक स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। दूसरी ओर, 50 शेयरों का वृहद सूचकांक निफ्टी 89.81 (0.37%) अंकों की मजबूती के साथ 24,102.90 पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सत्र के बाद सिप्ला के शेयर पांच प्रतिशत तो टेक महिंद्रा के शेयर दो फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। रिलायंस जियो के आईपीओ के एलान के बाद रिलायंस के शेयरों में भी 1.31 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और इसके शेयर 1326.55 रुपये के भाव पर कारोबार करते हुए बंद हुए। रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 37 पैसे मजबूत होकर 94.70 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ।

जानते हैं बाजार का हाल विस्तार से

ताजा विदेशी पूंजी निवेश और रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयरों में खरीदारी से बाजार को मजबूती मिली। सेंसेक्स में टेक महिंद्रा, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और बजाज फिनसर्व प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, एशियन पेंट्स, टाइटन, पावर ग्रिड और ट्रेंट नुकसान में रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.66 फीसदी गिरकर 79.23 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 19 जून को 4,859.07 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

वैश्विक बाजार का प्रदर्शन कैसा रहा?

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ समाप्त हुआ। यूरोप के बाजार ज्यादातर गिरावट में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार 19 जून को जूनटीन्थ अवकाश के कारण बंद थे।

अमेरिकी-ईरान वार्ता का क्या असर हुआ?

एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि अमेरिकी-ईरान वार्ता के रचनात्मक समापन से वैश्विक भावना मजबूत हुई।

तकनीकी वार्ता जारी रहने से राजनयिक प्रगति की उम्मीदें बढ़ी हैं। अमेरिका और ईरान दो दिनों की बातचीत के बाद 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते पर सहमत हुए हैं। यह समझौता स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में हुआ, जिसकी जानकारी पाकिस्तान और कतर ने दी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि उपयोगिता, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से बाजार को समर्थन मिला।

'जल महल' में जल समाधि लेंगे सरकारी कर्मचारी!

भजनलाल सरकार के खिलाफ क्यों तेज़ हुआ आंदोलन?

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार के सामने इस वक्त सबसे बड़ी प्रशासनिक चुनौती खड़ी हो गई है। राज्य के ग्रामीण इलाकों की रीढ़ माने जाने वाले ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों ने अपनी पुरानी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन को और व्यापक बनाने का फैसला किया है। पिछले करीब 20 दिनों से 'स्वाभिमान बचाओ आंदोलन' के बैनर तले ब्लॉक और जिला स्तर पर पेन डाउन हड़ताल कर रहे इन कर्मचारियों ने अब राजधानी जयपुर कूच की रूपरेखा तैयार कर ली है। इस आंदोलन के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता के रोजमर्रा के प्रशासनिक कार्य, प्रमाण पत्र बनाने के काम और पंचायती राज से जुड़े विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो गए हैं। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर कोई लिखित और ठोस फैसला नहीं लेती, तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन थमने वाला नहीं है।

क्या है 'स्वाभिमान बचाओ आंदोलन'?

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन (राजस्थान) के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन का सबसे बड़ा असर ग्रामीण विकास योजनाओं पर पड़ा है। सरकार द्वारा ग्रामीण जनता की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित किए जा रहे 'ग्रामीण सेवा शिविर-2026' को कर्मचारियों ने ठप कर दिया है। पिछले 20 दिनों से प्रदेश भर की ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों में कार्यरत कनिष्ठ लिपिक और अन्य मंत्रालयिक स्टाफ कार्यालयों में तो आ रहा है, लेकिन वे किसी भी सरकारी फाइल पर काम नहीं कर रहे हैं। सरकार के महत्वपूर्ण शिविरों का पूरी तरह से बहिष्कार किया गया है, जिसके कारण ग्रामीण इलाकों के लोगों को बैरंग लौटना पड़ रहा है। विभागीय स्तर पर

आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वीबी जी राम जी बैठकों का भी कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से बहिष्कार जारी रखा है। संगठन ने सरकार पर रणनीतिक और प्रशासनिक दबाव बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से जयपुर कूच की योजना बनाई है। आगामी 3 दिनों के भीतर पूरे राजस्थान से पंचायती राज के सरकारी बाबुओं का काफिला जयपुर में डेरा डालेगा।

23 जून 2026 (मंगलवार शाम): इस दिन राजस्थान के सभी जिलों के जिलाध्यक्ष, जिला महामंत्री और जिला कोषाध्यक्ष अपनी जिला स्तरीय टीमों के साथ जयपुर के लिए रवाना होंगे।

24 जून 2026 (बुधवार): जयपुर पहुंचने के बाद समस्त प्रदेश कमेटी के सदस्य, जिलाध्यक्ष और महामंत्री राज्य सरकार के उच्च प्रशासनिक अधिकारियों और मंत्रियों के समक्ष अपना आधिकारिक मांग पत्र प्रस्तुत करेंगे। इसी दिन शाम को सभी ब्लॉक अध्यक्ष और ब्लॉक मंत्री अपनी कार्यकारिणियों के साथ जयपुर के लिए कूच करेंगे।

25 जून 2026 (गुरुवार): जयपुर पहुंचे सभी ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक महामंत्री और ब्लॉक कार्यकारिणी के सदस्य सचिवालय और विभिन्न विभागीय स्तरों पर अपनी मांगों के समर्थन में व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से मांग पत्र सौंपकर दबाव बनाएंगे। मंत्रालयिक कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से केवल आश्वासनों के भरोसे काम कर रहे हैं, जबकि अन्य राज्यों में उनके कैडर को काफी मजबूत किया जा चुका है। कर्मचारी संगठन मुख्य रूप से निम्नलिखित तकनीकी और प्रशासनिक मांगों को लेकर अड़े हुए हैं:

उत्तराखंड पैटर्न लागू करना: कर्मचारियों की सबसे प्रमुख मांग है कि राजस्थान के पंचायतीराज विभाग में भी उत्तराखंड राज्य की तर्ज पर मंत्रालयिक कैडर का पुनर्गठन किया जाए ताकि पदोन्नति के बेहतर अवसर मिल सकें।

स्वतंत्र कार्य विभाजन और कैडर रिव्यू : विभाग में काम का बोझ बढ़ने के कारण एक स्पष्ट और स्वतंत्र कार्य विभाजन नीति बनाई जाए और पूरे कैडर की समीक्षा कर नए पद सृजित किए जाएं।

अंतर-जिला स्थानांतरण नीति: पंचायती राज कर्मचारियों के लिए एक पारदर्शी और स्थाई अंतर-जिला तबादला नीति का निर्माण किया जाए ताकि बरसों से अपने गृह जिलों से दूर बैठे कर्मचारियों को राहत मिल सके।

पदनाम में बदलाव: ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत कनिष्ठ लिपिक के पद को अपग्रेड करते हुए उसे 'पदेन सचिव' या 'पदेन कार्यक्रम अधिकारी' घोषित किया जाए।

वित्तीय भत्ते: कर्मचारियों के लिए नोशनल बेनिफिट्स को मंजूरी दी जाए, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों में काम करने के बदले 'हार्ड ड्यूटी भत्ता' और 'अतिरिक्त पंचायत

'कांग्रेस एकजुट, राजस्थान में कोई गुटबाजी नहीं' : अशोक गहलोत

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने देर रात पत्रकारों के पूछे कई सवालों के सीधे-सीधे जवाब दिए। अपने सोशल मीडिया X पर अशोक गहलोत ने सवाल जवाब का यह वीडियो पोस्ट किया है। कांग्रेस की एकजुटता पर बार-बार सवाल उठाने वालों को जवाब देते हुए अशोक गहलोत ने कहाकि कांग्रेस एकजुट है। राजस्थान में कोई गुटबाजी नहीं है, देश में कोई गुटबाजी नहीं है। कांग्रेस एकजुट है और अगर किसी को ये कन्फ्यूजन है तो उसे हट जाना चाहिए, बार-बार ये क्वेश्चन करते हैं लेकिन इसमें कोई दम नहीं है। भाजपा में गुटबाजी को लेकर प्रतिक्रिया पर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत का कहना है कि हमने तो कभी भी भाजपा पर आरोप लगाया नहीं, कभी उनके फैसलों को लेकर कुछ नहीं कहा है। क्या हमने कहा कि राज्यसभा के चुनाव में राजेंद्र राठौड़ को टिकट क्यों नहीं दिया गया? भाजपा के बारे में कहने को तो बहुत बातें हो सकती हैं। पर हम तो बोलते नहीं हैं। हां, वो बोलते हैं हमारी पार्टी के बारे में।

पंचायती राज और स्थानीय निकाय चुनाव के सवाल पर अशोक गहलोत ने कहाकि सबको मालूम है कि वो कितने घबराए हुए हैं। हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद में भी चुनाव नहीं करवा रहे हैं। केंद्र में सरकार इनकी है इसलिए किसको कहें? वरना यह तो बर्खास्त करने लायक सरकार है। गवर्नर को इस बारे में राष्ट्रपति को रिपोर्ट देनी चाहिए। आखिर क्यों चुनाव नहीं करवा रहे हैं?

सरकार कानून की धज्जियां उड़ा रही है। जब वर्ष 98 में हमारी सरकार थी और कर्मचारियों की स्ट्राइक चल रही थी तो हमने कहा कि चुनाव कैसे होंगे? हड़ताल चल रही है। तब हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि चाहे स्ट्राइक हो चाहे कुछ भी हो आपको टाइम पर चुनाव करवाने पड़ेंगे, इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। आज आप देख लीजिए हाई कोर्ट-सुप्रीम कोर्ट के बार-बार कहने के बाद भी क्या स्थिति बनी हुई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल के माउंटआबू में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को लेकर बयानबाजी के सवाल पर अशोक गहलोत ने कहा कि सीएम भजनलाल की बातों को लेकर अब मुझे कहना पड़ेगा कि उन्हें गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। वो जब से मुख्यमंत्री बने हैं, उनकी पार्टी के लोग ही उनके बारे में बातें बोल रहे हैं। उन्होंने आगे कहाकि हमारे ही काम होते नहीं है, उधर मंत्री कोई बात करें तो कोई सुनता नहीं हैं। ऊपर से मंत्री भी ऐसे हैं कोई थानों में गाली गलौज कर रहा है तो कोई कलेक्टर को धमका रहा है। अशोक गहलोत ने कहा किरोड़ीलाल मीणा तो कह रहे कि एसीबी दबाव में काम कर रही है, मेरे खिलाफ मुकदमा झूठा बना रही है।

8 प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ी, सचिन पायलट ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- उच्चस्तरीय जांच हो

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। जोधपुर कोटा और बीकानेर के बाद अब जोधपुर में भी सिजेरियन प्रसव के बाद महिलाओं की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। इस मामले में कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट ने चिंता जताते हुए कहाकि स्वास्थ्य व्यवस्था को संभालने में भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है। सचिन पायलट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि जोधपुर के पावटा जिला अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद 8 महिलाओं की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ने एवं दो प्रसूताओं की किडनी खराब होने की खबर अत्यंत दुःखद एवं चिंताजनक हैं। प्रदेश में लगातार बदहाल होती स्वास्थ्य व्यवस्था को संभालने में भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है।

इससे पूर्व भी कोटा एवं

बीकानेर में कई प्रसूताओं की तबियत बिगड़ने से किडनी फैल हो गई थी, जिसमें से कुछ की मृत्यु भी हो गई थी। इसके बावजूद भी सरकार ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया और न ही कोई ठोस कदम उठाया। भाजपा सरकार के शासन में लगातार बिगड़ती चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी अस्पतालों की बदहाली चरम पर है, जिसके चलते आम जनता को इसकी कीमत अपनी जान गंवाकर चुकानी पड़ रही है।

सचिन पायलट ने लिखा कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच एवं जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता एवं प्रभावित महिलाओं को बेहतर उपचार की व्यवस्था उपलब्ध करवाई जानी चाहिए।

जोधपुर कोटा और बीकानेर के बाद अब जोधपुर में भी सिजेरियन प्रसव के बाद महिलाओं की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। जिला अस्पताल पावटा में 20 जून को सिजेरियन ऑपरेशन से प्रसव कराने वाली 8 महिलाओं में ऑपरेशन के बाद अचानक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जटिलताएं हुई। सभी महिलाओं की तबीयत प्रसव के कुछ समय बाद ही बिगड़ने लगी, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

डॉ एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर के प्रिंसिपल डॉ फतेह सिंह जोधा ने कहाकि पाओटा अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद महिलाओं की सेहत पर नज़र रखी जा रही है।

5 लाख रुपये नहीं मिले तो दोस्त बना कातिल!

टोंक, 22 जून (एजेंसियां)। टोंक शहर में एक सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर केस का पुलिस ने महज 36 घंटे में खुलासा कर दिया है। बिजली उपकरण व्यवसायी पवन कुमार गर्ग की हत्या के पीछे कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि उसका करीबी दोस्त निकला। लाखों रुपये के कर्ज और आर्थिक तंगी ने दोस्ती को खून के रिश्ते में बदल दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लूटे गए सोने के जेवर और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। टोंक शहर के बड़ा कुआं क्षेत्र में 19 जून की रात हुई बिजली व्यवसायी पवन कुमार गर्ग की हत्या की गुत्थी को कोतवाली थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने सुलझा लिया है। पुलिस के अनुसार यह हत्या किसी रंजिश या गैंगवार का परिणाम नहीं थी, बल्कि आर्थिक संकट में फंसे एक दोस्त की सुनियोजित साजिश का नतीजा थी। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी राकेश ताम्बी करीब 11 लोगों से लगभग 56 लाख रुपये ब्याज पर उधार ले चुका था।

एटीएस और मिलिट्री इंटेलिजेंस का बड़ा ऑपरेशन

जयपुर से जैश की महिला गिरफ्तार, सवाई माधोपुर से जुड़े हैं तार!

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में सुरक्षा एजेंसियों ने एक बहुत बड़े आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मिलिट्री इंटेलिजेंस की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्थान एंटी-टेररिज्म स्क्वाड ने जयपुर के ग्रामीण इलाके में जाल बिछाकर जैश-ए-मोहम्मद की महिला स्लीपर सेल को दबोच लिया है। पकड़ी गई महिला बबीता धाकड़ उर्फ 'खदीजा' राजस्थान की ही मूल निवासी है और लंबे समय से देश विरोधी नेटवर्क के लिए काम कर रही थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह गिरफ्तारी राजस्थान में आतंकवाद के बदलते स्वरूप और महिलाओं को निशाना बनाने की पाकिस्तानी साजिश का एक बड़ा प्रमाण है। आरोपी महिला सोशल मीडिया और एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स के जरिए सीधे सीमा पार बैठे आकाओं के निर्देश ले रही

थी।

सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की पूछताछ में जो तथ्य सामने आए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। बबीता धाकड़ मूल रूप से राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले की रहने वाली है। कुछ समय पहले वह इंटरनेट पर कुछ ऐसे संदिग्ध ग्रुप्स और प्रोफाइल्स के संपर्क में आई, जो युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का काम करते हैं।

डिजिटल ब्रेनवॉश: पाकिस्तानी हैंडलर्स ने बबीता को भारत विरोधी सामग्री और प्रोपेगैंडा वीडियो दिखाकर उसका पूरी तरह से मानसिक ब्रेनवॉश किया।

ऑनलाइन कलमा: पूरी तरह प्रभावित होने के बाद बबीता ने इंटरनेट के माध्यम से ही ऑनलाइन कलमा पढ़ा और अपना नाम बदलकर 'खदीजा' रख लिया।

पाकिस्तानी संपर्क: धर्म परिवर्तन के बाद वह पूरी तरह से जैश-ए-मोहम्मद के स्लीपर सेल मॉड्यूल के रूप में सक्रिय हो गई और देश के भीतर की संवेदनशील जानकारियां जुटाने लगी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एटीएस ने बबीता के पास से मिले स्मार्टफोन और डिजिटल उपकरणों की जब तकनीकी फॉरेंसिक जांच शुरू की, तो देश के बड़े आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड से उसके तार जुड़े मिले। बबीता के मोबाइल कॉन्टैक्ट्स और चैट हिस्ट्री में भारत के सबसे वांटेड आतंकियों के करीबी नेटवर्क के नंबर सक्रिय पाए गए हैं।

कारी जरार नेटवर्क: बबीता के मोबाइल से जैश कमांडर कारी जरार के नेटवर्क के नंबर मिले हैं। कारी जरार 2016 में जम्मू-कश्मीर के नगरोटा में हुए भारतीय सेना के कैंप पर आत्मघाती हमले का मुख्य आरोपी है।

युसूफ अजहर नेटवर्क: इसके अलावा उसके फोन से कुख्यात आतंकी मसूद अजहर के साले युसूफ अजहर उर्फ गोरी के नेटवर्क के नंबर भी मिले हैं।

तबादलों से बैन नहीं हटने पर भड़के राजस्थान के थर्ड ग्रेड टीचर, 25 जून को हर जिले में आंदोलन की तैयारी

सीकर, 22 जून (एजेंसियां)। शिक्षक पद सोपान में सबसे अंतिम पायदान पर नियुक्त ग्रेड थर्ड शिक्षकों के साथ सरकार का 'थर्ड ग्रेड टॉचर' लगातार जारी है। राज्य सरकार की 5 जुलाई तक तबादलों से हटाई रोक को इस बार भी इन शिक्षकों पर लागू नहीं किया है। उधर, 6 साल से इनकी पदोन्नति भी कानूनी पचड़े में फंसी हुई है। ऐसे में पद और स्थान दोनों परिवर्तनों का लाभ नहीं मिलने से करीब 1.22 लाख शिक्षक पदोन्नति व तबादला नीति के दो पाटों में पिसते महसूस कर रहे हैं।

राजस्थान शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेंद्र शर्मा ने कहा कि 5 जुलाई तक के लिए खुले तबादलों के दायरे में ग्रेड थर्ड शिक्षकों को शामिल नहीं कर सरकार ने फिर उनके साथ अन्याय किया है। डीपीसी को लेकर भी राजस्थान सरकार कोर्ट में कोई सार्थक कदम नहीं उठा रही। इससे लाखों शिक्षक परेशान और आक्रोशित है। इन मुद्दों पर 25 जून को जिला मुख्यालयों पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) के प्रदेशाध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने भजनलाल सरकार से थर्ड ग्रेड शिक्षकों का स्थानांतरण कर राहत प्रदान करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने द्वितीय श्रेणी से लेकर सभी संवर्गों के शिक्षकों के स्थानांतरण खोलने पर सीएम भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष संपत सिंह ने कहा कि पिछले महीने चार सूत्रीय मांगों के आंदोलन में ग्रेड थर्ड शिक्षकों का तबादला और पदोन्नति का विषय भी शामिल था। शिक्षा मंत्री ने वार्ता में सुप्रीम कोर्ट में स्टे तुड़वाकर 15 अगस्त तक पदोन्नति करने और जल्द ही तबादला नीति लागू करने का आश्वासन भी दिया था। यदि ये आश्वासन पूरा नहीं हुआ तो महासंघ जल्द ही आंदोलन की रणनीति बनाएगा।

प्रदेश में ग्रेड थर्ड शिक्षकों के अंतिम बार तबादले 2018 में हुए थे। उसके बाद से सरकारें तबादला नीति लागू करने का हवाला देते हुए उसे लगातार टाल रही है।

ट्रैप टीम पहुंची तो खिड़की से लॉन में फेंक दी थी रिश्वत की रकम

एसीबी की एफआइआर में खुलासा

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा जयपुर के गणगौर होटल में की गई ट्रैप कार्रवाई की एफआइआर में चौंकाने वाला घटनाक्रम सामने आया है। दहेज प्रताड़ना के केस में लड़का पक्ष को राहत देने और धाराएं हल्की करने के नाम पर कर्नाटक पुलिस की महिला सब-इंस्पेक्टर अनीथा के., हेड कांस्टेबल उलवप्पा और यतीश को गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि एसीबी ने 14 जून को कर्नाटक के बेंगलूरू स्थित एच.ए.एल पुलिस थाने की महिला उप निरीक्षक सहित तीन पुलिसकर्मियों को जयपुर के गणगौर होटल में रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। आरोप है कि ये पुलिसकर्मी दहेज प्रताड़ना के एक मामले में परिवादी और उसके परिवार को राहत देने तथा केस को कमजोर करने के बदले दो लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। लेकिन बाद में सौदा 40 हजार रुपए में तय हुआ।

एफआइआर के अनुसार, परिवादी रिश्वत की रकम लेकर गणगौर होटल पहुंचा, जहां हेड कांस्टेबल उलवप्पा ने रुपए अपने पिट्ठू बैग में रख लिए। इसी दौरान एसीबी की ट्रैप टीम कमरे में दाखिल हो गई। टीम को देखते ही उलवप्पा घबरा गया और उसने तुरंत बैग से नोटों की गड्डी निकालकर कमरा नंबर 303 की खिड़की से नीचे लॉन में फेंक दी। एसीबी ने गवाहों की मौजूदगी में लॉन से 38 हजार रुपए असली और 2 हजार रुपए डमी नोट बरामद कर आरोपियों को दबोच लिया।

बजरी माफिया को 'एस्कॉर्ट' कर रही थी पुलिस- दो कांस्टेबल सस्पेंड

अजमेर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान से भ्रष्टाचार और पुलिस-माफिया साठ-गांठ की चौंकाने वाली खबर सामने आई है। अजमेर रेंज के महानिरीक्षक राजेंद्र सिंह को लगातार मिल रही गोपनीय शिकायतों के आधार पर कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक ऊषा यादव ने त्वरित एक्शन लेते हुए दो पुलिस थानों के सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया है। इस कार्रवाई के तहत हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने के कांस्टेबल राजेंद्र चौधरी और पुष्कर थाने के कांस्टेबल रामदेव चौधरी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया गया है। इसके अलावा, पुष्कर थाने में तैनात आपातकालीन रिस्पॉन्स वाहन के चालक को भी अपनी जिम्मेदारियों में घोर लापरवाही और माफिया से संपर्क के आरोप में सेवा से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। इन

राजेंद्र चौधरी और रामदेव चौधरी

तीनों पर रात के अंधेरे में सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर बजरी माफिया को सुरक्षित रास्ता देने का गंभीर आरोप है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच और खुफिया विंग की रिपोर्ट में इस बात का सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि नागौर जिले के आलनियावास और मेड़ता क्षेत्र से निकलने वाले अवैध बजरी के ओवरलोडेड डंपरों को अजमेर और पुष्कर के रास्तों से सुरक्षित निकालने के लिए बकायदा एक संगठित सिस्टम काम कर रहा था। इस पूरे सिंडिकेट में इन पुलिसकर्मियों की भूमिका डंपर मालिकों के लिए एक 'सुरक्षा कवच' की तरह थी।

रूट की जिम्मेदारी: नागौर सीमा से अवैध बजरी लेकर आने वाले डंपरों को रात की गश्त और नाकाबंदी के दौरान पुष्कर थाना क्षेत्र के विभिन्न नाकों के सामने से निर्बाध रूप से निकालकर पुष्कर घाटी तक सुरक्षित पहुंचाने का पूरा जिम्मा पुष्कर थाने के कांस्टेबल रामदेव चौधरी पर था।

बॉर्डर पार कराने का जिम्मा: जैसे ही डंपर पुष्कर घाटी को पार करते थे, वहां से आगे हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने की सीमा शुरू हो जाती थी। इसके बाद की कमान कांस्टेबल राजेंद्र चौधरी संभालता था, जो डंपरों को अपने थाने के क्षेत्र से पूरी तरह बाहर सुरक्षित निकाल देता था।

एएनटीएफ ने वडोदरा से 25 हजार के इनामी ड्रग माफिया हनुमान उर्फ राजू को गिरफ्तार किया

हनुमान उर्फ राजू

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब एक साल से फरार 25 हजार रुपए के इनामी तस्कर हनुमान उर्फ राजू को गुजरात के वडोदरा से गिरफ्तार कर लिया। दिलचस्प बात यह रही कि उसकी गिरफ्तारी की कड़ी एक मिठाई के डिब्बे से जुड़ी, जिसने पुलिस को सीधे उसके ठिकाने तक पहुंचा दिया। महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि आरोपी श्रीगंगानगर जिले के रजियासर थाना क्षेत्र में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के मामले में वांछित था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार ठिकाने बदल रहा था और हर बार अलग-अलग मोबाइल नंबरों से अपने भाई के संपर्क में रहता था, जिससे पुलिस को उसकी लोकेशन ट्रैक करने में कठिनाई हो रही थी। नागौर जिले के खींवसर क्षेत्र निवासी हनुमान उर्फ राजू के पास करीब 100 बीघा कृषि भूमि थी। लेकिन आसान कमाई और ऐशो-आराम की चाह में वह मादक पदार्थ तस्करों के संपर्क में आया और धीरे-धीरे तस्करी के नेटवर्क का हिस्सा बन गया।

नागौर और सीकर में भीषण सड़क हादसे, 5 लोगों की मौके पर ही मौत

नागौर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर और सीकर में दो अलग-अलग सड़क हादसों ने सिहराकर रख डाला। पहली घटना नागौर जिले के मेड़ता उपखंड क्षेत्र में सामने आई, जहां एक कार और ट्रेलर की आमने-सामने की भिड़ंत ने 3 लोगों की जान ले ली। वहीं, दूसरी घटना सीकर जिले के चूरू हाईवे पर हुई, जहां सड़क किनारे खड़े एक बड़े ट्रोले में पीछे से आ रहे ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे 2 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दोनों ही हादसों में जान गंवाने वाले लोग पड़ोसी राज्य हरियाणा के रहने वाले थे।

नागौर जिले के मेड़ता क्षेत्र में दर्दनाक हादसा जसनगर थाना इलाके के पास घटित हुआ। यहां हाईवे पर सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर और सामने से आ रही एक निजी कार के बीच जोरदार आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि भारी-भरकम ट्रेलर ने कार को अपनी चपेट में ले लिया और उसे सड़क पर करीब 50 फीट की दूरी तक घसीटता हुआ आगे ले गया। इस घसीट के कारण कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और उसके परखच्चे उड़ गए।

इस हादसे में कार के भीतर सवार एक ही परिवार के 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक पुरुष (पति), एक महिला (पत्नी) और एक मासूम बच्ची शामिल हैं। कार के मलबे में फंसी एक अन्य छोटी बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल बच्ची को बाहर निकालकर तुरंत पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जसनगर थाना पुलिस की प्रारंभिक शिनाख्त में सामने आया है कि पीड़ित परिवार हरियाणा के रोहतक जिले के मेवाड़ी गांव का रहने वाला था, जो राजस्थान की तरफ आ रहा था।

अंडरगारमेंट में मोबाइल छिपाकर लाई छात्रा को भेजा जेल

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। जून को फिर से नीट परीक्षा का आयोजन हुआ। इस री-नीट परीक्षा में भी बड़ी गड़बड़ी देखने को मिली। जयपुर के एक परीक्षा केंद्र में छात्रा मोबाइल लेकर पहुंच गई। एग्जाम देने के दौरान पूरे तीन घंटे तक छात्रा के पास मोबाइल था। एग्जाम पूरा होने के समय शाम करीब 5 बजे वीक्षक को छात्रा की गतिविधियां संदिग्ध लगी तो उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान छात्रा के अंडरगारमेंट में छिपाया हुआ मोबाइल मिल गया। री-नीट परीक्षा के दौरान इस बार कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए। बायोमेट्रिक जांच के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। हर छात्र छात्रा की जांच मेटल डिटेक्टर से की गई। परीक्षा केंद्रों पर जैमर भी लगाए गए। इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद भी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिंदायका के परीक्षा केंद्र में एक छात्रा मोबाइल लेकर दाखिल हो गई। हिमांशी नाम की छात्रा ने बायोमेट्रिक जांच और मेटल डिटेक्टर की जांच को धत्ता बता दिया। परीक्षा केंद्र में मोबाइल होने की बात सामने आने पर हड़कंप मच गया। पुलिस के उच्च अधिकारी तुरंत परीक्षा केंद्र पहुंचे। देर रात तक छात्रा और सुरक्षाकर्मी से पूछताछ की गई। देर रात को वीक्षक की ओर से रिपोर्ट ली गई और बिंदायका थाना पुलिस ने छात्रा हिमांशी को गिरफ्तार कर लिया।

बंदूक की नोक पर डकैती

परिवार को बंधक बनाकर 60 तोला सोना-चांदी लूट ले गए नकाबपोश बदमाश

झुंझुनूं, 22 जून (एजेंसियां)। झुंझुनूं शहर में सनसनी फैल गई, जब 6 से 7 हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने मलसीसर रोड स्थित पिपली चौक क्षेत्र में एक मकान में धावा बोलकर पूरे परिवार को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया। वार्ड नंबर 59 में अकबर अली शेरवानी के घर हुई इस दुस्साहसिक वारदात में बदमाश लाखों रुपये मूल्य के करीब 60 तोला सोना-चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

युवाओं को नशे से दूर रखना ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव : सी.वी. आनंद

डीजीपी ने नशा विरोधी जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने कहा कि युवाओं को नशे के खतरे से बचाना ही देश के उज्ज्वल भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण नींव है। वे हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट द्वारा बंजारा हिल्स स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) में आयोजित नशा विरोधी जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन कर रहे थे। यह कार्यक्रम 22 से 26 जून तक पूरे राज्य में मनाया जाएगा।

पुलिस कमिश्नरेट द्वारा बंजारा हिल्स स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) में आयोजित नशा विरोधी जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन

डीजीपी ने कहा कि यह अभियान अंतरराष्ट्रीय नशा एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस (26 जून) के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समाज में नशे के खिलाफ सामूहिक जागरूकता और मजबूत प्रयासों को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीमा शुल्क विभाग सहित विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से चलाया जा रहा है। डीजीपी सी. वी. आनंद ने कहा कि देश ने आतंकवाद और उग्रवाद जैसी चुनौतियों पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया है, लेकिन नशा अब एक गंभीर सामाजिक समस्या बन गया है जो हर परिवार को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद नशे का प्रसार शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बढ़ा है और कई मामलों में नशे के आदी छात्र अपने मित्रों को भी इस दलदल में खींच रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि मांग नहीं होगी तो आपूर्ति भी नहीं होगी, इसलिए नशे की मांग को कम करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि तस्कर बच्चों को चॉकलेट और बिस्कुट में नशीले पदार्थ मिलाकर भी निशाना बना रहे हैं, जो अत्यंत गंभीर और राष्ट्र-विरोधी कृत्य है। कार्यक्रम में तेलंगाना स्कूल शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव योगिता राणा ने कहा कि नशे की लत छात्रों के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करती है और इसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। प्रवर्तन निदेशालय के संयुक्त निदेशक प्रवीण कुमार भराल और डीआरआई के अतिरिक्त महानिदेशक कोंडुरु प्रसाद ने भी नशा विरोधी अभियान को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, सीमा शुल्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार शाम नई दिल्ली स्थित रेल भवन में, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केन्द्रीय कोयला व खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात की।

कविता ने ऐतिहासिक बीबी-का-आलम का दौरा किया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कलवाकुतला कविता ने सोमवार को मुहर्रम के मातम के उपलक्ष्य में हैदराबाद के पुराने शहर में स्थित दारुलशिफा के ऐतिहासिक बीबी-का-आलम का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए, कविता ने आरोप लगाया कि सरकार मुहर्रम के लिए व्यवस्था करने में लापरवाही बरत रही है और आशूर खानों को तुरंत धनराशि जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुहर्रम कर्बला की लड़ाई में हजरत इमाम हुसैन द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान की याद दिलाता है और लोगों से मानवता और सत्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कविता ने हैदराबाद की सांप्रदायिक सद्भाव की पुरानी परंपरा पर भी प्रकाश डाला, जो निज़ाम काल से चली आ रही है, जहां विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ त्योहार मनाते थे। बीबी-का-आलम जुलूस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय इस आयोजन में हाथी एक प्रमुख आकर्षण हुआ करता था। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए बजट आवंटन केवल कागजों पर ही मौजूद है और सरकार से अल्पसंख्यक कल्याण के लिए निर्धारित लंबित धनराशि को तुरंत जारी करने का आग्रह किया।

50 लाख की रंगदारी मांगने वाला राउडी शीटर गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डबीलपुरा पुलिस ने एक राउडी-शीटर को एक शहर के बिल्डर से 50 लाख की रंगदारी मांगने, आपराधिक धमकी देने और अतिक्रमण के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी हबीब अली बगदादी (57), किंग कोटी का निवासी है और वह आबिड्स रोड पुलिस स्टेशन का राउडी शीटर भी है। उसे रविवार को बिल्डर सैयद यूसुफ शरीफ की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया। शिकायत के मुताबिक आरोपी कई महीनों से बिल्डर पर 50 लाख देने का दबाव बना रहा था और रकम न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने तथा झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी दे रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने मलकपेट स्थित निर्माण स्थल में दो बार घुसकर कथित रूप से चाकू दिखाकर श्रमिकों को धमकाया और झूठे केस दर्ज कराने की चेतावनी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सऊदी अरब से लौटने के बाद नए भवन मालिकों को निशाना बनाना शुरू किया। वह कथित उल्लंघनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालकर सरकारी विभागों को टैग करता था और फिर शिकायत न करने के बदले पैसे की मांग करता था। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ 2017 से 2023 के बीच नरायणगुड़ा और आबिड्स पुलिस स्टेशनों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक एन. नवीन के नेतृत्व में डबीलपुरा पुलिस स्टेशन में की जा रही है। निरीक्षक पी. उपाशंकर, सहायक पुलिस आयुक्त एल. राजा वेंकट रेड्डी, अतिरिक्त डीसीपी के. एम.डी. मजीद तथा अन्य अधिकारियों की निगरानी में आगे की जांच जारी है।

कम बारिश से चिंतित किसान, दोबारा बुवाई की आशंका बढ़ी

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आदिलाबाद जिले के किसान इस बार जून के पहले सप्ताह में अच्छी बारिश की उम्मीद के साथ खेत तैयार कर कपास की बुवाई कर चुके हैं, लेकिन अपेक्षा के अनुरूप वर्षा नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कम बारिश के कारण कपास के बीजों के अंकुरण पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। आदिलाबाद, मंचेरियल, कुमराम भीम आसिफाबाद और निर्मल जिलों के किसानों ने खरीफ सीजन में धान और अन्य फसलों की खेती के लिए खेतों की जुताई कर ली है और उर्वरकों की खरीद भी शुरू कर दी है। हालांकि, तेलंगाना विकास योजना सोसायटी के आंकड़ों के अनुसार 1 से 21 जून के बीच चारों जिलों में सामान्य वर्षा की तुलना में 53 से 62 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई है।

आदिलाबाद जिले में सामान्य 117 मिमी के मुकाबले 55.1 मिमी, मंचेरियल में 116.5 मिमी के मुकाबले 44.4 मिमी, कुमराम भीम आसिफाबाद में 127.9 मिमी के मुकाबले 53.9 मिमी तथा निर्मल जिले में 117.8 मिमी के मुकाबले 55.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। कई मंडलों में 60 से 99 प्रतिशत तक वर्षा की भारी कमी देखी गई है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो कपास की दोबारा बुवाई करनी पड़ सकती है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। किसानों को अब मानसून की अच्छी बारिश का इंतजार है ताकि खरीफ सीजन की फसलें प्रभावित न हों।

भाजपा अध्यक्ष ने की अभिनेता चिरंजीवी से मुलाकात

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव और मेगास्टार चिरंजीवी के बीच हुई शिष्टाचार मुलाकात ने तेलुगु राज्यों में राजनीतिक अटकलों को जन्म दिया है। हैदराबाद स्थित चिरंजीवी आवास पर हुई इस बैठक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं, जिससे इसके राजनीतिक महत्व को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। भाजपा सूत्रों ने बताया कि यह बातचीत पार्टी के राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान 'महा जन संपर्क अभियान' का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों को उजागर करना था। बैठक के दौरान, रामचंदर राव ने कथित तौर पर सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, विकास पहलों और आर्थिक सुधारों से संबंधित साहित्य प्रस्तुत किया। बताया जाता है कि दोनों ने राष्ट्रीय विकास और सामाजिक क्षेत्र की प्रगति पर चर्चा की। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसे शिष्टाचार भेंट कहा गया है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक चिरंजीवी की प्रजा राज्यम पार्टी (जो बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय हो गई) के माध्यम से निभाई गई पिछली राजनीतिक भूमिका को देखते हुए इस मुलाकात को महत्वपूर्ण मानते हैं। चिरंजीवी के भाई और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जन सेना पार्टी के साथ भाजपा के गठबंधन के कारण अटकलें भी तेज हो गई हैं। हालांकि बैठक से कोई राजनीतिक घोषणा नहीं हुई, लेकिन इसने सार्वजनिक जीवन में चिरंजीवी की भविष्य की भूमिका को लेकर चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है।

20 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण लेकर फरार हुआ कारोबारी

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में आभूषण कारोबार से जुड़े एक बड़े धोखाधड़ी मामले में नितिन नामक व्यक्ति पर चार ज्वैलर्स से करीब 20 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण लेकर फरार होने का आरोप लगा है। मामले की शिकायत मिलने के बाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नितिन ने प्रमुख ज्वैलरी शोरूमों के साथ मजबूत कारोबारी संबंध होने का दावा कर व्यापारियों का विश्वास जीता। इसी भरोसे का फायदा उठाकर उसने अलग-अलग समय पर पीड़ितों से 13 किलोग्राम से अधिक सोने के आभूषण हासिल कर लिए।

धोखाधड़ी का शिकार होने वाले प्रतिष्ठानों में नव्या ज्वैलर्स, सिद्धि विनायक ज्वैलर्स, बंसीलाल ज्वैलर्स और श्याम बाबा ज्वैलर्स शामिल हैं। आरोप है कि गहने लेने के बाद नितिन ने न तो भुगतान किया और न ही आभूषण लौटाए, बल्कि संपर्क से बाहर हो गया। इसके बाद शोरूम संचालकों ने हैदराबाद सीसीएस पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि आभूषण किन परिस्थितियों में सौंपे गए थे और इस कथित धोखाधड़ी में अन्य लोगों की भी कोई भूमिका है या नहीं।

भाजपा धर्मार्थ प्रकोष्ठ जिला संयोजक नियुक्त

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव के निर्देशों के तहत तेलंगाना भाजपा धर्मार्थ प्रकोष्ठ के जिला संयोजकों की नियुक्ति कर दी गई है।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पी प्रसाद को हैदराबाद मध्य जिले का संयोजक, बी चंद्र मौली को मेडचल शहरी जिले का संयोजक और ए करुणाकर को मेडचल ग्रामीण जिले का संयोजक नियुक्त किया गया है।

डॉ. विशाल अकुला इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी तेलंगाना शाखा के अध्यक्ष निर्वाचित

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रख्यात मनोचिकित्सक, शिक्षाविद् और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय डॉ. विशाल अकुला को इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, तेलंगाना राज्य शाखा (आईपीएसटीएसबी) का अध्यक्ष चुना गया है। वह वर्ष 2027-28 के कार्यकाल के लिए पदभार संभालेंगे। डॉ. अकुला वर्तमान में निजामाबाद के सरकारी मेडिकल कॉलेज में मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। पिछले दो दशकों में उन्होंने मनोचिकित्सा शिक्षा, व्यसन चिकित्सा, जन-जागरूकता और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह आईएमए तेलंगाना राज्य मानसिक स्वास्थ्य समिति के संयोजक तथा इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी के राष्ट्रीय व्यसन चिकित्सा विशेषज्ञता अनुभाग के अध्यक्ष भी हैं।

व्यसन चिकित्सा, आत्महत्या रोकथाम, किशोर मानसिक स्वास्थ्य और सामुदायिक मनोचिकित्सा के क्षेत्र में उनके कार्यों को व्यापक पहचान मिली है। मानसिक रोगों से जुड़े सामाजिक कलंक को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच बढ़ाने के लिए भी वह लगातार प्रयासरत रहे हैं। आईपीएस दक्षिण क्षेत्रीय शाखा के मानद सचिव डॉ. जॉर्ज रेड्डी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह चुनाव उनके नेतृत्व और पेशे के प्रति समर्पण में विश्वास का प्रतीक है।

इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी के कई पूर्व और वर्तमान सदस्यों ने भी डॉ. अकुला को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी हैं।

एचआईएलटी नीति में बदलाव की मांग उद्योग संगठनों ने उठाए कई मुद्दे

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की हैदराबाद औद्योगिक भूमि परिवर्तन (एचआईएलटी) नीति को उद्योग संगठनों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग प्रतिनिधियों ने सरकार से समय सीमा बढ़ाने, नए स्थानों पर प्राथमिकता के आधार पर भूमि आवंटन करने और बुनियादी ढांचे की सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू, सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने रविवार को हैदराबाद में उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी चिंताओं पर चर्चा की। एचआईएलटी नीति के तहत आउटर रिंग रोड के भीतर स्थित लगभग 9,300 एकड़ में फैले 22 औद्योगिक क्षेत्रों को प्रस्तावित रीजनल रिंग रोड के बाहर स्थानांतरित करने की योजना बनाई गई है।

चेर्लापल्ली आईएएलए के अध्यक्ष के. गोविंदा रेड्डी ने कहा कि 30 जून की निर्धारित समय सीमा बहुत कम है और इसे 31 दिसंबर तक बढ़ाया जाना चाहिए। उद्योग प्रतिनिधियों ने एक वर्ष की स्थानांतरण अवधि को बढ़ाकर तीन से पांच वर्ष करने की भी मांग की। उनका कहना है कि नए लाइसेंस, स्वीकृतियां और भारी मशीनरी के स्थानांतरण में अधिक समय लगेगा। उद्योग संगठनों ने नए औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि के प्राथमिक आवंटन, जलापूर्ति, बिजली, सीवेज और बाढ़ नियंत्रण जैसी मूलभूत सुविधाएं पहले से उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने विकास प्रभाव शुल्क को भी अधिक बताते हुए इसे कम करने का आग्रह किया। मंत्रियों ने उद्योग प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों और सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि प्रारंभिक भुगतान की समय सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा सकता है तथा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग बैठकें आयोजित की जाएंगी।

ईएसआईसी नर्सिंग यूनियन का गंभीर आरोप

14 दिन का अंतिम नोटिस जारी

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सनतनगर की ईएसआईसी नर्सिंग ऑफिसर्स यूनियन ने नर्सिंग कर्मचारियों के कथित उत्पीड़न, प्रशासनिक दबाव, लंबित सेवा मामलों और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर प्रशासन के खिलाफ 14 दिन का अंतिम नोटिस जारी किया है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि के भीतर संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने पर वह ट्रेड यूनियन एक्ट, 1926 के तहत आंदोलनात्मक कार्यक्रम शुरू कर सकती है।

यूनियन के महासचिव के. प्रकाश बाबू द्वारा महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम को भेजे गए विस्तृत ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि नर्सिंग कर्मचारियों को लंबे समय से प्रशासनिक उत्पीड़न, मानसिक दबाव, अपमानजनक व्यवहार, धमकी और मनमानी कार्रवाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के अनुसार, कई बार शिकायतें, बैठकें और लिखित ज्ञापन दिए जाने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, जिससे कर्मचारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है।

यूनियन ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि वर्तमान नर्सिंग प्रशासन के प्रति बड़ी संख्या में नर्सिंग अधिकारियों, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों और सहायक नर्सिंग अधीक्षकों का विश्वास कमजोर हुआ है। संगठन का दावा है कि कई प्रशासनिक निर्णयों को लेकर कर्मचारियों ने गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मचारियों को मेमोरेंडम जारी किए गए तथा बार-बार स्पष्टीकरण मांगे गए, जिससे कर्मचारियों में भय और असुरक्षा का वातावरण बना।

ज्ञापन में एक नर्सिंग अधिकारी के कथित ब्रेथ एनालाइजर परीक्षण का मुद्दा भी उठाया गया है। यूनियन का आरोप है कि संबंधित कर्मचारी को आवश्यक प्रशासनिक अनुमति के बिना परीक्षण से गुजरना पड़ा, जिससे उसे मानसिक तनाव और अपमान का सामना करना पड़ा। संगठन ने इस मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

नर्सिंग यूनियन ने कर्मचारियों के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी को भी प्रमुख मुद्दा बताया है। ज्ञापन में नर्स लाउंज, विश्राम कक्ष, यूनियन कक्ष, अलग चेंजिंग रूम, स्वच्छ शौचालय तथा अन्य कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई है। यूनियन का कहना है कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद इन सुविधाओं की व्यवस्था नहीं की गई। इसके अलावा पदोन्नति, एमएसीपी, विशेष क्षेत्र भत्ता, डीपीसी तथा अन्य लंबित सेवा मामलों के शीघ्र निपटारे की मांग भी उठाई गई है। नोटिस में कहा गया है कि यदि 14 दिनों के भीतर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो यूनियन काला बैज लगाकर विरोध प्रदर्शन, दो घंटे का शांतिपूर्ण प्रदर्शन, सामूहिक अवकाश तथा अनिश्चितकालीन हड़ताल जैसे कदम उठा सकती है।

मीडिया अकादमी में मतदाता सूची के विषय पर जागरूकता सेमिनार आयोजित

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मीडिया अकादमी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के सहयोग से सोमवार को यहां अपने नामपल्ली सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के श्रीनिवास रेड्डी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशेष श्रेणी के उप कलेक्टर बी चेन्नय्या और आईटी मैनेजर डी चिरंजीवी ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को समझाया, जिसमें मतदाता पंजीकरण, सुधार, नाम हटाना, संशोधन और घर-घर जाकर सत्यापन शामिल था। उन्होंने उपस्थित पत्रकारों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए और एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित शंकाओं को दूर किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्रीनिवास रेड्डी ने लोकतंत्र में सटीक मतदाता सूचियों के महत्व पर प्रकाश डाला और मीडियाकर्मियों से चुनाव आयोग की पहलों के बारे में तथ्यात्मक जानकारी प्रसारित करने का आग्रह किया। तेलंगाना मीडिया अकादमी के सचिव नागुलपल्ली वेंकटेश्वर राव और तेलंगाना भर के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकार इस संगोष्ठी में उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश ने 15 प्रतिशत विकास लक्ष्य तय किया : चंद्रबाबू नायडू

'स्वर्ण आंध्र 2047' मिशन में आईएफएमआर के साथ साझेदारी

अमरावती, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश ने 'स्वर्ण आंध्र 2047' विजन के तहत 15 प्रतिशत आर्थिक विकास दर हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को आयोजित एक बैठक में यह जानकारी दी। इस बैठक में योजना विभाग और आईएफएमआर के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते का उद्देश्य विजन 2047 के 10 प्रमुख सिद्धांतों को लागू करने में सहयोग करना है। योजना विभाग के प्रधान सचिव पीयूष कुमार और आईएफएमआर के प्रतिनिधि कपिल विश्वनाथन ने समझौते का आदान-प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य ने वर्ष 2014 से 2019 के बीच 13.5 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर हासिल की थी, जबकि वर्तमान में विकास दर लगभग 11 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न क्षेत्रों में डीप टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास को गति दे रही है। आईएफएमआर इस साझेदारी के तहत मिशन सेल्स स्थापित करने, गरीबी उन्मूलन, जल सुरक्षा और डीप टेक मिशन जैसी पहलों में सहयोग करेगा। साथ ही यह संस्थान नीति सुझाव, क्षेत्रीय अध्ययन और विकास रणनीतियों पर मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा। बैठक में मंत्री पय्यावुला केशव, केआरईए विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आरडीएस आधुनिकीकरण और तुंगभद्रा बोर्ड संचालन की समीक्षा

मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने दिए निर्देश

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को सचिवालय में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर राजोलिबांदा डाइवर्जन स्कीम (आरडीएस) के आधुनिकीकरण, तुंगभद्रा बांध संचालन और अंतरराज्यीय जल बंटवारे से जुड़े मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में इंजीनियरों, जल विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों और आरडीएस कमांड क्षेत्र के किसानों ने भाग लिया। चर्चा के दौरान सिंचाई संरचनाओं की वर्तमान स्थिति, तुंगभद्रा जल पर बढ़ते दबाव और महबूबनगर जिले के किसानों की सिंचाई जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया गया। किसान प्रतिनिधियों ने पूर्व आरडीएस अध्यक्ष जी. सीतारामी रेड्डी के नेतृत्व में मंत्री को एक ज्ञापन सौंपते हुए आरडीएस हेडवर्क्स की खराब स्थिति, अन्य राज्यों द्वारा अनधिकृत जल मोड़, तथा तुंगभद्रा जलाशय में सिल्ट जमाव के कारण घटती भंडारण क्षमता पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि कई संरचनाएं अपनी डिज़ाइन अवधि पूरी कर चुकी हैं और तत्काल पुनर्वास की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि आरडीएस के आधुनिकीकरण में अब और देरी स्वीकार्य नहीं है तथा उन्होंने अधिकारियों को कार्यों के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार करने, तटबंधों को मजबूत करने और नहर प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के निर्देश दिए। तुंगभद्रा से जुड़ी टुम्मिला लिफ्ट सिंचाई योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि फेज-2 के तहत मल्लम्माकुंटा, जुलाकल और वल्लर जलाशयों के लिए भूमि अधिग्रहण को प्राथमिकता दी जाए। अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं से लगभग 2.12 टीएमसी जल भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी। भूमि अधिग्रहण प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने के लिए राजस्व विभाग को किसानों से संवाद कर प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि तुंगभद्रा जल पर तेलंगाना के वैध अधिकारों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कानूनी, तकनीकी और प्रशासनिक सभी उपाय अपनाएगी।

टीटीडी मंदिर में ब्रह्मोत्सवम के दौरान गज वाहनम शोभायात्रा का आयोजन

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के हिमायतनगर स्थित तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वार्षिक श्रीवारी ब्रह्मोत्सवम श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में मनाया जा रहा है। सोमवार को श्रद्धालुओं ने भव्य गज वाहनम सेवा के दर्शन किए, जिसमें भगवान श्रीनिवास को हाथी वाहन पर शोभायात्रा के रूप में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। यह आयोजन भक्तों की रक्षा के प्रतीक के रूप में माना जाता है, जिसमें गजेंद्र मोक्ष की पौराणिक कथा का स्मरण किया जाता है। इससे पहले मंदिर में शांतिपूर्ण और भव्य शांति कल्याणम का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान वेंकटेश्वर के साथ श्रीदेवी और भूदेवी को कल्याण वेदिका पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विराजमान किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हरमनप्रीत 200 टी-20 खेलने वाली पहली क्रिकेटर

सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली भारतीय भी बनीं

साउथ अफ्रीका का वर्ल्डकप में हाईएस्ट रन चेज

मैनचेस्टर, 22 जून (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को 6 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका ने 159 रन का टारगेट हासिल किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा और साउथ अफ्रीका का सबसे बड़ा रनचेज रहा।

हरमनप्रीत ने 200वां टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला। वह मेंस और विमेंस में ऐसा करने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गई। न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स 184 मैचों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मेंस में आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग (163 मैच) पहले और रोहित शर्मा (159 मैच) दूसरे स्थान पर हैं।

हरमन ने बतौर कप्तान भी 200वां इंटरनेशनल मैच खेला। वे इस मुकाम पर पहुंचने वाली

भारत की पहली और दुनिया की दूसरी प्लेयर बन गई। इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स 220 मैचों के साथ पहले स्थान पर हैं।

साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा सबसे बड़ा रनचेज है। यह उसका टूर्नामेंट में सबसे बड़ा रनचेज भी है। पहले स्थान पर इंग्लैंड है। टीम ने 2009 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 163 रन का टारगेट हासिल किया था।

श्री चरणी ने भारत के लिए विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के पूनम यादव के रिकॉर्ड की बराबरी की। चरणी ने अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट चटकाए। वे इस टूर्नामेंट में 10 विकेट हासिल कर चुकी हैं।

पूनम ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2020 में इतने ही विकेट चटकाए थे।

भारत ने इस मैच में पावरप्ले में 2 विकेट खोकर 59 रन बनाए। यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इसी वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ भारत ने बिना विकेट खोए 59 रन बनाए थे।

शेफाली विमेंस टी-20 इंटरनेशनल के एक ही मैच में भारत के लिए ओपनिंग बैटिंग और बॉलिंग करने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई। इस मामले भारत की अमिता शर्मा पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 8 बार ऐसा किया है।

एशियन रिले चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम ने गोल्ड जीता

100 मीटर रिले में चीन को हराया, भारत ने कुल 3 पदक अपने नाम किए

हांगकांग, 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला 4x100 मीटर रिले टीम ने एशियन रिले चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को हराते हुए 43.85 सेकंड का सीजन-बेस्ट टाइम निकाला। इस चैंपियनशिप में भारत ने 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 3 मेडल अपने नाम किए हैं।

टीम में श्रावणी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवंकर और तमन्ना शामिल थीं। इस चौकड़ी ने रेस के दौरान सटीक बैटन एक्सचेंज और बेहतरीन फिनिशिंग स्पीड का प्रदर्शन किया।

भारत ने 43.85 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। इस रेस में चीन की टीम 44.09 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसने सिल्वर मेडल जीता। वहीं थाईलैंड ने 44.11 सेकंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। रिलायंस फाउंडेशन के कोच मार्टिन ओवेन्स के मार्गदर्शन में टीम ने इस रेस प्लान को सफलता के साथ पूरा किया।

भारतीय महिला टीम

इस चैंपियनशिप में भारत के लिए तमन्ना और स्नेहा शानुवल्ली का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जिन्होंने दो-दो मेडल के साथ अपने अभियान को समाप्त किया। महिला 4x100 मीटर में गोल्ड जीतने से पहले, इन दोनों एथलीटों ने मिक्स्ड 4x100 मीटर रिले में भी देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था।

मिक्स्ड टीम में इनके साथ अनिमेष कुजूर और प्रणव गुरव शामिल थे, जिन्होंने 41.27 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस इवेंट में थाईलैंड (41.14 सेकंड) पहले और चीन (41.29 सेकंड) दूसरे स्थान पर रहा।

भारत को टूर्नामेंट का तीसरा पदक मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले इवेंट में मिला। इस टीम में थीर्थेश पी शेट्टी, एमआर पूवम्मा, भारत श्रीधर और नीरू पाठक शामिल थे। भारतीय चौकड़ी ने 3:17.06 सेकंड के समय के साथ रेस पूरी की और सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल वियतनाम की टीम ने जीता।

स्प्रिंट इवेंट्स में सफलता के बाद भारत को 4x400 मीटर रिले इवेंट में पदक से चूकना पड़ा। महिलाओं की 4x400 मीटर रिले में एमआर पूवम्मा, रशदीप कौर, अनसा बाबू और सलोनी नागर की टीम 3:34.88 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रही। इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल वियतनाम (3:31.16 सेकंड) ने जीता। वहीं, पुरुषों की 4x400 मीटर रिले में थीर्थेश पी शेट्टी, अविनाश कुमार, सूरज अलगर राजा और भारत श्रीधर की टीम 3:05.33 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रही। इस रेस में भी वियतनाम की टीम ने अपना दबदबा बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता।

जहां रोहित शर्मा खेले अपना पहला मैच, उसी मैदान पर वैभव सूर्यवंशी कर सकते हैं इंटरनेशनल डेब्यू

बेलफास्ट, 22 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज जीतने के बाद भारत के सामने अब आयरलैंड की चुनौती है, जहां मुकाबला T20 फॉर्मेट में खेला जाएगा. आयरलैंड दौरे से टीम इंडिया को नया T20 कप्तान तो मिलेगा ही उसके अलावा इस दौरे पर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू होता भी दिख सकता है. IPL 2026 में 700 से ज्यादा रन ठोकने के बाद वैभव को आयरलैंड के साथ-साथ इंग्लैंड दौरे की T20 टीम में चुना गया है. वैभव को अगर आयरलैंड में खेलने का मौका मिलता है तो उनका भी डेब्यू उसी मैदान पर होता दिखेगा, जिस पर रोहित शर्मा ने अपने इंटरनेशनल

करियर का पहला मैच खेला था.

रोहित शर्मा ने साल 2007 में अपने इंटरनेशनल करियर का पहला मैच वनडे के तौर पर खेला था. उन्होंने आयरलैंड के बेलफास्ट में सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब के ग्राउंड पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. हालांकि, रोहित को उस मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था क्योंकि आयरलैंड से मिले 50 ओवर में 194 रन बनाने के लक्ष्य को भारत ने सौरव गांगुली और गौतम गंभीर की दमदार पारी की बदौलत ही हासिल कर लिया था. भारत ने बेलफास्ट में वो मुकाबला 9 विकेट से जीता था, जो कि रोहित शर्मा का डेब्यू मैच भी था.

अब वैभव सूर्यवंशी भी सीनियर टीम इंडिया के साथ अपने पहले इंटरनेशनल मुकाबले के लिए बेलफास्ट में ही होंगे. जिस तरह का टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन रहा है, उसे देखते हुए बेलफास्ट के ग्राउंड पर आयरलैंड के खिलाफ पहले T20 में उनका खेलना भी तय नजर आ रहा है. अगर ऐसा होता है तो क्रिकेट इतिहास में 26 जून की तारीख 15 साल के वैभव के इंटरनेशनल डेब्यू की तारीख बन जाएगी.

बड़ी बात ये है कि वैभव सूर्यवंशी अगर आयरलैंड के खिलाफ पहले T20 की प्लेइंग इलेवन में हुए वो ओपनिंग ही करेंगे. ऐसे में रोहित शर्मा को अपने इंटरनेशनल डेब्यू पर बल्लेबाजी का मौका बेशक नही मिला मगर वैभव सूर्यवंशी बैटिंग करेंगे. अगर बेलफास्ट की पिच का मिजाज उनके सुपरफास्ट खेल से मेल खाता दिखा तो फिर वैभव अपने इंटरनेशनल डेब्यू को हमेशा-हमेशा के लिए यादगार भी बना सकते हैं. भारत और आयरलैंड के बीच दो T20 की सीरीज खेली जानी है. पहला T20 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा. दोनों ही मुकाबले बेलफास्ट में होंगे.

पॉवेल ने जड़े 5 छक्के और आउट! एक ओवर में 6 छक्के जड़ने से चूका केकेआर का स्टार बल्लेबाज

पोमोना (कैलिफ़ोर्निया), 22 जून (एजेंसियां)। एक ओवर में छह छक्के जड़ना काफी ज्यादा मुश्किल होता है. क्रिकेट इतिहास में कुछ ही खिलाड़ी यह कारनामा कर पाए हैं. मेजर लीग क्रिकेट 2026 में सिएटल ओर्कास और लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स के बीच धमाकेदार मैच देखने को मिला. इस मुकाबले में केकेआर के लिए आईपीएल खेलने वाले धाकड़ बल्लेबाज रोवमन पॉवेल ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से फैंस को हैरान कर दिया. पॉवेल ने 11 गेंदों में 37 रनों की पारी खेली. उनके पास यहां ओवर में छह छक्के जड़ने का मौका था लेकिन वो सिर्फ कुछ मीटर्स से चूक गए.

एलए नाइट राइडर्स की पारी के 17वें ओवर में रोवमन पॉवेल क्रीज

पॉवेल

पर थे और गेंदबाजी करने सिएटल ओर्कास के दासुन शनाका आए. पॉवेल ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया और उनका यह तूफान अगली चार गेंदों पर भी नहीं रुका. पांच गेंदों में पांच छक्के जड़ने के बाद फैंस को उम्मीद थी कि रोवमन छठी गेंद पर भी बड़ा शॉट लगाएंगे.

पॉवेल ने ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को लेग साइड की ओर खेलने की कोशिश की लेकिन बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर गेंद हवा में उठ गई. ओटनील बार्टमैन ने शानदार कैच लपका और पॉवेल का विकेट झटका. रोवमन छठा छक्का जड़ने से चूक गए. पॉवेल ने अपनी 37 रनों की पारी में 1 चौका और 5 छक्के जड़े. सोशल मीडिया पर उनकी पारी का वीडियो खूब वायरल हो रहा है और फैंस निराश हैं कि पॉवेल छह छक्के नहीं जड़ पाए. एलए नाइट राइडर्स ने स्कोरबोर्ड पर 196 रन दर्ज किए. रोवमन पॉवेल के अलावा आंद्रे फ्लेचर ने 40 रन और कॉलिन मुनरो ने 30 रन बनाए. सिएटल ओर्कास के सामने 197 रनों का लक्ष्य था लेकिन वो 115 रन बनाकर ऑलआउट हो गए. एलएकेआर ने 81 रनों के बड़े अंतर से मैच जीता.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का जलवा, रोमांचक मुकाबले में मेजबान नीदरलैंड्स को 3-2 से रौंदा

रोटरडैम (नीदरलैंड), 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग रोटरडैम लेग के अपने आखिरी मुकाबले में मेजबान नीदरलैंड्स को 3-2 से हराकर इतिहास रच दिया। इस रोमांचक मैच में भारतीय ड्रैग-फ्लिकर्स और अग्रिम पंक्ति (फॉरवर्ड लाइन) ने कमाल का खेल दिखाया। इस लेग में डच टीम पर भारत की यह दूसरी सीधे तौर पर जीत है। शानदार कप्तानी और मिडफील्ड में बेहतरीन खेल दिखाने वाले कार्यवाहक कप्तान हार्दिक सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

मैच के पहले क्वार्टर में नीदरलैंड्स ने दबदबा बनाया और भारतीय डिफेंस पर भारी दबाव डाला, जिससे पहला क्वार्टर गोलरहित रहा। हालांकि, दूसरे

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी

क्वार्टर में भारत ने अपनी तीव्रता बढ़ाई। 18वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे जुगराज सिंह ने दमदार ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।

नीदरलैंड्स ने तुरंत पलटवार किया और 19वें मिनट में ही पेपिजन वैन डेर हेइडेन ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद 27वें मिनट में जरमनप्रीत सिंह के बेहतरीन पास पर अभिषेक ने शानदार बैकहैंड शॉट दागकर हाफटाइम से पहले भारत को 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में डच टीम ने लगातार हमले किए, लेकिन अमित रोहिदास और भारतीय डिफेंस ने उनके पेनल्टी कॉर्नर के प्रयासों को नाकाम कर दिया। अंतिम क्वार्टर के 56वें मिनट में दिलप्रीत और मनदीप ने काउंटर-अटैक किया। इस दौरान फाउल करने पर डच खिलाड़ी जोप्पे वोलबर्ट को येलो कार्ड मिला और नीदरलैंड्स की टीम 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई। भारत ने मिले पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाया और राजिंदर सिंह ने ड्रैग-फ्लिक से गोल दागकर स्कोर 3-1 कर दिया।

58वें मिनट में नीदरलैंड्स ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, जिसे भारतीय डिफेंस ने ब्लॉक किया। हालांकि, 59वें मिनट में कोएन बिजेन ने एक चतुर वैरिएशिन से गोल कर मुकाबला 3-2 पर ला दिया। आखिरी 10 सेकंड में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इसके साथ ही फाइनल हूटर बजने पर भारत ने 3 अंक अपनी झोली में डाल लिए।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैच से पहले भरपेट खाया फास्ट फूड

सोशल मीडिया पर अनप्रोफेशनल और गैर-जिम्मेदाराना बता रहे

खेल डेस्क, 22 जून (एजेंसियां)। महिला T20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान ने अपने प्रदर्शन से निराश किया है. लेकिन ये निराशा तब और बढ़ जाती है जब उसकी शर्मनाक हरकत का भंडाफोड़ होता है. पाकिस्तान की पूरी टीम और उसके कोच वहाब रियाज के भरपेट फास्ट फूड खाते दिखती हैं और जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर भी छाई हैं. खाने को फास्ट फूड खा सकते हैं मगर महिला T20 वर्ल्ड कप 2026 में अहम मुकाबले से पहले ऐसा करना क्या जायज है? इससे टूर्नामेंट और मुकाबले को जीतने के प्रति पाकिस्तानी महिला खिलाड़ियों के मंसूबे पर सवाल खड़े होते हैं. सवाल कोच वहाब रियाज पर भी खड़े होते हैं जो खिलाड़ियों को रोकने के बजाए फास्ट फूड खाने में उनका साथ

मैच से पहले पाक टीम ने खाया फास्ट फूड

देते हैं.

पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के रेस्टोरेंट में जाकर जब फास्ट फूड पर धावा बोला तो मैच में उन्हें अपनी उस हरकत का खामियाजा भी भुगतना पड़ गया. उसका असर टूर्नामेंट में उनकी सेहत पर भी हुआ. पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम ने 20 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेले मुकाबले से पहले जमकर फास्ट फूड की दावत की थी. ICC टूर्नामेंट के बीच में पाकिस्तानी टीम के इस रवैये को लोग सोशल मीडिया पर अनप्रोफेशनल और गैर-जिम्मेदाराना बता रहे हैं.

मौत से तनाव में था पिता; ट्रेन के नीचे कटने से मौत, छोटे बेटे की भी गई जान

पाकिस्तान की फास्ट फूड की पार्टी का अब हश्र भी जान लीजिए. उन्हें उसके बाद बांग्लादेश के हाथों 23 रन से हार का सामना करना पड़ा. पाकिस्तानी टीम का दर्द सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं रहा बल्कि 23 रन की हार के बाद वो महिला T20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने वाली पहली टीम भी बन गई.

पाकिस्तान की टीम को टूर्नामेंट में खेले उसके पहले मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा था. वहीं 17 जून को खेले दूसरे मैच में उन्हें साउथ अफ्रीका ने 2 विकेट से हराया था. लगातार दो हारों के बाद प्रैक्टिस पर जोर देने के बजाए उन्होंने फास्ट फूड पार्टी की और बांग्लादेश के खिलाफ अपना तीसरा मैच भी हार गए. लगातार 3 हार के बाद सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी पाक टीम का अगला मैच अब ऑस्ट्रेलिया की टीम से है, जिसमें उनके लिए जीत दूर की कौड़ी ही है.

फीफा विश्व कप में इतिहास रच रही हैं ये तीन महिला मैच अधिकारी, मैदान पर कदम रखते ही बनाया कीर्तिमान

लॉस एंजिलिस, 21 जून (एजेंसियां)। शानदार खिलाड़ियों, रोमांचक गोल और खिताबी दावेदारों के बीच चल रहे फीफा विश्व कप 2026 से एक ऐसी ऐतिहासिक तस्वीर सामने आई है जिसने फुटबॉल जगत का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। फुटबॉल के इस महाकुंभ में तीन महिलाओं ने फुटबॉल इतिहास के पन्नों में अपना नाम हमेशा के लिए दर्ज करा लिया है। चेकिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए मैच में रेफरी टोरी पेन्सो और सहायक रेफरी ब्रुक मेयो और कैथरीन नेस्बिट ने मैदान पर कमान संभाली। यह फीफा विश्व कप 2026 में मैदान पर अंपायरिंग करने वाली पहली पूरी तरह से महिला ऑन-फील्ड ऑफिशिएटिंग टीम बन गई है। यह नियुक्ति केवल एक मैच तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच पर वर्षों के त्याग और

तीन महिला मैच अधिकारी

दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

इस ऐतिहासिक तिकड़ी में शामिल ब्रुक मेयो के लिए यह सफर आसान नहीं था। उनके करियर की शुरुआत गारलैंड, टेक्सास में युवा मैचों में अंपायरिंग करने से हुई थी। एक दशक से भी अधिक समय के बाद वह फीफा विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहीं। मेयो ने कहा, 'जब मुझे 2023 में यह अहसास हुआ कि हमारे पास इस फीफा विश्व कप में जगह बनाने का एक वास्तविक मौका है, तो मेरा पूरा ध्यान इस सपने को सच करने पर टिक गया।' इस मुकाम तक पहुंचने के लिए मेयो ने कड़ी मेहनत की। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय और मेजर लीग सॉकर मैचों में अंपायरिंग के मौके तलाशे और फिटनेस कोचों की मदद से खुद को शारीरिक रूप से बेहद मजबूत बनाया।

विश्व कप के लिए चुने जाने के बाद की चुनौतियों का जिक्र करते हुए मेयो ने बताया कि मैच से पहले के 48 घंटे बेहद व्यस्त होते हैं। उन्होंने कहा, जैसे ही मैच की जानकारी मिलती है, सबसे पहले मैं अपने दोस्तों और परिवार को बताती हूं ताकि उनकी यात्रा का इंतजाम हो सके। इसके बाद रणनीतिक बैठकें, फिटनेस सत्र और मैदान पर उतरने से ठीक पहले की बारीक तैयारियां शुरू हो जाती हैं। मेयो अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और बहन को देती हैं, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया।

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट इंग्लैंड से 253 रन से जीता

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)। दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रनों से हरा दिया। लंदन के ओवल मैदान पर खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले के पांचवें दिन 463 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में महज 209 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 11 विकेट चटकाए। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। हार के साथ इंग्लैंड के लिए आईसीसी की तरफ से भी बुरी खबर आई। स्लो ओवर रेट के कारण इंग्लैंड पर मैच फीस का 50% जुर्माना लगाया गया और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में उसके 12 अंक काट लिए गए। इंग्लैंड को जीत के लिए पांचवें दिन 281 रन की जरूरत थी, जबकि उसके पांच विकेट शेष थे। चौथे दिन का खेल 5 विकेट पर 182 रन के स्कोर पर समाप्त हुआ था। अंतिम दिन इंग्लैंड की पारी महज एक घंटे के भीतर सिमट गई। इंग्लैंड की आखिरी उम्मीद अंतरिम कप्तान जो रूट थे, जो चौथे दिन 75 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। खेल शुरू होने के केवल आठ मिनट बाद मैट हेनरी की अंदर आती गेंद पर वे एलबीडब्ल्यू हो गए। रूट अपने स्कोर में सिर्फ दो रन और जोड़ सके और 77 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रूट के आउट होते ही इंग्लैंड का निचला क्रम पूरी तरह बिखर गया। जोफ्रा आर्चर, मैट फिशर और जोश टंग खाता खोले बिना मैट हेनरी का शिकार बने। पदार्पण कर रहे जॉर्डन कॉक्स ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन उनकी पारी ज्यादा देर नहीं चली और वे हेनरी की गेंद पर बोल्ड हो गए। इंग्लैंड के अंतरिम कप्तान जो रूट चौथे दिन 75 रन बनाकर नाबाद लौटे थे, लेकिन पांचवें दिन वे अपनी पारी में केवल दो रन ही जोड़ सके और 77 रन के स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौट गए।

फीफा वर्ल्ड कप में केप वर्डे का उलटफेर

2 बार के चैंपियन उरुग्वे को 2-2 पर रोका; 92 साल में मिस्र की पहली जीत

वाशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप G और ग्रुप H के मुकाबले खेले गए। ग्रुप G में मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट के इतिहास में अपनी पहली जीत दर्ज की। मिस्र अपना पहला वर्ल्ड कप 1934 में खेला था। वहीं, बेल्जियम और ईरान के बीच मैच 0-0 की बराबरी रहा। ग्रुप H के मैच में केप वर्डे ने शानदार खेल दिखाते हुए दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। इन नतीजों के बाद दोनों ग्रुपों में नॉकआउट दौर में पहुंचने की जंग और रोमांचक हो गई है।

केप वर्डे ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे को 2-2 की बराबरी पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। मियामी में खेले गए मुकाबले में केप वर्डे ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एक अंक हासिल किया। इससे पहले वह स्पेन को भी 0-0 से ड्रॉ पर रोक चुका है। इस ड्रॉ के साथ ही ग्रुप H में नॉकआउट की रेस बेहद दिलचस्प हो गई है। स्पेन 4 अंकों के साथ ग्रुप में टॉप पर है, जबकि उरुग्वे और केप वर्डे दोनों के 2-2 अंक हैं। केविन पिना ने 34 यार्ड की शानदार फ्री-किक पर गोल कर केप वर्डे को बढ़त दिलाई, लेकिन हाफ-टाइम से पहले मैक्सी अराउजो और ऑगस्टिन कैनोबियो के गोल से उरुग्वे 2-1 से आगे हो गया। दूसरे हाफ में उरुग्वे के डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर वरेला ने बराबरी का गोल दाग दिया। इसके बाद उरुग्वे ने जीत के लिए जोर लगाया, लेकिन पिको लोप्स और सिडनी लोप्स कैबरल की अगुआई में केप वर्डे के डिफेंस ने मजबूती से मुकाबला बचाते हुए मैच 2-2 से ड्रॉ करा दिया।

लॉस एंजिल्स में खेले गए मुकाबले में बेल्जियम और ईरान ने 0-0 से ड्रॉ खेला। दोनों टीमें टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में थीं, लेकिन मजबूत डिफेंस और गोलकीपिंग के कारण कोई भी गोल नहीं हो सका। इस ड्रॉ के बाद दोनों टीमों के दो मैचों में दो-दो अंक हो गए हैं।

बेल्जियम के लिए स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू की करीब एक साल बाद शुरुआती एकादश में वापसी हुई। वहीं, ईरान का एक गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिया गया।

पुलिस अकादमी में एनडीपीएस मामलों पर विशेष प्रशिक्षण शुरू

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थों की रोकथाम और जांच क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से तेलंगाना पुलिस अकादमी में मादक द्रव्य एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) पर आधारित 37वें बैच के एनडीपीएस मामलों की जांच पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम अकादमी की निदेशक अभिलाषा बिष्ट के निर्देशों के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों की जांच क्षमता, कानूनी समझ और एनडीपीएस मामलों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत करना है। अकादमी के अनुसार, इस कोर्स के शुरू होने के बाद से अब तक 5,000 से अधिक पुलिस अधिकारी प्रशिक्षित हो चुके हैं। वर्तमान बैच में कुल 60 अधिकारी शामिल हैं, जिनमें कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, एएसआई, सब-इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के पहले दिन एनडीपीएस अधिनियम की विस्तृत जानकारी, जांच प्रक्रिया की एसओपी, जांच में पालन किए जाने वाले 25 महत्वपूर्ण चरण, कानूनी अनुपालन, दस्तावेजीकरण और वैज्ञानिक जांच पद्धतियों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों का संचालन ईगल फोर्सेज के एसीपी नरसिंग राव द्वारा किया गया, जिन्होंने एनडीपीएस एक्ट की प्रमुख धाराओं और नवीनतम जांच एसओपी के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सीएम ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री से 'कर्तव्य भवन' में मुलाकात की

आदिलाबाद हवाई अड्डे को व्यापक सुविधाओं से लैस करने का आग्रह

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से ससम्मान मिलते हुए।

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा विकसित किए जा रहे आदिलाबाद हवाई अड्डे को व्यापक सुविधाओं से लैस करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय 'कर्तव्य भवन' में रक्षा मंत्री से मुलाकात की। बैठक के दौरान, रेवंत रेड्डी ने प्रतिष्ठित गांधी सरोवर परियोजना के निर्माण के लिए रक्षा भूमि हस्तांतरित करने हेतु राजनाथ सिंह के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को आदिलाबाद हवाई अड्डे परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और उपयोगिता हस्तांतरण में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया, जिसे राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि भारतीय वायु सेना के तत्वावधान में आगामी आदिलाबाद हवाई अड्डे के विस्तार के लिए राज्य सरकार पूर्ण सहयोग देगी। रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री से भारतीय वायु सेना टर्मिनल और नागरिक उड्डयन टर्मिनल के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा के लिए कार्गो, एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) और हैंगर सुविधाओं की बड़े पैमाने पर स्थापना का समर्थन करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने उल्लेख किया कि मध्य एशिया में हाल के घटनाक्रमों के कारण विश्व की लोकप्रिय एयरलाइनें वर्तमान में अपने हैंगरों के लिए उपयुक्त स्थानों की तलाश कर रही हैं। आदिलाबाद हवाई अड्डे को हैंगर संचालन के लिए उपयुक्त बताते हुए, मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री से इस उद्देश्य के लिए हवाई अड्डे को विकसित करने की अपील की। सीएम रेवंत रेड्डी ने राजनाथ सिंह से महबूबनगर जिले के देवरकादरा में रक्षा सुविधा की स्थापना के लिए चयनित एक महत्वपूर्ण परियोजना-डीआरडीओ/डीआरडीएल की मंजूरी में तेजी लाने का भी अनुरोध किया। तेलंगाना के जन जागरूकता एवं प्रसारण मंत्रालय के विशेष सचिव विकास राज, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के.एस. श्रीनिवास राजू, मुख्यमंत्री के सचिव माणिक राज और विशेष सचिव (समन्वय) अद्वैत कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

बीआरएस कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में हरीश राव का कांग्रेस सरकार पर हमला

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अच्चमपेट विधानसभा क्षेत्र में आयोजित बीआरएस कार्यकर्ताओं के आत्मीय सम्मेलन में पूर्व मंत्री एवं विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष टी. हरीश राव ने राज्य की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों, छात्रों और गरीब वर्गों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। सम्मेलन में पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़, एस. निरंजन रेड्डी, बीआरएस के वरिष्ठ नेता आर.एस. प्रवीन कुमार, एमएलसी नवीन रेड्डी, पूर्व विधायक मर्री जनार्दन रेड्डी और आल वेंकटेश्वर रेड्डी सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। हरीश राव ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार किसानों के लिए घोषित 'रैतु भरोसा' योजना के तहत 29,350 करोड़ रुपये की राशि अब तक नहीं दे पाई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा घोषित बोनस किसानों के लिए बोनस नहीं, बल्कि बोगस साबित हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ज्वार, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली और सूरजमुखी जैसी फसलों की खरीद को लेकर केंद्र सरकार के निर्देशों पर निर्भर है, जिससे किसानों में अनिश्चितता बनी हुई है। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि खरीफ सीजन में धान खरीद को लेकर भी किसानों में चिंता है और सरकार पर्याप्त तैयारी नहीं कर रही है।

मुख्यमंत्री ने किसान समुदाय के साथ विश्वासघात किया : केटीआर

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की इंदिरम्मा राजयम नीति ने तेलंगाना को गहरे संकट में धकेल दिया है और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर राज्य की नवीनतम फसल खरीद नीति के माध्यम से किसान समुदाय के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। सोमवार को वारंगल जिले के वर्धन्नापेट विधानसभा क्षेत्र में बीआरएस के निर्वाचन क्षेत्र स्तरीय पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने ढाई साल के कार्यकाल में कोई भी सार्थक विकास या कल्याणकारी उपाय देने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर ही धान की खरीद करने के सरकार के फैसले से तेलंगाना के किसानों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा और आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने राज्य के किसानों के लिए मृत्यु का फरमान लिख दिया है। केटीआर ने कहा, पहले, रेवंत रेड्डी ने सवाल उठाया था कि क्या पिछली सरकार केंद्र के निर्देशों का पालन करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए दलाल की भूमिका निभा रही थी। आज, वे ठीक वही कर रहे हैं यह कहकर कि राज्य केवल केंद्र द्वारा अनुमोदित मात्रा में ही खरीद करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले कृषि सीजन से आगे, इस

बात की कोई गारंटी नहीं होगी कि किसानों की उपज केंद्रीय कोटे से आगे खरीदी जाएगी, जिससे कृषि समुदाय गंभीर संकट में फंस जाएगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद समाज के हर वर्ग को धोखा दिया है। लोगों को यह पूछना चाहिए कि पिछले ढाई वर्षों में कौन सी नई योजनाएं शुरू की गई हैं और क्या विकास हुआ है। यह दावा करते हुए कि तेलंगाना बीआरएस सरकार के तहत कल्याणकारी विकास के एक दशक से कांग्रेस शासन के तहत संकट के दौर में प्रवेश कर गया है, केटी रामाराव ने कहा कि सरकार परिवर्तन के बाद से राज्य ने कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल नहीं की है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जहां पिछली बीआरएस सरकार ने कल्याणकारी कार्यक्रमों, सिंचाई परियोजनाओं, पेयजल योजनाओं, 24 घंटे बिजली आपूर्ति और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उधार लिए गए धन का उपयोग किया, वहीं कांग्रेस सरकार ने लोगों के लिए ठोस लाभ में तब्दील किए बिना भारी कर्ज जमा कर लिया है। बैठक के दौरान, केटीआर ने एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी के सदस्यता अभियान और विशेष गहन पुनरावलोकन (एसआईआर) कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी।

यात्री बनकर आया शातिर व्यक्ति टैक्सी लेकर फरार

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यात्री बनकर आए एक शातिर व्यक्ति ने टैक्सी चालक को सिगरेट लाने के बहाने गाड़ी से उतारकर उसकी कार लेकर फरार हो गया। घटना मेडिपल्ली थाना क्षेत्र की है। नलगोंडा जिले के रहने वाले 26 वर्षीय च. भानु प्रभु किराए की स्विफ्ट टूर सीएनजी टैक्सी चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। 20 जून को वह उप्पल रिंग रोड के पास सवारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति ने चेंगिचेरला जाने के लिए 450 रुपये में गाड़ी बुक की। रास्ते में मेडिपल्ली गांव के पास पहुंचने पर यात्री ने पैर में दर्द होने की बात कही और चालक से पास की दुकान से सिगरेट लाने को कहा। भानु प्रभु जैसे ही गाड़ी से उतरे, आरोपी कार लेकर मौके से फरार हो गया। चालक ने कार का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी भागने में सफल रहा। बाद में पीड़ित ने मेडिपल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

कांग्रेस सरकार परिवार के साथ खड़ी रहेगी : महेश कुमार गौड़

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भूपालपल्ली सड़क दुर्घटना में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले डीटीओ वेंकन्ना को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने वेंकन्ना के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्य के मंत्री पोन्नम प्रभाकर तथा कडियम काव्या के साथ महेश कुमार गौड़ ने वेंकन्ना के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। नेताओं ने वेंकन्ना की पत्नी को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में तेलंगाना की कांग्रेस सरकार परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और हर संभव सहायता

महेश गौड़ ने जान गंवाने वाले वेंकन्ना को श्रद्धांजलि दी।

उपलब्ध कराएगी। नेताओं ने कर्तव्य पालन के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले वेंकन्ना की सेवाओं को याद करते हुए कहा कि उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार की ओर से परिवार को मिलने वाली सभी सहायता और सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान नेताओं ने दिवंगत वेंकन्ना की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

कोयला गायब होने के आरोप बेबुनियाद, पूरी प्रक्रिया पारदर्शी : सिंगारेनी

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने कोयला गायब होने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि कोयले के उत्पादन से लेकर उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और आधुनिक तकनीक की निगरानी में संचालित की जाती है। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में आरजी-3 के महाप्रबंधक मधुसूदन और एपी के सहायक महाप्रबंधक बंदी सत्यनारायण ने बताया कि कोयले के परिवहन और वितरण के लिए

जीपीएस, आरएफआईडी, सीसीटीवी, जियोफेंसिंग और डिजिटल वेइंगब्रिज जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादित कोयले का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा रेलवे और शेष 15 प्रतिशत सड़क मार्ग से उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि सड़क मार्ग से भेजे जाने वाले प्रत्येक वाहन का वजन इलेक्ट्रॉनिक वेइंगब्रिज पर किया जाता है और कंप्यूटर से जनरेट किए गए वे बिल जारी होने के बाद ही वाहनों को रवाना किया जाता है। जीपीएस और जियोफेंसिंग की सहायता से वाहनों की आवाजाही पर लगातार नजर रखी जाती है। उन्होंने कहा कि सभी वेइंगब्रिज को कोल नेट डिजिटल प्रणाली से जोड़ा गया है और लोडिंग के समय दर्ज वजन का गंतव्य पर दर्ज वजन से मिलान किया जाता है। किसी भी प्रकार की विसंगति मिलने पर तत्काल जांच की जाती है।

खदानों, स्टॉकयार्डों, तौल केंद्रों और रेलवे साइडिंगों पर सीसीटीवी कैमरे और आरएफआईडी आधारित बूम बैरियर लगाए गए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया की निरंतर निगरानी की जा रही है।

रेत से भरे ट्रकों के जाम में फंसी एम्बुलेंस
युवक की मौत का आरोप

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्रि कोठागुडेम जिले के मनुगुरु मंडल में सोमवार को रेत से भरे ट्रकों के कारण सड़क जाम होने से एक युवक को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने इसके लिए रेत से लदे ट्रकों से उत्पन्न अवरोध को जिम्मेदार ठहराया है। सूत्रों के अनुसार, दम्मक्कापेट गांव निवासी 35 वर्षीय वामशी ने आत्महत्या के प्रयास में कीटनाशक पी लिया था। परिजन उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मनुगुरु-पिनापाका मार्ग पर संबैगुडेम और रामानुजावरम के बीच दोनों ओर कई किलोमीटर तक रेत से भरे ट्रक खड़े होने के कारण एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। मजबूरी में परिजनों को युवक को कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ा।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही वामशी की मौत हो गई। परिवार के लोगों ने आरोप लगाया कि यदि रास्ता बाधित नहीं होता तो युवक की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने ग्रामीणों के जीवन को खतरे में डालने वाले रेत माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि मनुगुरु, पिनापाका और आसपास के क्षेत्रों के लोग पहले भी रेत से भरे ट्रकों के कारण होने वाले प्रदूषण और यातायात जाम को लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं और प्रशासन से समस्या के समाधान की मांग कर चुके हैं।

आरजीयूकेटी-बासर में कक्षाओं, पुस्तकालय और मेस में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज एंड टेक्नोलॉजीज (आरजीयूकेटी)-बासर के अधिकारियों ने छात्रों को पढ़ाई से विचलित होने से बचाने के उद्देश्य से कक्षाओं, पुस्तकालयों और मेस में मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में सोमवार को एक परिपत्र जारी किया गया। परिपत्र के अनुसार, छात्रों को कक्षाओं, पुस्तकालयों और मेस में मोबाइल फोन का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि अधिकारियों ने प्रतिबंध का स्पष्ट कारण नहीं बताया है, लेकिन छात्रों के बीच मोबाइल फोन के बढ़ते इस्तेमाल से पढ़ाई पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता जताई गई है।

वाहन जांच के दौरान तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से डीटीओ की मौत

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जयशंकर भूपालपल्ली जिले में सोमवार सुबह वाहन जांच के दौरान जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) वेंकन्ना (47) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह सड़क परिवहन कार्यालय के सामने कर्मचारियों के साथ वाहनों का निरीक्षण कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान जब्त की गई एक हार्वेस्टर मशीन को घानापुरम मंडल के चेलपुर बाहरी इलाके स्थित कार्यालय परिसर में सुरक्षित स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आए एक कोयले से लदे टिपर ट्रक ने पहले हार्वेस्टर को टक्कर मारी और फिर सड़क किनारे अपनी कार के सहारे खड़े वेंकन्ना को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी कार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

वेंकन्ना हनमकोंडा के निवासी थे और 2012 बैच के अधिकारी थे। सूचना मिलने पर भूपालपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार टिपर चालक को

हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। अधिकारियों के अनुसार, वेंकन्ना का तबादला महज 15 दिन पहले जगतियाल से भूपालपल्ली जिले में किया गया था। ड्यूटी के दौरान हुई उनकी मौत से जिला प्रशासन और परिवहन विभाग के कर्मचारियों में शोक की लहर है।

डीटीओ वेंकन्ना की मौत की विस्तृत जांच के आदेश

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने जयशंकर-भूपालपल्ली जिले के चेलपुर स्थित आरटीओ कार्यालय के पास ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में मारे गए जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) एम. वेंकन्ना की मौत की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। सरकार ने इस घटना को गंभीर मानते हुए दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का निर्णय लिया है। परिवहन, सड़क एवं भवन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन करते समय वेंकन्ना कथित रूप से कोयले से लदे एक ट्रक की चपेट में आ गए थे, जिससे उनकी मौत हो गई। सरकार ने संयुक्त परिवहन आयुक्त एम. चंद्रशेखर गौड़ को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। उन्हें घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच कर परिवहन आयुक्त के माध्यम से जल्द विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है। जांच के दौरान सार्वजनिक सड़कों पर प्रवर्तन कार्यों में लगे परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर भी सुझाव दिए जाएंगे। इनमें सुरक्षा उपकरण, वाहन जांच और जब्ती अभियान से संबंधित मानक संचालन प्रक्रियाओं तथा प्रवर्तन व्यवस्था में आवश्यक बदलाव शामिल हो सकते हैं। सरकार ने परिवहन आयुक्त को जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

हैदराबाद मेट्रो अधिग्रहण सौदे में पारदर्शिता की मांग

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो के प्रथम चरण के अधिग्रहण को लेकर तेलंगाना सरकार और केंद्र सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बीच इस सौदे की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं। लगभग 15 हजार करोड़ रुपये के इस अधिग्रहण को राज्य के सबसे बड़े बुनियादी ढांचा सौदों में माना जा रहा है, लेकिन इससे जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अब तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इस सौदे में करीब 13,600 करोड़ रुपये के ऋण का अधिग्रहण और पुनर्वित्तपोषण तथा लगभग 1,461 करोड़ रुपये का इक्विटी निपटान शामिल है। मंत्रिमंडल और विधानसभा से मंजूरी मिलने के बावजूद शेयर खरीद समझौता, मूल्यांकन रिपोर्ट, ऋण पुनर्गठन व्यवस्था और अन्य वित्तीय प्रावधान सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

आईआरएफसी के 13,600 करोड़ रुपये के पुनर्वित्त ऋण को लेकर भी विवाद सामने आया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का कहना है कि सभी शर्तें पूरी कर ली गई हैं और केंद्र सरकार की ओर से धन जारी करने में देरी हो रही है, जबकि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का दावा है कि ऋण की शर्तों और भुगतान प्राथमिकताओं को लेकर मतभेद बने हुए हैं। इस बीच, मुख्य विपक्षी दल बीआरएस ने भी सौदे में पारदर्शिता की मांग की है। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने सरकार पर खर्च और ऋण व्यवस्था से जुड़ी जानकारी छिपाने का आरोप लगाते हुए न्यायिक जांच और सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की है। हालांकि, इस मामले में राज्य सरकार या मेट्रो अधिकारियों की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता पोस्टर का विमोचन

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालय के मेन कॉन्फ्रेंस हॉल में जागरूकता पोस्टर का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट की प्रशासनिक उपायुक्त टी. अन्नपूर्णा, अपराध विभाग की उपायुक्त मुथ्यम रेड्डी तथा साइबर क्राइम्स की उपायुक्त साई मनोहर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए सरकार और पुलिस विभाग विभिन्न स्तरों पर समन्वय के साथ व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं। उन्होंने समाज में नशीले पदार्थों के उपयोग को रोकने के लिए सभी नागरिकों से जिम्मेदारीपूर्वक सहयोग करने की अपील की। अधिकारियों ने साइबराबाद कमिश्नरेट क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी (एसएचओ) को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूलों, कॉलेजों, युवा संगठनों और आम जनता के साथ मिलकर नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। साथ ही नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के बारे में लोगों को जागरूक कर नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भीमसारी गांव में मिली बुद्ध परिनिर्वाण की दुर्लभ प्रतिमा

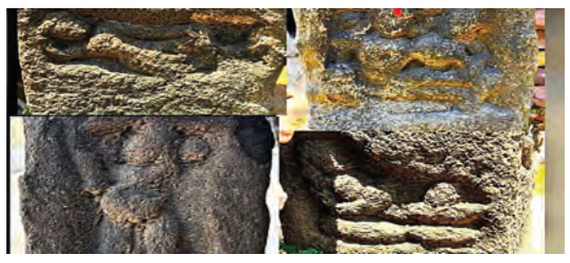

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के भीमसारी गांव में बुद्ध परिनिर्वाण की एक दुर्लभ ऐतिहासिक प्रतिमा की खोज की गई है। कोठा तेलंगाना चरित्र ब्रुडम के सदस्यों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतिमा लेटे हुए बुद्ध के अंतिम निर्वाण को दर्शाती है। कोठा तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम के सदस्य और इतिहास के व्याख्याता रोडदावारु पृथ्वीराज ने गांव में एक पत्थर के स्तंभ के एक हिस्से पर उकेरी गई यह प्रतिमा देखी। इसके बाद इतिहास दल के संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल ने निरीक्षण कर बताया कि प्रतिमा में बुद्ध दाहिनी करवट लेटे हुए हैं और उनका दाहिना हाथ सिर के नीचे रखा हुआ है, जैसा कि 'परिनिब्बान सूत्र' में वर्णित है।

मूर्तिकार और इतिहासकार डॉ. शिवनागिरेड्डी ने भी निरीक्षण के बाद पुष्टि की कि यह वास्तव में बुद्ध परिनिर्वाण की प्रतिमा है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी तेलंगाना में वेमुलावाड़ा और मुदिगोंडा से इस प्रकार की प्रतिमाएं मिल चुकी हैं। इतिहासकारों के अनुसार, पत्थर के इसी स्तंभ के अन्य तीन हिस्सों पर विष्णु की शयन मुद्रा, एक वीर योद्धा की आकृति और उमा-लिंगन की अर्ध-उभरी हुई मूर्तियां भी बनी हुई हैं। एक ही स्तंभ पर विभिन्न धार्मिक प्रतीकों का इस प्रकार अंकित होना बेहद दुर्लभ माना जा रहा है।

तिरुपति यात्रा के लिए बस बुकिंग में उछाल, हैदराबाद बना प्रमुख केंद्र

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति में चल रहे ज्येष्ठ अभिषेकम् उत्सव और सप्ताहांत के मद्देनजर तेलंगाना से बस बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। हैदराबाद इस दौरान सबसे व्यस्त प्रस्थान शहरों में से एक बनकर उभरा है। ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म रेडबस के अनुसार, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से बस बुकिंग में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। हैदराबाद से तिरुपति, विजयवाड़ा, बेंगलुरु और चेन्नई जाने वाले मार्गों पर यात्रियों की संख्या में विशेष बढ़ोतरी देखी गई है।

शहर के एमजीबीएस, कुकटपल्ली, गाचीबोवली, मियापुर, लकड़ीकापुल और अमीरपेट जैसे प्रमुख बोर्डिंग

प्वाइंट पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। आंकड़ों के अनुसार, एसी बसों की बुकिंग 65 प्रतिशत और स्लीपर कोच की बुकिंग 58 प्रतिशत रही, जिससे लंबी दूरी की आरामदायक यात्रा के प्रति यात्रियों की बढ़ती पसंद का पता चलता है। 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं ने कुल बुकिंग का लगभग आधा हिस्सा दर्ज किया। यह रुझान दर्शाता है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य क्षेत्रों से तीर्थयात्रा और सप्ताहांत यात्राओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.